THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 73 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.13 2082 सोमवार, 9 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मणिपुर में मैतेई लीडर की गिरफ्तारी के विरोध में गाड़ियां फूंकीं

पथराव किया; इंफाल समेत 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल, 8 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में मैतेई संगठन अरम्बाई टेंगोल के नेता करन सिंह को रविवार को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। उन पर 2023 में हिंसा भड़काने के आरोप है। इनकी गिरफ्तारी की खबर फैलने के बाद शनिवार देर रात मणिपुर में हिंसा भड़क गई थी। राजधानी इंफाल के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए। सुरक्षाबलों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की। सरकार ने 7 जून की रात 11:45 बजे से पांच दिनों के लिए 5 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस सस्पेंड कर दी है। >14

कैबिनेट विस्तार

तीन कांग्रेस विधायकों को मिली रेवंत रेड्डी मंत्रिमंडल में जगह

रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद यह पहला कैबिनेट विस्तार

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कैबिनेट विस्तार किया गया। यहां पर तीन कांग्रेस विधायकों को सीएम रेवंत रेड्डी सरकार में जगह दी गई है। रविवार को राजभवन में कांग्रेस विधायक जी विवेक, ए लक्ष्मण कुमार, वक्ति श्रीहरि ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। दिसंबर 2023 में रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद यह पहला कैबिनेट विस्तार है। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने नए मंत्रियों को बधाई दी। रेड्डी ने एक्स पर एक पोस्ट में पार्टी विधायक रामचंदर नाइक को विधानसभा का उपाध्यक्ष बनने पर बधाई भी दी। तेलंगाना में कैबिनेट विस्तार को लेकर कई दिनों से अटकलें चल रही थीं। पिछले दिनों सीएम रेवंत रेड्डी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने नए मंत्रियों को शामिल करने और प्रदेश कांग्रेस इकाई के पदाधिकारियों की नियुक्ति पर दिल्ली में एआईसीसी नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श किया था। तीन नए मंत्रियों के शामिल होने के साथ ही तेलंगाना मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित सदस्यों की सख्या बढ़कर 12 हो गई है। अभी यहां छह पद अभी भी रिक्त हैं।

सामाजिक न्याय पर ध्यान

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित किया है। विवेक और लक्ष्मण कुमार क्रमशः एससी (माला) और एससी (मडिगा) समुदायों से आते हैं। जबकि श्रीहरि पिछड़े वर्ग से आने वाले नेता हैं। इसके अलावा रामचंद्र नाइक एसटी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे हैं विवेक

कांग्रेस विधायक विवेक वेंकट स्वामी सांसद रह चुके हैं। वे दिवंगत कांग्रेसी नेता जी वेंकटस्वामी के बेटे हैं। विवेक ने अपना राजनीतिक करियर कांग्रेस से शुरू किया। उन्होंने बीआरएस और भाजपा के साथ भी काम किया। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले वे कांग्रेस में लौट आए। विवेक हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके बड़े भाई जी विनोद भी कांग्रेस के मौजूदा विधायक हैं।

बेंगलुरु भगदड़ : डीसीपी ने पहले ही चेतावनी दी थी

सरकार को बताया था आरसीबी के लाखों फैंस आ सकते हैं, संभालना मुश्किल होगा

बेंगलुरु, 8 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु भगदड़ केस में रविवार को नया खुलासा हुआ है। डीसीपी एमएन करिबासवना गौड़ा ने 4 जून को विक्ट्री परेड से पहले राज्य सरकार को लेटर लिखकर चेतावनी दी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि आरसीबी की फैन फॉलोइंग पूरे देश में है। अगर चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रोग्राम होता है तो लाखों लोग वहां पहुंच सकते हैं। हमारे पास पर्याप्त पुलिस बल नहीं है, जिससे सुरक्षा इंतजाम करना मुश्किल होगा।

इस लेटर के सामने आने के बाद सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि जब पहले से ही खतरे की जानकारी थी, तो इतने बड़े आयोजन की इजाजत क्यों दी गई। दरअसल, 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ की वजह से भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 75 लोग घायल हो गए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत का जश्न मनाने के लिए परमिशन किसने दी? यह फैसला कब और कैसे लिया गया? क्या आयोजकों ने जरूरी परमिशन ली थी? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब कर्नाटक सरकार को 10 जून तक हाईकोर्ट में दाखिल करने होंगे।

कर्नाटक हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सीएम जोशी की बेंच ने गुरुवार को सुओमोटो (स्व प्रेरणा से) रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए ये सवाल उठाए थे।

इससे पहले शुक्रवार को आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ने सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है।

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों का इस्तीफा

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ई एस जयराम ने इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है।

शंकर और जयराम ने संयुक्त बयान में कहा;पिछले दो दिनों में हुई अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की वजह से हम यह बताना चाहते हैं कि हमने सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है।

सात दिन के विदेश दौरे पर रहेंगे एस जयशंकर

फ्रांस, बेल्जियम और यूरोपीय संघ की करेंगे यात्रा

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर सात दिन के विदेश दौरे पर रहेंगे। वे आठ से 14 जून तक बेल्जियम, फ्रांस और यूरोपीय संघ की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यात्रा के दौरान विदेश मंत्री फ्रांस में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। साथ ही बेल्जियम में विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने समकक्ष से बात करने के साथ ही प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और फ्रांस ने रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। फ्रांस के साथ हमारे संबंध गहरे विश्वास और प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। दोनों देश कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समान दृष्टिकोण साझा करने के अलावा निकटता से सहयोग करते हैं। विदेश मंत्री फ्रांस के पेरिस और मार्सिले की यात्रा करेंगे। जहां वे फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के अपने समकक्ष मंत्री जीन नोएल बरोट के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। वह फ्रांस के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ थिंक टैंक और मीडिया के साथ भी बात करेंगे। इसके अलावा विदेश मंत्री मार्सिले शहर में आयोजित होने वाले भूमध्यसागरीय रायसीना वार्ता के उद्घाटन समारोह में भी भाग लेंगे। >14

सीजेआई खन्ना ने जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा था

नहीं दिया तो पद से हटाने की सिफारिश की थी; संसद ने हटाया तो पेंशन नहीं मिलेगी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने इनहाउस रिपोर्ट के आधार पर जस्टिस यशवंत वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था। इसके लिए राजी ने होने पर खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी।

केंद्र सरकार जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए संसद के मानसून सत्र में प्रस्ताव ला सकती है। कानूनी जानकारों के मुताबिक अगर वे इस्तीफा देते हैं तो उन्हें रिटायर्ड जज की तरह पेंशन और अन्य लाभ मिलेंगे। संसद में प्रस्ताव लाकर हटाए जाने पर पेंशन वगैरह कुछ नहीं मिलेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंची फायर सर्विस टीम को बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे। मामला बढ़ने पर उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि, उन्हें कोई भी न्यायिक काम नहीं दिया जा रहा है।

कानूनी जानकार बताते हैं कि जस्टिस वर्मा संसद के किसी भी सदन में सांसदों के सामने अपना पक्ष रखते हुए पद छोड़ने की घोषणा कर सकते हैं। उनके मौखिक बयान को ही इस्तीफा मान लिया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट का जज राष्ट्रपति को अपना साइन किया त्यागपत्र दे सकते हैं। जज के इस्तीफे के लिए किसी अनुमोदन जरूरत नहीं होती। जज अपनी चिट्ठी में पद छोड़ने की तारीख भी लिख सकते हैं। ऐसे मामले में वे उस तारीख से पहले इस्तीफा वापस भी ले सकते हैं। जिस स्टोर रूम में आग लगने के बाद जली नकदी मिली थी, वह जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के कब्जे में था।

संजीव खन्ना ने मामले की जांच के लिए 22 मार्च को इनहाउस पैनल बनाया था। पैनल ने 4 मई को दी अपनी रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया था।

केरल के व्यापारी की बढ़ीं मुश्किलें

रिश्वत मामले में ईडी अधिकारी के खिलाफ नहीं दे पाया सबूत

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। केरल में ईडी के अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले व्यवसायी की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

ईडी सूत्रों का दावा है कि व्यवसायी रिश्वत मामले में ईडी अधिकारी के खिलाफ कोई सबूत नहीं दे पाया है।

हाल ही में कारोबारी ने केंद्रीय एजेंसी के सामने बयान दर्ज कराया है। पिछले महीने व्यवसायी अनीश बाबू की शिकायत पर एर्नाकुलम में केरल सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) कार्यालय ने ईडी के कोच्चि कार्यालय में कार्यरत के एक सहायक निदेशक रैंक के अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। >14

आपने क्यों मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मणिपुर के हालात को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मोदी सरकार से सवाल करते हुए कहा कि मणिपुर हिंसा की चपेट में है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को उसके हाल पर क्यों छोड़ दिया है? प्रियंका गांधी का यह बयान मणिपुर में रविवार को फिर से हिंसा भड़कने के मद्देनजर आया है। हिंसा के बाद राज्य के पांच जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

प्रियंका गांधी ने रविवार को X पर लिखा, मणिपुर एक बार फिर से हिंसा की चपेट में है। करीब दो साल से राज्य के लोग हिंसा, हत्या, बलात्कार और पलायन झेल रहे हैं। >14

पाकिस्तान के दोहरे रवैये को वैश्विक मंच पर उठाया: प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सदस्य थीं. छह देशों का दौरा कर लौटी हैं. वापस लौटने के बाद उन्होंने कहा कि आतंकवाद और पाकिस्तान के दोहरे रवैये को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से उठाया. छह यूरोपीय देशों की इस यात्रा में उन्होंने विभिन्न देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, विदेश मंत्रियों और संसदीय समितियों के अध्यक्षों के साथ मुलाकात की. इसके अलावा, उन्होंने प्रवासी भारतीयों, मीडिया और थिंक टैंक्स से भी संवाद किया।

'यह एक बहुत ही सफल यात्रा रही'

प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा, मेरा मानना है कि यह एक बहुत ही सफल यात्रा रही है. यूरोपीय देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने हमसे मुलाकात की, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी हम मिले. बर्लिन में जर्मनी के विदेश मंत्री ने हमसे मुलाकात की, रोम में इटली के उप विदेश मंत्री से चर्चा हुई. कोपेनहेगन में उपसभापति और विदेश मामलों की समितियों के अध्यक्षों ने हमसे बात की. हमने उपराष्ट्रपति से भी मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि छह देशों और छह स्थानों पर हमने व्यापक स्तर पर संवाद किया. इस दौरान हमने पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया और भारत की चिंताओं को जिम्मेदारीपूर्वक विश्व समुदाय के सामने रखा. हमने प्रवासी लोगों से भी बातचीत की. प्रवासी समुदाय भारत की ताकत है और उनकी चिंताओं को सुनना और उनके साथ संवाद करना भी इस यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा था।

प्रियंका चतुर्वेदी ने 26/11 के मुंबई आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और राजनीति में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया था. शिवसेना यूबीटी की सांसद ने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि देश के प्रति मेरी जिम्मेदारी थी. मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमले के बाद मैंने राजनीति में प्रवेश किया. उस घटना ने मुझ पर काफी असर डाला था. मैं जानती हूं कि आतंकवाद के कारण कितने घर बर्बाद हो जाते हैं. आतंकवाद के कारण कई महिलाओं को अपने घर चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

'धर्म के आधार पर देश को बांटने की कोशिश करने...'

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं के सामने आजीविका का संकट खड़ा करता है और देश की स्थिरता और व्यापार को नष्ट करने की कोशिश करता है. यह मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं इन मुद्दों को वैश्विक मंच पर उठाऊं. हमने वैश्विक मंचों पर धर्म के आधार पर देश को बांटने की कोशिश करने वालों को बेनकाब किया. हम देश की एकता की रक्षा करने में सफल रहे, जिसे पूरी दुनिया ने देखा. अगर मेरे भाषणों ने लोगों को प्रभावित किया है और देश के मुद्दों को सामने लाया है, तो मैं इसे राष्ट्र के प्रति अपनी सेवा मानती हूं। >14

25वीं पुण्यतिथि

|| श्री हरिः || || श्री हरिः ||

स्व. श्री विठ्ठलदास हरिकिशनदास ज़वेरी

वैकुण्ठवास : 9 जून 2000

प्रेम आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको..
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको..

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : कृष्णदास हरिकिशनदास (भाई) आशालता (पुत्रवधू)
विजयकुमार-प्रेमलता, सुरेशकुमार-मीना, सतीशकुमार-संगीता (पुत्र-पुत्रवधू)
राकेश-दीपाली, मुकेश-नेहा, हितेश-शीतल, भावेश-श्वेता, सुकेश-निधि,
राहुल-सोनम, ध्रुव-राजवी (पौत्र-पौत्रवधू) कृष्णा, निहान, वंशिका, दर्श, अमय,
आर्यमान, क्षितिज, पूजा (प्रपौत्र, प्रपौत्रियाँ) एवं समस्त ज़वेरी परिवार

VIJAY VITTHALDAS | H. VITTHALDAS | BABU VITTHALDAS
HARIKISHANDAS HARILOCHANDAS & CO.
HELIOS VITHALDAS ZAVERI PVT. LTD.

दिल्ली में कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 2.3 रही तीव्रता दक्षिण-पूर्व दिल्ली था केंद्र

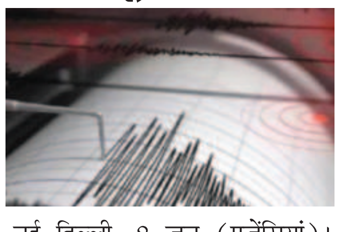

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में रविवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने की वजह से अधिकांश लोगों को झटके नहीं महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.3 रही। भूकंप का केंद्र दक्षिण पूर्व, दिल्ली में था। फिलहाल कहीं से भी जान-माल की हानि की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि करीब 1.27 बजे आया। उस समय लोग सो रहे थे, इस कारण भी झटके लोगों को महसूस नहीं हुए। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 5 किलोमीटर की गहराई में था।

केरल के नीलांबुर में किशोर की करंट लगने से मौत पर विवाद

उपचुनाव से पहले यूडीएफ ने सरकार को घेरा

तिरुवनंतपुरम, 8 जून (एजेंसियां)। केरल के नीलांबुर में एक किशोर की करंट लगने से मौत पर विवाद हो गया है। नीलांबुर में 19 जून को उपचुनाव होना है। यही वजह है कि किशोर की मौत राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गई है। विपक्षी गठबंधन यूडीएफ ने आरोप लगाया है कि राज्य की एलडीएफ गठबंधन सरकार की लापरवाही से किशोर की मौत हुई। यूडीएफ कार्यकर्ताओं ने नीलांबुर में सड़क अवरुद्ध कर पुलिस स्टेशन तक मार्च भी किया। वहीं सत्ताधारी एलडीएफ गठबंधन घटना के पीछे राजनीतिक साजिश की आशंका जता रहा है।

क्या है पूरा मामला

नीलांबुर के वाझिकाडावु इलाके में एक निजी संपत्ति में जंगली सुअर को पकड़ने के लिए जाल में करंट लगाया गया था। कक्षा 10 में पढ़ने वाला जीतू और उसके तीन दोस्त इस जाल की चपेट में आकर करंट के संपर्क में आ

गए। हादसे में जीतू की मौत हो गई और उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हैं। यूडीएफ का आरोप है कि ऐसे अवैध जालों के खिलाफ राज्य सरकार और प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता है। हालांकि राज्य के वन मंत्री ए के ससींद्रन ने आरोपों से इनकार किया और इसे उपचुनाव से पहले राजनीतिक साजिश करार दिया।

राजनीतिक विवाद क्यों हुआ

नीलांबुर उपचुनाव में यूडीएफ के उम्मीदवार आर्यदान शौकत और एलडीएफ उम्मीदवार एम स्वराज ने भी शनिवार को उस अस्पताल का दौरा किया, जहां मृत किशोर का शव रखा गया था। दोनों ही उम्मीदवारों ने घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। यूडीएफ उम्मीदवार ने इसे राज्य प्रायोजित हत्या बताया। यूडीएफ ने आरोप लगाया कि केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) की जानकारी में इस तरह के अवैध बिजली के जाल बिछाए गए थे, इसलिए सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ससींद्रन ने कहा कि उपचुनाव से पहले स्थानीय लोगों की भावनाओं को सरकार और वन विभाग के खिलाफ भड़काने की जानबूझकर कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि व्यापक जांच चल रही है। यह घटना एक निजी संपत्ति में हुई, लेकिन मालिक का कहना है कि उसने वहां ऐसी कोई अवैध बाड़ नहीं लगाई है। स्थानीय लोगों ने भी कहा कि कल शाम तक ऐसी कोई बाड़ नहीं थी। केएसईबी अधिकारियों ने पुष्टि की कि उन्हें इस बारे में पता नहीं था।'

उन्होंने आश्चर्य जताया कि स्थानीय लोगों को कल रात इस घटना के बारे में पता चलने से बहुत पहले यूडीएफ द्वारा मलप्पुरम में एक विरोध मार्च कैसे आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है।

देश में कोरोना के मामले 6 हजार के पार; 24 घंटे में 6 मरीजों की मौत

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले फिर से डराने लगे हैं, हालांकि अभी संक्रमित मामलों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। लेकिन सरकार की ओर से सभी राज्यों को कोरोना को लेकर अलर्ट रहने और हर जरूरी तैयारी करने को कह दिया गया है। इस बीच देशभर में कोरोना के नए मामलों की संख्या 6 हजार को पार कर गई है। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना के एक्टिव मामले की संख्या बढ़कर 6,133 तक पहुंच गई है, जबकि 6,237 मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। हालांकि पिछले 24 घंटे के अंदर 6 लोगों की जान चली गई है। जनवरी से लेकर अब तक देश में कोरोना की वजह से 61 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले दिल्ली में इस साल अब तक कोरोना से 7 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के मामले में दिल्ली पर नजर डालें तो यह पर भी कुछ न कुछ नए मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली में एक्टिव मामलों की संख्या 665 तक पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे में 6 लोगों की मौत हो चुकी है। केरल में कोरोना से 3 लोगों की मौत हो गई जबकि कर्नाटक में 2 लोगों की जान गई तो तमिलनाडु में एक मरीज की कोविड से मौत हो गई। कर्नाटक में जिन 2 लोगों की मौत हुई उसमें एक मरीज 46 साल का था तो दूसरे मरीज की उम्र 78 साल थी।

24 घंटे में मरने वाले सभी मरीज पुरुष

इसी तरह केरल में 3 लोगों मारे गए। मरने वालों में तीनों मरीज 50 साल से ऊपर के मरीज थे। एक की उम्र 51 साल, तो दूसरे की उम्र 64 और तीसरे की उम्र 92 साल थी। जबकि तमिलनाडु में मरने वाले शख्स की उम्र 42 साल थी। सभी 6 लोग पुरुष मरीज थे। इससे पहले आज रविवार सुबह के एक्टिव मामलों की संख्या 5755 थी तो 5484 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे।

पालघर शिवसेना नेता हत्याकांड के मुख्य आरोपी पर शिकंजा

सिलवासा से गिरफ्तार

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। पालघर शिवसेना नेता हत्याकांड के मुख्य आरोपी को सिलवासा से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने रविवार को दादरा और नगर हवेली के सिलवासा से शिवसेना नेता अशोक ढोडी के अपहरण और हत्या मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि सूचना के आधार पर पीड़ित के भाई अविनाश रमन ढोडी (60) को मोरखल से तड़के गिरफ्तार किया गया। वह पांच महीने से फरार था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जनवरी में हुई वारदात के सिलसिले में पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पीड़ित अशोक ढोडी (52) 19 जनवरी को लापता हो गए थे। उनका शव कुछ दिनों बाद बरामद किया गया था। पुलिस ने पड़ोसी गुजरात में पानी से भरी खदान में उनकी कार को ढूंढ निकाला था। देशमुख ने बताया कि आरोपी अविनाश ढोडी इस बात से नाराज था कि पीड़ित ने वेवजी ग्राम पंचायत में उसके घर का पट्टा रद्द करने के लिए आवेदन किया था। इसके बाद उसे बेदखल कर दिया गया था। उन्होंने कहा, '19 जनवरी को जब अशोक ढोडी दहानू से अपने घर जा रहे थे तो आरोपी और उनके साथियों ने वेवजी घाट पर उनकी कार रोकी और उनका अपहरण कर लिया।'अधिकारी ने कहा कि आरोपियों ने बाद में अशोक ढोडी की हत्या कर दी और उनके शव और कार को गुजरात के सरीगाम वाडियापाड़ा में पानी से भरी खदान में फेंक दिया। अधिकारी ने कहा कि घोलवाड़ पुलिस स्टेशन में 27 जनवरी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 140 (3), 140 (1) (हत्या या फिरौती के लिए अपहरण या अपहरण), 351 (2) (आपराधिक धमकी), 103 (1) (हत्या) और 238 (ए) (अपहरण) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

5 दिन तक तपेगी दिल्ली, पहाड़ों पर भी राहत नहीं

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के समय से पहले दस्तक देने के बाद कई राज्यों में मूसलाधार बारिश देखने को मिली थी, लेकिन अब मूसलाधार बारिश का दौर थम गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश में फिलहाल मौसम के सामान्य बने रहने का पूर्वानुमान जताया है। दिल्ली-एसनीआर समेत देश के कई राज्यों में एक बार फिर भीषण गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में बरसात के बाद अब गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में फिलहाल आने वाले दिनों में बारिश की संभावना नहीं है। राजधानी में आज मौसम साफ रहने वाला है। अधिकतम 40 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। कल से 14 जून तक पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार ही रह सकता है। मतलब साफ कि दिल्ली वालों को आने वाले 5 दिनों में अभी गर्मी झेलनी

पड़ेगी।

यूपी में सितम ढा रही गर्मी

उत्तर प्रदेश में गर्मी सितम ढा रही है। इस समय राज्य में दिन के वक्त तेज धूप हो रही है, जिस वजह से ठीकठाक गर्मी हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल 11 जून तक बरसात होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। 9 से 11 जून के दौरान बुन्देलखण्ड, विंध्य और उससे सटे क्षेत्रों में लू चल सकती है। 11 जून से पूर्वी उत्तर प्रदेश में पुरवा हवाएं एक्टिव हो सकती हैं, जिससे बारिश शुरू हो सकती है।

बिहार-झारखंड में कैसा है मौसम

बिहार में आज अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। राज्य की राजधानी पटना में आज अधिकतम 37 और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता है। मौसम विभाग ने 10 जून से फिर बारिश शुरू होने की चेतावनी जारी की है। इसके पहले तक राज्य में उमस भरी गर्मी पड़ सकती है। वहीं, अधिकतम और न्यूनतम तापमान में चार डिग्री तक बढ़ सकता है। वहीं झारखंड की राजधानी रांची समेत कई जिलों में आज शाम के समय हल्की बारिश और गर्जन हो सकती है।

इन राज्यों में भीषण गर्मी तो पूर्वोत्तर भारत में बारिश

पश्चिमी राजस्थान में 8-11 जून तक, पंजाब, हरियाणा में 9-11 जून के दौरान और उत्तरी मध्य प्रदेश में 9 और 10 जून को हीट-वेव चल सकती है। इससे इन क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ेगी। वहीं दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में 10 जून से भारी बारिश हो सकती है। अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पहाड़ी इलाकों का क्या है हाल

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में अभी तेज गर्मी के आसार हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में तेज धूप हो रही है, जिससे गर्मी एहसास हो रहा है। हालांकि पहाड़ों पर मौसम तेजी से बदलेगा। 12-13 जून को हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बरसात की संभावना है।

पेंट फैक्टरी में आग से जिंदा जले मजदूर, दमकल विभाग की सात गाड़ियां बुझाने में जुटी, दो की मौत

अमृतसर, 8 जून (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में आग की घटना हुई है। अमृतसर के थाना हकीमा के अंतर्गत आते अन्नगढ़ इलाके में रविवार सुबह एक पेंट फैक्टरी में आग लग गई। आग से फैक्टरी में काम कर रहे 2 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं एक अन्य गंभीर घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आग की बड़ी-बड़ी लपटें और काले धुएं का गुबार चारों तरफ फैल गया है। आग की घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने पर दमकल विभाग की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। वहीं फैक्टरी से निकली आग की लापटों को देखते आसपास के लोग एकत्रित हो गए। लोगों ने थाना गेट हकीमा पुलिस को भी सूचित किया। थाना गेट हकीमा की एसएचओ मंजीत कौर ने बताया कि फिलहाल मृतकों की पहचान की जा रही है और आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

राहुल गांधी और देवेंद्र फडणवीस की 'आर्टिकल वॉर' पर सुप्रिया सुले बोलीं- 'ईसी ने पत्र का जवाब नहीं दिया'

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इन दिनों आर्टिकल पर सियासी घमासान मचा हुआ है। जहां एक तरफ इसकी शुरूआत लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में धांधली को लेकर लिखते हुए कि, वहीं इसके पलटवार में सूबे के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी एक आर्टिकल लिखा दिया। इस आर्टिकल वर्सेस आर्टिकल में पर सियासी प्रतिक्रियाएं भी आने लगी है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत के बाद अब एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने भी अब इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। महाराष्ट्र के बारामती में एएनआई के मुताबिक, पत्रकारों से बात करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा, राहुल गांधी ने जो लिखा है, वह इसलिए लिखा क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग को कई पत्र भेजे, लेकिन किसी का जवाब नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है, और दोनों नेताओं द्वारा अपने-अपने विचार रखने की यही प्रक्रिया लोकतंत्र को जीवित रखती है।

कहां से शुरू हुआ मामला?

बता दें कि राहुल गांधी ने नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर एक अखबार में लेख लिखा। इसमें उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र के लिए मैच फिक्सिंग जैसा जहर था। राहुल गांधी ने इसे औद्योगिक स्तर की धांधली बताया और चुनाव आयोग समेत अन्य संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के आरोप लगाए। राहुल गांधी के इस लेख के जवाब में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मैदान में उतर आए। उन्होंने भी एक अंग्रेजी अखबार में लंबा लेख लिखते हुए राहुल गांधी के आरोपों को नकारा। फडणवीस ने लिखा कि विपक्ष की यह रणनीति पूरी तरह निराधार है और यह जनादेश का अपमान है। उन्होंने अपने लेख में सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग का हवाला देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इस तरह के आरोप लगाना राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और इससे जनता का विश्वास कमजोर होता है।

पुलिसकर्मी बनने के लिए अपनाया ठगों वाला तरीका आधार कार्ड वेंडर के साथ मिलकर किया घोटाला

भोपाल, 8 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल में पुलिस भर्ती की परीक्षा देने वाले 22 उम्मीदवारों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। आरोप है कि इन उम्मीदवारों ने आधार कार्ड के साथ छेड़छाड़ कर परीक्षा में किसी और को बैठा दिया। इसके बाद फिजिकल वेरिफिकेशन के समय दूसरा इंसान सामने आया। शुरुआती जांच में सारे रिकॉर्ड ठीक थे, लेकिन जब परीक्षा के समय दिए गए आधार कार्ड से मिलान किया गया तो पूरा फर्जीवाड़ा सामने आया। कई उम्मीदवारों के फिंगरप्रिंट मेल नहीं खा रहे थे। इसके बाद सभी आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। कानून व्यवस्था के आईजी अंशुमान सिंह ने बताया कि फिजिकल टेस्ट के दौरान 22 उम्मीदवारों के आधार कार्ड फर्जी पाए गए। इसके बाद पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का पति के साथ डांस का वीडियो वायरल, लोग दे रहे बधाई

कोलकाता, 8 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीते दिनों एक बार फिर शादी रचाई है। उन्होंने पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा के साथ शादी की है, वे ओडिशा के पुरी से सांसद रह चुके हैं। महुआ मोइत्रा ने जर्मनी में पिनाकी मिश्रा के साथ शादी की है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। शादी के बाद का अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो शादी समारोह का ही बताया जा रहा है। महुआ मोइत्रा और उनके पति पिनाकी मिश्रा का शादी का डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। टीएमसी सांसद मोइत्रा ने खुद यह वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दोनों पीच रंग के कपड़ों में बॉलीवुड गाने पर नाचते दिख रहे हैं। महुआ मोइत्रा और पूर्व बीजद सांसद पिनाकी ने 30 मई को जर्मनी में शादी की थी।

मोइत्रा ने खुद शेयर किया वीडियो

महुआ मोइत्रा ने एक हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहनी हुई है और उनके पति पिनाकी मिश्रा ने एक वेस्टकोट पहना हुआ है। बॉलीवुड गाने "रात के हमसफर" पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। महुआ मोइत्रा ने यह वीडियो अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर शेयर किया, वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और देखते ही देखते लोगों ने उन्हें ढेर सारी बधाइयां भेजनी शुरू कर दीं।

कौन हैं पिकानी मिश्रा?

उड़ीसा की पुरी लोकसभा सीट से सांसद रहे पिनाकी मिश्रा बीजू जनता दल के नेता है। हाल के चुनाव में उन्हें बीजेपी के संबित पात्रा से हार का मुंह देखना पड़ा था। पिनाकी मिश्रा और महुआ मोइत्रा दोनों की ही ये दूसरी शादी है। पिनाकी की पहली शादी संगीता मिश्रा से हुई थी, उनसे 2 बच्चे भी हैं। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की बात की जाए तो उनकी पहली शादी डेनिश फाइनेंसर लार्स ब्रोरसन से हुई थी। मोइत्रा बंगाल की कृष्णा नगर सीट से सांसद हैं।

सूटकेस में खून से लथपथ मिली लड़की, भड़के लोग, आप ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में नौ साल की बच्ची का खून से लथपथ शव सूटकेस में मिलने के बाद मामला गर्माता जा रहा है। जहां एक ओर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर इस मामले में राजनीति भी तेज हो गई है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है? आतिशी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि 'दिल्ली में 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और मर्डर के लिए कौन जिम्मेदार है? बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है? भाजपा की 4 इंजन की सरकार है, फिर भी हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं? कहां हैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी?

कहां हैं देश के गृह मंत्री अमित शाह जी?' उत्तर-पूर्वी दिल्ली में एक नाबालिग लड़की का खून से लथपथ सूटकेस में शव मिला है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पूर्वोत्तर दिल्ली के नेहरू विहार में एक नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को शुरुआती मेडिकल जांच के आधार पर यौन उत्पीड़न का संदेह है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दयालपुर पुलिस स्टेशन में रात 8:41 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर एक टीम को नेहरू विहार की गली नंबर 2 में भेजा गया, जिसमें पाया गया कि लड़की के पिता ने उसे पहले ही जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करा दिया था। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। डॉक्टरों ने उसके चेहरे पर चोट के निशान पाए और यौन उत्पीड़न की संभावना जताई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया है। साक्ष्य एकत्र करने और आरोपियों का पता लगाने के लिए कई टीमों को तैनात किया गया है।

'वो ग्रंथ या गीता भी लिख लें, कोई फायदा नहीं होगा' देवेंद्र फडणवीस के आर्टिकल पर बोले संजय राउत

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन के प्रमुख चेहरे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के महाराष्ट्र चुनावों में धांधली को लेकर लिखे लेख पर सियासत गरमा गई है। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी अब इस पर प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने पीटीआई को दिए बयान में कहा कि राहुल गांधी का लेख देश की जनता तक पहुंच चुका है और उसमें जो सवाल उठाए गए हैं, उनका जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए, न कि भारतीय जनता पार्टी को। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव के हाईजैक होने की बात कही है और ये मुद्दा गंभीर है।

आरोप चुनाव आयोग है तो जवाब फडणवीस क्यों दे रहे हैं- राउत

संजय राउत से जब देवेंद्र फडणवीस के द्वारा लिखे आर्टिकल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैंने तो नहीं देखा कहां आर्टिकल है। मैंने राहुल गांधी का आर्टिकल जरूर पढ़ा है। क्योंकि देश के सभी जनता तक वो आर्टिकल पहुंच गया है। राहुल गांधी ने 5 अहम मुद्दों को उठाया है, जिसमें सबसे गंभीर आरोप चुनाव आयोग पर है। उन्होंने पैनल बदलने, मतदाता सूची में गड़बड़ी, और अचानक 60 लाख से अधिक नए वोटरों के जुड़ने जैसे मामलों का जिक्र किया है। राउत का कहना है कि इन सवालों का जवाब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नहीं, बल्कि चुनाव आयोग को देना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, फडणवीस चाहे लेख लिखें या गीता, कोई असर नहीं पड़ेगा, उन्हें अब कोई पढ़ता नहीं।

बीजेपी और उनकी गैंग ने महाराष्ट्र चुनाव चोरी किया- राउत

राउत ने यह भी कहा कि राहुल गांधी संविधानिक पद पर बैठे हैं और उन्हें यह सवाल पूछने का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और उनकी सहयोगी शिंदे-अजित पवार गैंग ने चुनाव को चोरी किया है। उन्होंने कहा, अगर लोकसभा में हम जीत सकते हैं, तो फिर कुछ महीनों में बीजेपी को इतना बड़ा बहुमत कैसे मिल गया? उन्होंने सवाल उठाया कि महाराष्ट्र में वास्तव में चुनाव हुए ही नहीं, बल्कि परिणाम पहले से तय थे। बता दें कि राहुल गांधी ने अपने लेख में नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लोकतंत्र के लिए मैच फिक्सिंग जैसा जहर बताया था। उन्होंने इसे "औद्योगिक स्तर" की धांधली करार दिया और चुनाव आयोग व अन्य संस्थाओं पर दुरुपयोग के आरोप लगाए। इसके जवाब में फडणवीस ने भी एक लेख लिखते हुए राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज किया और उन्हें लोकतंत्र का अपमान बताया। फडणवीस ने सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग का हवाला देते हुए कहा कि विपक्ष के दावे पूरी तरह निराधार हैं।

एकनाथ शिंदे के विधायक निलेश राणे ने मंत्री भाई नितेश राणे को दी चेतावनी- 'सोच-समझकर बोला करें'

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन महायुति में अनबन का माहौल लगातार बना हुआ है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर सत्ता और विपक्ष दोनों के ही नेता आक्रामक रुख अपना रहे हैं और एक दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं। इसी क्रम में अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री नितेश राणे के एक बयान से एकनाथ शिंदे के विधायक भड़क गए हैं। ये विधायक और कोई नहीं बल्कि मंत्री नितेश राणे के बड़े भाई निलेश राणे हैं। हाल ही में निलेश राणे ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट लिखा, नितेश को संभलकर बोलना चाहिए। जब हम मिले थे तो मैंने कुछ नहीं कहा था, लेकिन हमें हर बात को ध्यान में रखकर बोलना चाहिए। दरअसल, कुछ दिन पहले नितेश राणे ने बीजेपी को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था, सभी के पिता के रूप में, बीजेपी के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य में बैठे हैं। यह सभी को याद रखना चाहिए। इसलिए, कोई चाहे कितनी भी ताकत दिखा ले, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं और महाराष्ट्र में के असलि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही हैं।

निलेश राणे बोले- भूलिए मत हम गठबंधन में हैं

इसी पर जवाब देते हुए निलेश राणे ने नितेश राणे को नसीहत दी और लिखा, बैठक में बोलना आसान है, लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपके भाषण से असल में किसको फायदा हो रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम एक महागठबंधन में हैं। जानकारी के लिए बता दें कि यूं तो निलेश राणे शिवसेना विधायक और नितेश राणे बीजेपी विधायक और मंत्री हैं, लेकिन असल में दोनों सगे भाई हैं। निलेश राणे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्मंत्री नारायण राणे के बड़े बेटे हैं और नितेश राणे छोटे बेटे। बड़े भाई निलेश राणे पहले बीजेपी में ही थे, लेकिन बाद में उन्होंने शिवसेना का दामन थाम लिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 9 जून, 2025

सुविचार

लक्ष्य आपका है तो मेहनत आपको ही करनी होगी कोई और क्यों आपकी मदद करेगा।

दत्तात्रेय नवोदित राजनेताओं के लिए आदर्श हैं: सीएम रेवंत

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सिफारिश की है कि राजनीति में नए लोगों को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा पढ़नी चाहिए। उनका मानना है कि नए नेता दत्तात्रेय से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जो भावी नेताओं के लिए आदर्श हैं। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के जीवन पर आधारित पुस्तक 'प्रजाला काठे-ना आत्म कथा' का विमोचन रविवार को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए रेवंत रेड्डी, जो मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए, ने बंडारू दत्तात्रेय की प्रशंसा की, क्योंकि वे गौलीगुडा गली (संकरी गली) से राज्यपाल के पद तक पहुंचे। उन्होंने कहा, "दत्तात्रेय ने अपने मूल मूल्यों को बनाए रखा और अपने पूरे राजनीतिक कार्यकाल के दौरान कई बड़े पदों को सुशोभित करने के बावजूद कभी भी लोगों से खुद को दूर नहीं किया।" मुख्यमंत्री ने हरियाणा के राज्यपाल के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों और वरिष्ठ नेता की राजनीतिक यात्रा के अपने करीबी अवलोकन को याद किया। उन्होंने दत्तात्रेय की तुलना राष्ट्रीय नेता और तेलंगाना राज्य में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बराबर के कद से करते हुए कहा कि "आजता शत्रुवु" (जिसका कोई दुश्मन नहीं है) शब्द दत्तात्रेय के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हर राजनीतिक नेता दत्तात्रेय की समान सम्मान के साथ प्रशंसा करता है, भले ही वह सत्ता में न हों। उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय द्वारा हर साल आयोजित लोकप्रिय 'अलाई भलाई' कार्यक्रम को सभी पार्टी नेताओं से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है और यह नेता की राजनेता की योग्यता का प्रमाण है। नवोदित राजनेताओं और भविष्य के नेता बनने की आकांक्षा रखने वालों से हरियाणा के राज्यपाल से सीखने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद शहर के गरीब तबके की दुर्दशा सामने आने पर केवल दो नेता - पी जनार्दन रेड्डी (पीजेआर) और दत्तात्रेय हमारे विचारों में आते हैं। उन्होंने कहा, "पीजेआर और दत्तात्रेय मेरी सरकार को भी जन-केंद्रित निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।"

मूल्यों के साथ राजनीति करें: वेंकैया नायडू

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आज शहर में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा के पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बंडारू दत्तात्रेय ने 'प्रजाल काठे ना आत्म कथा' नामक आत्मकथा लिखी है। उन्होंने जोर दिया कि राजनीति में नैतिकता, ईमानदारी और सिद्धांत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने नेताओं को मूल्यों के साथ राजनीति करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आलोचना को संस्कारित किया जाना चाहिए। वेंकैया नायडू ने कहा कि जो लोग असभ्य बोलते हैं, उन्हें चुनावों में करारा जवाब दिया जाना चाहिए।

नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान में मछली प्रसाद का वार्षिक वितरण शुरू

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान में रविवार को मछली प्रसाद का वार्षिक वितरण शुरू हुआ। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मछली प्रसाद वितरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बथिनी गौड़ परिवार ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर को मछली प्रसाद का प्रसाद दिया। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मछली की दवा भी ली। राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधु यशकी गौड़ और कर्नाटक एमएलसी मंजूनाथ भी उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि मछली प्रसाद आस्था से जुड़ा है और लोग अस्थमा संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए देश भर से यहां आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 170 वर्षों से बथिनी परिवार के सदस्य अस्थमा और अन्य सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मछली की दवा वितरित करते आ रहे हैं और राज्य सरकार ने आगंतुकों के

लिए व्यापक व्यवस्था की है। आयोजन स्थल पर बैरिकेड्स, पानी और बिजली की आपूर्ति, चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस और अग्निशमन विभाग की सेवाओं सहित व्यापक व्यवस्था की गई है। तेलंगाना मत्स्य विभाग ने मछली प्रसादम वितरण के लिए 1.5 लाख से अधिक मर्च तैयार रखे हैं। लगभग 140 आरटीसी बसों को विशेष रूप से आवंटित किया गया है। नामपल्ली के पास यातायात प्रतिबंध भी जारी है। 24 घंटे चलने वाला मछली प्रसादम वितरण कार्यक्रम सोमवार को सुबह 10 बजे तक जारी रहेगा।

मछली प्रसादम के लिए कतार में इंतजार करते हुए 70 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में रविवार को मछली प्रसादम लेने के लिए कतार में खड़े एक %0 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति की पहचान मेदक जिले के निवासी सत्यनारायण के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, सत्यनारायण कतार में खड़े थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस और पैरामेडिक्स ने उन्हें एक खुली जगह पर ले जाया और बाद में जांच की तो पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। हालांकि, उन्हें नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कहा कि सत्यनारायण को शायद दिल का दौरा पड़ा है।

सात वर्षीय बच्चे के लिए घातक साबित हुआ पवित्र स्नान

कोत्तागुडेम, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का एक सात वर्षीय बालक शनिवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ पवित्र स्नान करते समय भद्राचलम में गोदावरी नदी में डूब गया। अखिल गौड़ अपने माता-पिता, स्वप्ना और धनुंजय गौड़ और अन्य रिश्तेदारों के साथ हैदराबाद के रामनाथपुर से श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम में पूजा करने के लिए भद्राचलम आए थे। भद्राचलम जाने से पहले, परिवार ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा की यात्रा की थी। दर्शन के लिए जाने से पहले परिवार पवित्र स्नान के लिए नदी पर गया। माना जाता है कि डुबकी लगाने के दौरान अखिल पानी में गहराई में चला गया और डूब गया। जब तक परिवार को पता चला कि वह लापता है, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद राज्य राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के साथ सेल्फी लेते मंत्री कोंडा सुरेखा और दनासारी अनसूया सीतक्का।

हैदराबाद में की जाएंगी छह खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना खाद्य सुरक्षा आयुक्त की टास्क फोर्स टीमों ने शहर के कई रेस्तरां के रसोईघरों में अस्वास्थ्यकर प्रथाओं को नोटिस किया, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने हैदराबाद में नई खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का निर्णय लिया है। विभाग ने हैदराबाद के छह क्षेत्रों - एलबी नगर, चारमीनार, खैरताबाद, सिकंदराबाद, सेरिलिंगमपल्ली और कुकटपल्ली में एक-एक प्रयोगशाला खोलने का प्रस्ताव रखा है।

यह निर्णय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षणों की एक श्रृंखला के बाद लिया गया है, जिसमें ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा के अंतर्गत कई रेस्तरां के रसोई घरों में खराब स्थिति के अलावा मिलावटी भोजन परोसे जाने का खुलासा हुआ था। छह प्रयोगशालाएँ शहरी और आस-पास के अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित होंगी, जहाँ रेस्तरां की संख्या अधिक है। नई प्रयोगशालाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रेस्तरां द्वारा अपने ग्राहकों को परोसा जाने वाला भोजन गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के अनुरूप हो। प्रत्येक प्रयोगशाला में संदूषक, मिलावट और समग्र खाद्य स्वच्छता का पता लगाने के लिए आधुनिक परीक्षण उपकरण लगे होंगे। विभाग ने प्रत्येक प्रयोगशाला की स्थापना के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है, जिससे कुल व्यय 90 करोड़ रुपये हो जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'छापेमारी के दौरान हमें कुछ रेस्तराओं में कुछ बेहद अस्वच्छ व्यवहार देखने को मिले हैं, जिसमें मटन और चिकन को पैकेजिंग की तारीख से लगभग एक महीने तक सुरक्षित रखना, सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल और एक्सपायर हो चुके मसालों का इस्तेमाल शामिल है। कुछ रेस्तराओं में बारीक पिसी हुई पत्तेदार सब्जियाँ भी सुरक्षित रखी हुई पाई गईं। जब भी हमें ऐसी चीज़ें मिलती हैं, हम उन्हें तुरंत नष्ट कर देते हैं।'

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इंडिया फूड सर्विसेज रिपोर्ट 2024 के अनुसार, हैदराबाद में संगठित और असंगठित दोनों तरह के खाद्य सेवा क्षेत्रों में 74,807 रेस्टोरेंट हैं। शहर में इस उद्योग का मूल्य लगभग 10,161 करोड़ रुपये है और यह संगठित खाद्य सेवा क्षेत्र में शीर्ष 21 शहरों में छठे स्थान पर है। हालांकि, रेस्तरां की इस विशाल संख्या के लिए, नचारम में केवल एक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला है जो हर महीने लगभग 1,300 से 1,500 खाद्य नमूनों का परीक्षण करती है। नई प्रयोगशालाओं की स्थापना के बाद, नचारम सुविधा को राज्य रेफरल प्रयोगशाला में बदल दिया जाएगा। यह मैसूर और कोलकाता में मौजूदा केंद्रीय रेफरल प्रयोगशाला के अतिरिक्त है। अधिकारी ने कहा, 'नई प्रयोगशालाएँ नचारम में राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला पर बोझ कम करेंगी। इससे रिपोर्ट जल्दी तैयार करने में भी मदद मिलेगी।'

विधायक मल्लारेड्डी रंगारेड्डी ने रद्द की प्रेसवार्ता

नटराजन से फोन पर बातचीत के बाद लिया निर्णय

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कैबिनेट में जगह न मिलने पर निराशा जताने वाले इब्राहिमपट्टनम के विधायक मल्लारेड्डी रंगारेड्डी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन से फोन पर बातचीत के बाद पूर्व में घोषित प्रेस वार्ता स्थगित कर दी। शुरुआत में इब्राहिमपट्टनम विधायक ने घोषणा की थी कि वह शाम 5 बजे मीडिया को संबोधित करेंगे और अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताएंगे। हालांकि, एआईसीसी प्रभारी के फोन कॉल के बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थगित कर दिया। यह भी पता चला है कि टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ विधायक के घर जाएंगे और बाद में उनसे व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे।

इससे पहले नटराजन ने बोधन विधायक पी सुदर्शन रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। इब्राहिमपट्टनम विधायक की तरह बोधन विधायक भी मंत्रिमंडल में जगह न मिलने से नाराज थे। कई उम्मीदवारों में रंगारेड्डी को सबसे आगे माना जा रहा था। उन्होंने राज्य और एआईसीसी नेतृत्व से ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र से एक विधायक को मंत्री नियुक्त करने की अपील की थी। अप्रैल में रंगारेड्डी ने यह भी कहा था कि यदि जातिगत और सामाजिक समीकरण ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र, विशेषकर पूर्ववर्ती रंगारेड्डी जिले से किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल करने में बाधा बनते हैं, तो वह इस्तीफा देने और निर्वाचन क्षेत्र से किसी अन्य व्यक्ति को निर्वाचित कराने के लिए तैयार हैं।

पीवीएल नीलामी में हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने शिखर को चुना

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जेरोम विनिथ सी ने रविवार को कालीकट में प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन 4 की नीलामी में सुर्खियां बटोरीं, चेन्नई ब्लिट्ज द्वारा अनुबंधित होने के बाद वह प्लेटिनम श्रेणी में सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे। गृहनगर फ्रेंचाइजी कालीकट हीरोज ने स्थानीय प्रतिभा शमीमुद्दीन को 22.5 लाख रुपये में खरीदा, जबकि कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने विनीत कुमार को इतनी ही राशि में खरीदा। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने प्लेटिनम श्रेणी से शिखर सिंह की सेवाएं 16 लाख रुपये में हासिल कीं, जबकि अमन कुमार और दीपू वेणुगोपाल को क्रमशः 11.5 लाख रुपये और 5.75 लाख रुपये में खरीदा गया।

दिल्ली तूफान्स ने प्लेटिनम श्रेणी में आयुष को सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में 9 लाख रुपये में खरीदा। गोल्ड श्रेणी में जॉर्ज एंटनी को दिल्ली ने 5 लाख रुपये में और मन्नत चौधरी को 6.5 लाख रुपये में खरीदा। अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शॉन टी जॉन (राइट टू मैच) की सेवाएं 11.5 लाख रुपये में अपने पास रखीं, इसके बाद अंगमुथु और अखिन जीएस ने क्रमशः 11 लाख रुपये और 10.5 लाख रुपये में उन्हें अपने साथ जोड़ा। पंकज शर्मा को कोलकाता थंडर बोल्ट्स ने गोल्ड कैटेगरी में 6 लाख रुपये में खरीदा। इसके कुछ ही समय बाद श्रीजन शेट्टी भी 5 लाख रुपये में उनके साथ जुड़ गए।

बेंगलुरु टॉरपीडोज ने भी इस प्रतियोगिता में देर से भाग लिया और गोल्ड कैटेगरी से जिष्णु पीवी को 14 लाख रुपये में खरीदा, जबकि जोएल बेंजामिन जे को 6.5 लाख रुपये में खरीदा गया। इबिन जोस और रोहित कुमार भी 5-5 लाख रुपये में टीम में शामिल हो गए। चेन्नई ब्लिट्ज, बेंगलुरु टॉरपीडोज और कोलकाता थंडर बोल्ट्स के बीच बोली की होड़ के बाद, विनीत, जो पहले कालीकट हीरोज के लिए खेल चुके थे, को चेन्नई ने 22.5 लाख रुपये में खरीदा। एम अश्विन राज और समीर चौधरी (राइट टू मैच) को 8-8 लाख रुपये में प्लेटिनम श्रेणी से चेन्नई ने खरीदा। शमीमुद्दीन के अलावा, कालीकट हीरोज ने अनुभवी सेटर मोहन उकरापांडियन (राइट टू मैच) और संतोष एस को भी 8-8 लाख रुपये में खरीदा। विनीत कुमार को कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने 22.5 लाख रुपये में खरीदा, जबकि अमल के. थॉमस को 6.5 लाख रुपये में खरीदा गया, जबकि जसजोध सिंह को गोल्ड वर्ग से 14.75 लाख रुपये में खरीदा गया। कार्तिक ए और लाड ओम वसंत को प्लेटिनम श्रेणी में मुंबई मेटियर्स ने 8-8 लाख रुपये में खरीदा। गोल्ड श्रेणी में मुंबई ने विपुल कुमार (राइट टू मैच) को 6.25 लाख रुपये और सोनू और निखिल को 5-5 लाख रुपये में खरीदा। प्रिंस और रामनाथन प्लेटिनम श्रेणी से 8-8 लाख रुपये में चुने गए, जो पहली बार गोवा गार्डियंस की ओर से खेलेंगे। अमित छोकर भी उनके साथ जुड़ेंगे, जिन्हें 5 लाख रुपये में खरीदा गया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KAMALA MAITY mother of Mr KANAILAL MAITY presently residing at Vill-Bhaitgarh, Post -Dakshin Kalamdan, Teh- Contai , Distt- East Midnapore (West Bengal) PIN-721430 have changed my name from Kamala Maity to Kananbala Maity vide affidavit dt 07 June 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

I, Nandeeswari Chintala, W/o, No. 14673102M, Hav, Sivaji Raju Chintala, R/o,Guntur Dist, A P, changed my name from Nandeeswari Chintala to Chintala Nandeeswari vide Affidavit dt 31.05.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

झगड़े के बाद 30 वर्षीय व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चादरघाट में अज्ञात व्यक्तियों ने 30 वर्षीय एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पीड़ित की पहचान कुद्दूस के रूप में की गई है, जो पलटन मलकपेट का रहने वाला है और राजस्थान का मूल निवासी है। यह घटना शाम को हुई जब कुद्दुस और हमलावरों के बीच बहस छिड़ गई। खून बहने के कारण कुद्दुस की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया है।

हफीजपेट में 115 बोतलों के साथ पकड़े गए शराब तस्कर

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों ने शनिवार शाम को सेरिलिंगमपल्ली में दो व्यक्तियों से बिना शुल्क वाली 115 बोतलें शराब जब्त की। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने हफीजपेट में शराब की खेप ले जा रही एक कार को रोका और दो व्यक्तियों से विभिन्न ब्रांडों की 115 बोतलें शराब जब्त कीं। यह दोनों लोग रक्षा कैंटीनों से सस्ते दामों पर गैर-शुल्क भुगतान वाली शराब की व्यवस्था करते थे और शहर में ग्राहकों को ऊंचे दामों पर आपूर्ति करते थे। मामला दर्ज कर लिया गया है।

बजरंग सेना ने मछली औषधि कार्यक्रम में सेवा दी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने अपनी टीम के साथ हैदराबाद के नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में आयोजित प्रसिद्ध मछली औषधि वितरण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम, जिसमें देश भर से हज़ारों लोग शामिल होते हैं, एक पारंपरिक उपचार है जो अस्थमा और सांस के रोगियों के लिए लाभकारी माना जाता है।

श्री लक्ष्मण राव और उनकी टीम ने अनुशासन बनाए रखने और उपस्थित लोगों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं का समर्थन करने में सहायता करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कीं ताकि मछली औषधि तक उनकी सहज भागीदारी और पहुँच सुनिश्चित हो सके। बजरंग सेना की उपस्थिति ने सार्वजनिक सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक समर्थन के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाया।

कैबिनेट विस्तार में जातिगत संतुलन : गौड़

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कैबिनेट विस्तार में जातिगत संतुलन सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि दो मंत्रालय एससी को दिए गए, एक बीसी श्रेणी को मिला है। जाति सर्वेक्षण और एससी वर्गीकरण की मांगों को ध्यान में रखते हुए आवंटन किया गया।

तीन और कैबिनेट बर्थ अभी भरे जाने बाकी है। वरिष्ठ नेता मल्ल रेड्डी रंगारेड्डी से मुलाकात की और मंत्री पद की अपेक्षाओं के बारे में उनकी चिंता को समझा। इस मामले से एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और सीएम रेवंत रेड्डी को अवगत करा दिया गया है आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में रंगारेड्डी जिले को उचित प्राथमिकता दी जाएगी।

कार्तिक आर्यन ने अपने रिलेशनशिप पर दिया अपडेट, तस्वीरें साझा कर लिखा- तू मेरी

कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, इन तस्वीरों के जरिए वह फैंस को अपने रिलेशनशिप का अपडेट देते नजर आ रहे हैं। साथ ही इन तस्वीरों के साथ कार्तिक ने एक कैप्शन भी लिखा है, 'तू मेरी।' आखिर ये पूरा माजरा क्या है? कार्तिक किसको अपना बता रहे हैं?

क्या कार्तिक रिलेशनशिप में हैं

कार्तिक आर्यन इन दिनों क्रोएशिया नाम की एक यूरोपियन कंट्री में अपनी एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग से समय निकालकर उन्होंने कुछ तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'डक लव यू डबरोवनिक।' अपनी तस्वीरों के साथ बैग की फोटो भी कार्तिक ने शेयर की है, इस बैग पर एक टैग लगा है, जिस पर तीन ऑप्शन हैं, सिंगल, टेकन और डिपेंड ऑन हू इज आस्किंग। तीसरे ऑप्शन पर टिक मार्क लगा हुआ है। इस तस्वीर ने कार्तिक के फैंस का ध्यान खींचा।

फैंस ने किए कार्तिक से सवाल

कार्तिक के बैग और उस पर लगे टैग को देखकर फैंस ने कार्तिक आर्यन से कमेंट सेक्शन में ही सवाल पूछने शुरू कर दिए। एक फैन ने लिखा है, 'इस तस्वीर का मतलब क्या है?' वहीं एक दूसरे फैन ने लिखा, 'सिर्फ कार्तिक ही ऐसा कर सकता है।' वहीं तीसरे फैन ने लिखा, 'रिलेशनशिप को छुपाने का तरीका बढ़िया है।' ऐसे ही कई कमेंट्स कार्तिक फैंस ने किए हैं।

रंगभेद को लेकर मिले तानों पर जेमी लीवर का फूटा गुस्सा, बोलीं- 'लोगों ने मुझे चुड़ैल, बदसूरत कहा

कॉमेडियन और अभिनेत्री जेमी लीवर बॉलीवुड के दिग्गज कॉमिक एक्टर जॉनी लीवर की बेटी हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में रंगभेद को लेकर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया की लोग उन्हें चेहरे के रंग को लेकर किस तरीके के ताने मारते हैं और सलाह देते हैं। जानिए, उन्होंने क्या कहा।

लोगों ने चुड़ैल और बदसूरत कहा

अभिनेत्री और कॉमेडियन जेमी लीवर एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। उन्होंने बातचीत में रंगभेद के खिलाफ मुखर होकर अपनी बात रखी। एक्ट्रेस ने कहा कि लोग उनके चेहरे के रंग को लेकर तरह-तरह की टिप्पणी करते हैं। उन्होंने बताया, 'मुझे बहुत सारी टिप्पणियां मिलती हैं। काली है, चुड़ैल लगती है, चुड़ैल जैसी हंसती है, तुम बदसूरत हो, तुम्हें इंडस्ट्री में काम नहीं मिलेगा, तुम मर क्यों नहीं जाती, तुम्हें तुम्हारे दिखने के कारण काम नहीं मिल रहा है। मुझे जीवन भर ऐसे संदेश मिलते रहे हैं।'

रंगभेद एक बहुत बड़ी समस्या है

इसके आगे बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि आजकल रंगभेद एक बड़ी समस्या है। इसके बारे में उन्होंने कहा, रंगभेद यहां एक बहुत बड़ा मुद्दा है। बड़े होते समय लोग मुझसे उबटन लगाने, हल्दी लगाने और यह सब गोरा होने के लिए कहते थे। रंगभेद हमारे देश में एक बड़ी समस्या है।'

जेमी लीवर का वर्कफ्रंट

जेमी लीवर स्टैंड-अप कॉमेडी में एक जाना-माना चेहरा हैं और उन्हें इंस्टाग्राम पर उनके छोटे कॉमिक वीडियो के लिए भी पसंद किया जाता है। उन्होंने 2015 में कपिल शर्मा के साथ 'किस किस को प्यार करूं' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें 'हाउसफुल 4', 'भूत पुलिस', 'यात्री' और 'क्रैक' जैसी फिल्मों में देखा गया है।

क्या वाकई 20 साल पहले सोनाली बेंद्रे और राज ठाकरे के बीच थीं करीबियां? अभिनेत्री ने किया खुलासा

सोनाली बेंद्रे सिनेमा की दुनिया में चर्चित नाम रही हैं। अभिनय के साथ-साथ अपनी खूबसूरती से भी उन्होंने दर्शकों के दिलों पर राज किया है। निजी जिंदगी की बात करें तो उनकी शादी गोल्डी बहल से हुई है। मगर, एक वक्त था जब उनका नाम कथित तौर पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से जोड़ा गया। दावे किए गए कि राज ठाकरे को सोनाली पर क्रश रहा है। हाल ही में सोनाली बेंद्रे ने इस किस्म की अफवाहों पर बात की।

दावों को सोनाली ने किया खारिज

सोनाली बेंद्रे और राज ठाकरे का एक पुराना वीडियो सामने आने के बाद दोनों के कथित लिंक अप की खबरें खूब वायरल हुईं। हाल ही में बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने राज ठाकरे के साथ लिंकअप की खबरों को सिरे से खारिज किया है। वायरल क्लिप के बाद ऐसे कयास लगाए जाने लगे कि वर्षों पहले राज ठाकरे को कथित तौर पर सोनाली पर क्रश था। इस पर सोनाली ने बात करते हुए कहा, 'क्या उन्हें था?... मुझे इस बारे में संदेह है'। सोनाली ने आगे इस तरह के कथित दावों को खारिज किया और कहा, 'मैं अपनी बहन से बात कर रही थी, जो वहीं मौजूद थीं'।

बोलीं- 'दशकों पुराने हैं दोनों परिवारों के रिश्ते'

सोनाली बेंद्रे ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर होने वाले गॉसिप की आलोचना करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि जब लोग इस तरह से बात करते हैं तो यह बहुत अच्छा नहीं लगता। मेरा मतलब है, इसमें परिवार शामिल हैं और लोग इसमें शामिल हैं'। उन्होंने बताया कि दोनों परिवारों के बीच रिश्ते दशकों पुराने हैं। सोनाली ने बताया, 'मेरे जीजा और मेरी बहन... मेरे जीजा जो क्रिकेटर हैं, वे राज के चचेरे भाई के साथ क्रिकेट खेलते थे। दूसरी बात, मेरी बहन की सास विभागाध्यक्ष थीं जिन्होंने हमें (रामनारायण) रुइया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया, जहां से मैं हूं'।

राज ठाकरे की पत्नी से रहा ये कनेक्शन

सोनाली बेंद्रे ने आगे कहा, 'दोनों परिवारों में ये सभी एक-दूसरे को जानते थे। राज ठाकरे की पत्नी शर्मिला की मां और मेरी मासी अच्छी दोस्त रहीं'।

इसके अलावा सोनाली ने कहा,'मैं हमेशा यात्राएं करती रही हूं। ऐसा नहीं है कि मैं उन्हें एक सीमा से ज्यादा जानती हूं। मैं दो साल में केवल एक बार गर्मी की छुट्टियों या ऐसे ही किसी अवसर पर महाराष्ट्र आती'।

क्या सोनाली को राजनीति में है दिलचस्पी?

सोनाली से इसी बातचीत में राजनीति में दिलचस्पी के बारे में सवाल किया गया। इस पर उन्होंने इससे साफ इनकार कर दिया। सोनाली ने कहा, 'नहीं, वास्तव में मुझे दिलचस्पी नहीं है। मुझे लगता है कि इसके लिए बहुत मोटी चमड़ी की जरूरत होती है, जो मेरे पास नहीं है। मैं राजनीतिक रूप से सही नहीं हूं'।

सामंथा ने मिटाई नागा चैतन्य से जुड़ी याद, डेटिंग रूमर्स के बीच हटवाया 'ये माया चेसावे' टैटू

हाल ही में साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने नथिंग टू हाइड का एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो ने सबका ध्यान तब खींचा, जब नेटिजंस ने देखा कि उन्होंने अपना वाईएमसी नाम का टैटू हटवा दिया है, जिसे उन्होंने अपने पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य की याद में बनवाया था। हालांकि, इस समय अभिनेत्री और डायरेक्टर राज निदिमोरु संग अफेयर्स की चर्चाएं भी चल रही हैं। उसी दौरान अभिनेत्री के इस फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आइए जानते हैं क्या है पूरी बात।

क्या सच में हटवा दिया टैटू?

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो की शुरुआत में अभिनेत्री कैमरे के सामने खड़ी होकर नथिंग टू हाइड लिखती हैं और इसके बाद वह कैमरे की तरफ पीठ करके खड़ी होती हैं। उस दौरान सभी को दिखता है कि उनके गर्दन पर बना वाईएमसी नाम का टैटू गायब है। आपको बताते चले कि ये टैटू उनकी साल 2010 में आई फिल्म 'ये माया चेसावे' का है, उस फिल्म के शूटिंग सेट पर एक्ट्रेस और उनके पूर्व पति नागा चैतन्य के बीच प्रेम कहानी की शुरुआत हुई थी। फिर 2017 में शादी करने के बाद साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया था।

नेटिजंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

वीडियो के आते ही नेटिजंस अभिनेत्री द्वारा टैटू हटाए जाने को लेकर रिएक्शंस दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि सामंथा ने अपना वाईएमसी टैटू हटवा दिया। दूसरे यूजर ने लिखा कि मुझे कोई टैटू नहीं दिख रहा है। वहीं एक और यूजर ने लिखा कि उन्होंने पीठ का टैटू हटवा दिया है। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि अब उनके पास वाईएमसी का कोई टैटू नहीं है, आगे बढ़ो लड़की।

राज निदिमोरु के साथ डेटिंग की अफवाहें

इस समय सामंथा रुथ प्रभु और डायरेक्टर राज निदिमोरु की साथ में कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आ रही हैं। इस वजह से उनके बीच अफेयर्स की चर्चाएं तेज चल रही हैं। हालांकि, दोनो ने इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन अभिनेत्री द्वारा पूर्व पति और एक्टर नागा चैतन्य के टैटू हटाए जाने से कई सवाल खड़े हो गए हैं।

सामंथा रुथ प्रभु का वर्कफ्रंट

सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में एक फिल्म का निर्माण किया था, जिसका नाम 'शुभम' था। यह फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सुहाना खान की पोस्ट पर बॉलीवुड के किंग खान ने लिखा कुछ ऐसा, खुशी से एक्ट्रेस ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड के किंग खान को अक्सर अपने परिवार के प्रति प्यार दिखाते देखा जाता है। अभिनेता ने अपनी बेटी और एक्ट्रेस सुहाना खान की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस पर नेटिजंस भी रिएक्ट कर रहे हैं। जानिए अभिनेता ने अपनी बेटी के लिए ऐसा क्या लिखा।

शाहरुख खान ने की तारीफ

शनिवार को सुहाना खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें वो अलग-अलग अंदाज में तस्वीरें खिंचाते दिख रही थीं। उनकी इन तस्वीरों को देख नेटिजंस शानदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। उसी पोस्ट पर एक्ट्रेस के पिता और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने भी कमेंट किया। उन्होंने लिखा कि वाह खूबसूरत दिख रही हो। इसके जवाब में सुहाना खान ने लिखा कि वह उनसे बहुत प्यार करती हैं और लाल दिल वाला इमोजी भी बनाया।

अभिनेता शाहरुख खान द्वारा प्रतिक्रिया आते ही यूजर्स उनके इस कमेंट की तारीफ कर रहे हैं और अपने उत्साह को दिखा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि लव यू किंग। दूसरे यूजर ने कमेंट में जवाब दिया कि उनकी प्रतिक्रिया से वो सहमत हैं। इसके अलावा अन्य यूजर ने उन्हें ईद की बधाई भी दी है।

सुहाना खान भी अपने पिता शाहरुख खान की तरह ही फिल्मों में एक्टिंग कर रही हैं। फिल्म 'आर्चीज' से सुहाना ने एक्टिंग में डेब्यू किया था, जिसमें दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर और एक्टर वेदांग रैना भी शामिल थे। अब जल्द ही वह शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग भी चल रही है, जो अगले साल ईद पर रिलीज होगी।

कभी अपने पहले प्यार का इजहार नहीं कर पाए अध्ययन सुमन, अब याद में बना डाला गाना

'राज 2', 'इश्क क्लिक' और 'बेखुदी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अध्ययन सुमन अपनी नई म्यूजिक एल्बम को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनका गाना 'क्या से क्या' रिलीज हुआ है। इस गाने को अध्ययन ने खुद डायरेक्ट किया है और अपनी आवाज दी है, जबकि म्यूजिक रजिक मुजावर ने दिया है। अध्ययन का कहना है कि ये गाना उनके दिल के बहुत करीब है।

'मेरी पहली मोहब्बत लंदन में हुई थी'

अध्ययन सुमन ने अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में बताया, 'मेरी पहली मोहब्बत लंदन में हुई थी। उनका नाम था लौरा हॉट्स। मैं थिएटर ग्रुप में था और वो भी वहीं थीं। जब भी उन्हें देखता था, मेरे कान लाल हो जाते थे, मेरा दिल जोर-जोर से धड़कने लगता था। लेकिन बात करने की हिम्मत कभी नहीं हुई।'

उन्होंने आगे कहा, 'छह साल तक ये एहसास दिल में रहा, लेकिन इजहार कभी नहीं कर पाया। अब लगता है बहुत देर हो गई होगी, शायद उनकी शादी भी हो गई होगी। जब मैं एक्टिंग की दुनिया में आया, तब लौरा ने इंस्टाग्राम पर मुझे मैसेज किया कि वह मुझ पर गर्व करती है। लेकिन फिर भी मेरे अंदर इतना हौसला नहीं था कि मैं उसे बता सकूं कि मैं उससे कभी क्रश करता था। लेकिन उन लोगों के लिए जो अपने प्यार का इजहार नहीं कर पाए हैं, मैं कहूंगा कि 'क्या से क्या' गाना बजाओ और बोल डालो।'

'ये गाना मेरी पहली मोहब्बत से जुड़ा है'

अध्ययन कहते हैं, 'ये गाना मेरी पहली मोहब्बत की मासूमियत से जुड़ा हुआ है। जब पहली बार किसी को देखकर दिल धड़कता है, वही एहसास इसमें है।'

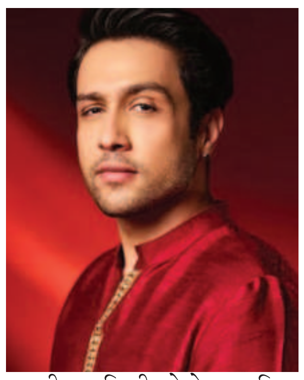

'मैंने रजिक मुजावर की आवाज यूट्यूब पर सुनी थी'

अध्ययन ने बताया, 'मैंने रजिक की आवाज पहली बार यूट्यूब पर सुनी थी और मुझे वो इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत उन्हें डायरेक्ट मैसेज किया। उनसे मिलने के लिए पुणे गया, उनके साथ मस्ती भी की और वादा किया कि एक दिन साथ काम करेंगे।'

'पैसे नहीं थे, फिर भी दो गाने बनाए, बड़ा स्ट्रेस था'

'दो साल पहले मैंने एक छोटा सा स्टूडियो शुरू किया था। उस वक्त बहुत आर्थिक दबाव था। एक-एक रुपये जोड़कर, अपनी लिमिट से ऊपर जाकर रिस्क लिया। मजाक में कहा था कि शायद किडनी बेचनी पड़े इन गानों के लिए। मतलब दिल से काम किया, हालात चाहे जैसे भी रहे हों।'

'यश जी ने मेरे गानों में सोल देखा'

'जब गाने बनकर तैयार हुए तो पता नहीं था कहां रिलीज होंगे। उस वक्त यश जी (देसी तड़का म्यूजिक के ऑनर) ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि आपके गानों में सोल है। उन्होंने एल्बम के कई गाने रिलीज करने का भरोसा दिया।'

'डायरेक्शन से इश्क हो गया है'

डायरेक्शन को लेकर अध्ययन ने कहा, 'डायरेक्शन से मुझे एक अलग ही लगाव हो गया है। ये ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां मैं खुद को बेहतर तरीके से समझ पा रहा हूं। कम बजट में अच्छा आउटपुट देना सीखा है। आगे चलकर फिल्म डायरेक्ट भी करना चाहता हूं और उसमें एक्टिंग भी।'

'प्यार हो तो अच्छा है, नहीं हो तो भी चलेगा'

अध्ययन ने कहा, 'प्यार अभी मेरी प्राथमिकता नहीं है। मेरी पहली प्राथमिकता है अपना काम और अपनी पहचान बनाना। प्यार हो तो अच्छा है, नहीं हो तो भी चलेगा। मैं मानता हूं कि प्यार ही वह ताकत है जिसने मुझे जिंदगी के हर मुश्किल दौर में संभाले रखा। चाहे वो परिवार का हो या दोस्तों का।'

कन्नड़-तमिल विवाद के बीच कमल हासन ने 'हिंदी' भाषा पर दिया बयान, कह दी यह बड़ी बात

हाल ही में 'ठग लाइफ' के अभिनेता कमल हासन तमिल और कन्नड़ विवाद में फंस गए, जिसकी वजह से उनकी फिल्म कर्नाटक में 5 जून को रिलीज नहीं हो पाई। कन्नड़ भाषा विवाद पर फंसने के बाद अब उन्होंने दक्षिण में हिंदी थोपे जाने के मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अभिनेता ने अपनी नई फिल्म 'ठग लाइफ' के प्रचार के दौरान हिंदी थोपे जाने के बारे में बात की है।

कर्नाटक में रिलीज नहीं हुई 'ठग लाइफ'

सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' इस सप्ताह सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म रिलीज होने से पहले उन्होंने बयान दिया था कि कन्नड़ भाषा तमिल से पैदा हुई है। इसके बाद काफी विवाद हो गया। इस मामले पर उनसे माफी की मांग की गई लेकिन उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया। यही वजह रही कि फिल्म कर्नाटक में रिलीज नहीं हुई। अब कमल हासन ने हिंदी पर अपनी राय रखी है।

हिंदी भाषा पर कमल हासन ने रखी अपनी राय

कमल हासन ने 1981 में आई अपनी हिट हिंदी फिल्म का हवाला देते हुए कहा कि 'मैं एक दूजे के लिए' का एक्टर हूं।'

अभिनेता ने कहा 'बिना थोपे हम (हिंदी) सीखेंगे क्योंकि यह आखिरकार शिक्षा है और हमें शिक्षा के लिए अच्छा रास्ता अपनाना चाहिए... और इसके रास्ते में बाधाएं नहीं डालनी चाहिए।'

हासन ने कहा 'मैं पंजाब के साथ खड़ा हूं। मैं कर्नाटक के साथ खड़ा हूं। मैं आंध्र के साथ खड़ा हूं। यह एकमात्र ऐसा स्थान नहीं है जो हिंदी थोपे जाने का विरोध कर रहा है।'

कमल हासन ने अंग्रेजी पर दिया जोर

कमल हासन ने कहा 'अगर आप असल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कामयाबी की तलाश में हैं तो आपको एक भाषा जरूर सीखनी चाहिए।'

कमल हासन ने कहा 'हमें अंग्रेजी काफी सही लगती है। आप स्पेनिश या चीनी भी सीख सकते हैं लेकिन मुझे लगता है कि सबसे व्यावहारिक बात यह है कि हमारे पास 350 साल पुरानी अंग्रेजी शिक्षा है, जो धीरे-धीरे लेकिन लगातार चलती रहती है। इसलिए जब आप अचानक इसे बदल देते हैं, तो यह सब फिर से शुरू हो जाता है। आप अनावश्यक रूप से बहुत से लोगों को निरक्षर बना देते हैं, खासकर तमिलनाडु में। आप अचानक सभी को हिंदी में बोलने के लिए मजबूर करते हैं और आप उन्हें बताते हैं कि विंध्य के आगे आपको नौकरी नहीं मिलेगी, फिर आप सोचने लगते हैं, वादों का क्या? मेरी भाषा का क्या? क्या मैं 22 (आधिकारिक भाषाओं) में से एक नहीं हूं? ये वे सवाल हैं जो सामने आ रहे हैं।'

ठग लाइफ पर विवाद

आपको बता दें कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) ने कहा था कि जब तक ठग लाइफ को तब तक रिलीज नहीं होने देगा जब तक हासन कन्नड़-तमिल टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांग लेते। कमल हासन के बैनर राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में फिल्म की रिलीज के लिए सुरक्षा की मांग करते हुए याचिका दायर की। अदालत ने माफी नहीं मागने पर कमल हासन को फटकार लगाई और निर्माताओं से कहा कि ठग लाइफ कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी।

सिंगर दुआ लीपा पर विवादित टिप्पणी करने के बाद बादशाह ने दी सफाई

बीते दिनों रैपर बादशाह ने एल्बानियन सिंगर दुआ लीपा पर विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही बादशाह मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं, क्योंकि नेटिजंस उन्हें खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं। हालांकि, अब रैपर ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है और कहा कि किसी महिला के लिए, इससे सुंदर तारीफ नहीं हो सकती है। आइए, जानते हैं उन्होंने क्या सफाई दी है।

बादशाह ने क्या सफाई दी?

सिंगर दुआ लीपा के बारे में अभद्र टिप्पणी करने के बाद से नेटिजंस बादशाह पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं और उनकी सोच घिनौनी बता रहे हैं। अब उन्होंने इस मामले पर एक और ट्वीट करते हुए सफाई दी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट किया, 'मुझे लगता है एक महिला, जिसकी आप वाकई प्रशंसा करना चाहते हैं, उसकी तारीफ में आप उनके लिए ये कामना कर सकते हैं कि वो आपके बच्चे की मां बनें। इससे सुंदर तारीफ किसी भी औरत के लिए और क्या होगी। मेरी सोच नहीं, तुम्हारी असली सोच सामने आई है।'

क्या है पूरा मामला?

बीते शुक्रवार को रैपर बादशाह ने अपने एक्स अकाउंट पर एल्बानियन सिंगर दुआ लिपा के बारे में एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने लाल दिल वाला इमोजी लगाते हुए दुआ लीपा लिखा था। इस ट्वीट पर एक यूजर ने पूछा कि क्या आप पॉप सिंगर के साथ किसी प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं। इसके जवाब में बादशाह ने कहा कि वो सिंगर के साथ बच्चे पैदा करना चाहता हैं। इस टिप्पणी के आते ही नेटिजंस ने बादशाह की सोच को बहुत गिरी हुए बताते हुए कमेंट बॉक्स में उनकी खूब आलोचना की।

एक नजर बादशाह और दुआ लीपा के करियर पर

रैपर बादशाह सिंगिंग की दुनिया का चर्चित नाम हैं। उन्हें 'मर्सी', 'अक्कड़ बक्कड़', 'गर्मी' और 'सनक' जैसे गानों के लिए जाना जाता हैं। इसके अलावा लीपा की बात करें तो, वह एक एल्बानियाई गायिका हैं, जो 'लेविटेटिंग', 'हुडिनी' और 'ट्रेनिंग सीजन' जैसे गानों के लिए लोकप्रिय हैं। वह पिछले साल नवंबर में भारत आई थीं, जिस दौरान उन्होंने अपने रेडिकल ऑप्टिमिज्म टूर के तहत मुंबई में परफॉर्म किया था।

ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा कल? इस दिन स्नान दान का खास महत्व

हिंदू धर्म में हर पर्व का अपना अलग महत्व होता है। जिसमें पूर्णिमा तिथि का खास महत्व है। इस दिन व्रत, पूजा-पाठ करने से घर परिवार में सुख-शांति आती है और सभी दुख-दर्द दूर होते हैं। इस दिन को धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना गया है। जानते हैं साल 2025 में ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि कब पड़ रही है और किस दिन रखा जाएगा ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत और क्या है इस दिन का महत्व। पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 10 जून को सुबह 11।35 मिनट पर होगी और वहीं पूर्णिमा तिथि का अंत 11 जून, 2025 को दोपहर 1।13 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा 11 बुधवार, 2025 को मनाई जाएगी।

ज्येष्ठ पूर्णिमा का महत्व

पूर्णिमा तिथि पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना करें। पूर्णिमा का व्रत करने से पापों के मुक्ति मिलती है, पुण्य में वृद्धि होती है और मानसिक शुद्धि होती है और घर परिवार में सुख समृद्धि आती है। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन दान-पुणिय का भी विशेष महत्व है। इस दिन अन्न, वस्त्र का दान जरूरतमंदों को किया जाता है और उनकी सेवा की जाती है। इस दिन व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर क्या करें?

पूर्णिमा तिथि के दिन स्नान दान का विशेष महत्व है।
इस दिन सुबह सवेरे पवित्र नदी में स्नान और तर्पण करें और व्रत का संकल्प करें।
इस दिन संध्या काल में चन्द्रदेव को अर्घ्य अर्पित कर उनका पूजन करें।
इसके साथ ही श्रद्धापूर्वक पूर्णिमा व्रत कथा का पाठ करें।
पूर्णिमा व्रत के दिन भगवान सत्यनारायण की कथा करें।

तुलसी माता को पूजा में पान के पत्ते और सुपारी क्यों चढ़ाएं जाते हैं?

मान्यता के अनुसार, पान के पत्ते में विभिन्न देवी-देवताओं का वास होता है। पान के ऊपरी भाग में इंद्रदेव, मध्य भाग में मां सरस्वती और निचले भाग में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। वहीं, पान के अंदर के हिस्से में भगवान विष्णु का वास माना जाता है। सुपारी में भी सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है, इसलिए किसी भी शुभ कार्य में सुपारी की पूजा की जाती है।

तुलसी माता को माता लक्ष्मी का ही स्वरूप माना गया है, और पान-सुपारी भी लक्ष्मीजी की प्रिय वस्तुएं हैं। इसलिए इन्हें अर्पित करने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

पान का पत्ता और सुपारी दोनों ही बहुत ही पवित्र माने जाते हैं। इन्हें पूजा में अर्पित करने से पूजा और अधिक पवित्र तथा फलदायी हो जाती है। यह शुभता और सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक हैं, जो घर में सुख-शांति और संपन्नता लाते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी माता को पान और सुपारी अर्पित करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यह माना जाता है कि बीड़ा अर्पित करने के बाद भगवान प्रसन्न होते हैं और भक्तों की तमाम मुश्किलों का बीड़ा स्वयं उठाते हैं।

पान और सुपारी दोनों ही धन और समृद्धि से जुड़े माने जाते हैं। सुपारी को गौरी-गणेश का रूप भी माना जाता है, और इसे तिजोरी में रखने से घर में लक्ष्मी का स्थाई निवास होता है, जिससे सौभाग्य और धन-संपदा में वृद्धि होती है। पान के पत्ते की माला मां लक्ष्मी को अर्पित करने से धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

किसी भी मांगलिक कार्य के निर्विघ्न संपन्न होने के लिए सुपारी को पूजा में रखा जाता है। यह माना जाता है कि तुलसी माता को पान और सुपारी अर्पित करने से सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूरे हो जाते हैं और जीवन में आने वाली कठिनाइयां दूर होती हैं।

हिंदू धर्म के सोलह संस्कारों और विभिन्न पूजा-पाठों में पान और सुपारी का विशेष स्थान है। यह सोलह उपचारों में से एक 'तांबूल' के रूप में देवताओं को अर्पित किया जाता है, जिससे पूजा पूर्ण मानी जाती है।

नया घर खरीदने से पहले जरूर चेक करें ये चीजें

अगर आप नया घर खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपको घर खरीदने से पहले कुछ चीजों का जरूर चेक कर लेना चाहिए। क्योंकि जल्दबाजी में घर लेने के बाद आपको जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यहां तक कि आपकी जिंदगी भी कष्टों से घिरी रह सकती है।

आज के समय में नया घर खरीदना जीवन का एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला होता है, क्योंकि यह न केवल आपकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है, बल्कि आपके परिवार के सुख, शांति और समृद्धि पर भी गहरा असर डालता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर खरीदने से पहले कुछ चीजों को बारीकी से देखना अत्यंत महत्वपूर्ण है, वरना जीवन कष्टों से भर सकता है। यहां कुछ प्रमुख वास्तु नियम दिए गए हैं, जिन्हें नया घर खरीदने से पहले अवश्य जांचना चाहिए।

घर का मुख और प्रवेश द्वार

घर का मुख्य प्रवेश द्वार ऊर्जा के प्रवेश का मुख्य केन्द्र होता है। पूर्वमुखी घर सबसे शुभ माना जाता है, खासकर उन लोगों के लिए जो आध्यात्मिक, शिक्षक या रचनात्मक क्षेत्रों में हैं। यह मान-सम्मान और प्रसिद्धि दिलाता है।

उत्तरमुखी घर भी बहुत शुभ होता है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो व्यापार, वित्त या नए अवसरों की तलाश में हैं। यह धन और समृद्धि को आकर्षित करता है। उत्तर-पूर्वमुखी घर अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है, क्योंकि यह पूजा-पाठ और सकारात्मक ऊर्जा के लिए सर्वोत्तम है। यह शांति, ज्ञान और समृद्धि लाता है।

सामान्य तौर पर दक्षिणमुखी घर खरीदने से बचना चाहिए, क्योंकि इसे मंगलकारी नहीं माना जाता। यह कलह, रोग और आर्थिक परेशानियों का कारण बन सकता है। यदि खरीदना ही पड़े तो वास्तु विशेषज्ञ की सलाह लेकर उचित उपाय करवाएं। इसके बाद ही घर खरीदें। दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य कोण) दिशा का मुख भी आमतौर पर शुभ नहीं माना जाता है।

प्लॉट/भूमि का आकार और स्थान

आपका प्लॉट हमेशा वर्गाकार या आयताकार होना चाहिए। त्रिभुजाकार, गोल, अनियमित आकार के प्लॉट या कटे हुए कोने वाले प्लॉट से बचना चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा और दुर्भाग्य लाते हैं। प्लॉट के आसपास कोई शमशान घाट, कब्रिस्तान,

कचरे का ढेर, अस्पताल, मंदिर (घर से सटा हुआ), नहीं होना चाहिए। घर के ठीक सामने कोई बड़ा पेड़ या खंभा नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह 'द्वार वेध' का कारण बनता है और सकारात्मक ऊर्जा को रोकता है।

चौराहे या तिराहे पर बना मकान भी वास्तु दोषों से युक्त हो सकता है। पानी की टंकी या सेप्टिक टैंक की स्थिति भी वास्तु के अनुसार होनी चाहिए।

घर के अंदर कमरों की दिशा और व्यवस्था

रसोई घर के लिए आग्नेय कोण (दक्षिण-पूर्व) दिशा सबसे शुभ होती है, क्योंकि यह अग्नि का स्थान है। उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पश्चिम में रसोई घर होने से बचें, यह गंभीर वास्तु दोष उत्पन्न करता है। मास्टर बेडरूम दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य कोण) में होना चाहिए। यह स्थिरता, अच्छे स्वास्थ्य और संबंधों में सामंजस्य लाता है। उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पूर्व में मास्टर बेडरूम होने से बचना चाहिए।

पूजा कक्ष के लिए उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) या पूर्व दिशा सबसे शुभ होती है। यह घर में सकारात्मकता और आध्यात्मिक ऊर्जा लाता है। शौचालय के पास या सीढ़ियों के नीचे पूजा घर न हो।

शौचालय/बाथरूम

उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में शौचालय नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह धन हानि और स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। पूजा कक्ष या रसोई के पास भी नहीं होना चाहिए।

घर में पर्याप्त रोशनी और हवा आने की व्यवस्था होनी चाहिए, खासकर पूर्व और उत्तर दिशा से। घर या प्लॉट का ढलान उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना शुभ माना जाता है, जिससे धन का प्रवाह बना रहता है।

अहंकार नहीं, विनम्रता बनाती है श्रेष्ठ

इंद्र और लोमश ऋषि की कथा की सीख - तुलना करें, लेकिन दूसरों को कमजोर न समझें

देवराज इंद्र और लोमश ऋषि की एक पौराणिक कथा है। इस कथा में बताया गया है कि जब इंद्र को अहंकार हो गया तो लोमश ऋषि ने कैसे इंद्र का अहंकार दूर किया था।कथा के मुताबिक, एक बार इंद्र ने अपने लिए एक अद्भुत महल बनवाया। ये महल इसलिए भी खास था, क्योंकि इसे देवताओं के शिल्पकार विश्वकर्मा ने तैयार किया था। इंद्र इस निर्माण से इतने प्रभावित हुए कि वे सभी देवताओं को बुलाकर अपना महल दिखाने लगे। इंद्र अपने महल की प्रशंसा करने लगे, ये सिलसिला ऐसा चला कि इंद्र के मन में श्रेष्ठता का भाव अहंकार में बदल गया।

इंद्र ने देवर्षि नारद को बुलाकर पूछा कि क्या आपने इससे सुंदर महल कभी देखा है?

नारद मुस्कुराए और बोले कि मेरी जानकारी सीमित हो सकती है। आप ऋषि लोमश से पूछें जो एक हजार वर्षों से भी ज्यादा समय से जीवित हैं। नारद जी की बात मानकर इंद्र ने लोमश ऋषि को अपना महल दिखाने के लिए बुला लिया।ऋषि लोमश को महल दिखाते हुए इंद्र ने वही सवाल दोहराया कि क्या आपने इससे सुंदर महल कभी देखा है?

लोमश ऋषि ने शांति से उत्तर दिया कि मैंने अपने जीवन में असंख्य इंद्र देखे हैं। एक से बढ़कर एक महलों का वैभव देखा है, लेकिन आज वे सब इतिहास हो चुके हैं।उन्होंने आगे कहा कि तुम जिस महल पर गर्व कर रहे हो, वह भी समय के साथ मिट्टी में मिल जाएगा। यही संसार का नियम है, जो आया है, वह जाएगा। ये सोच कि तुम सर्वोत्तम हो, अहंकार है और अहंकार ही पतन की पहली सीढ़ी है।

लोमश ऋषि की बात सुनकर इंद्र को अपनी गलती समझ आ गई।

उपलब्धि पर गर्व करें, लेकिन अहंकार न करें - अपना सर्वश्रेष्ठ देना अच्छी बात है, लेकिन यह मान लेना कि अब इससे ऊपर कुछ नहीं, ये सोच आपको असफल बना सकती है। विनम्रता ही आगे बढ़ने की कुंजी है।

तुलना से प्रेरणा लें, लेकिन दूसरों को कमजोर न समझें - दूसरों की उपलब्धियों को देखकर प्रेरणा लेना सकारात्मक सोच है, लेकिन उन्हें नीचा दिखाना या अपने को उनसे श्रेष्ठ मानना एक गलत मानसिकता है जो रिश्तों और विकास दोनों को नुकसान पहुंचाती है।

समय से बड़ा कोई नहीं - आपका साम्राज्य, आपकी पहचान, आपकी उपलब्धियां, सब कुछ समय की कसौटी पर खरे उतरने चाहिए। समय के साथ हर चीज बदलती है, इसलिए सच्चा विजेता वही है जो समय के साथ नम्रता और लचीलापन भी अपनाता है।

हर निर्माण एक दिन खत्म हो जाएगा - जो आज नया है, वह कल पुराना होगा। इंद्र के महल जैसा कोई भी सर्वोत्तम निर्माण स्थायी नहीं होता है। स्थायित्व अगर किसी चीज में है तो वह है चरित्र, दृष्टिकोण और सेवा भावना में। ध्यान रखें हर निर्माण एक दिन खत्म हो जाएगा, इसलिए ऐसी चीजों का घमंड न करें।

सीखना बंद नहीं होना चाहिए - इंद्र को लगा था कि मैं ही सब कुछ जानता हूं और मुझसे ऊपर कोई नहीं है। नारद ने उन्हें किसी और से सीखने की सलाह दी और लोमश ऋषि ने उन्हें सिखाया भी। यही दर्शाता है कि बड़ा बनने के लिए सीखने का भाव सबसे जरूरी है।

धरती पर आने के बाद गंगा ने राजा शांतनु से किया विवाह लेकिन अपने सात पुत्रों को नदी में बहा दिया

महाभारत की कथा के अनुसार, हस्तिनापुर के राजा शांतनु एक बार गंगा नदी के किनारे घूम रहे थे। वहां उन्होंने एक दिव्य स्त्री को देखा, जो वास्तव में देवी गंगा थीं। राजा शांतनु उनके सौंदर्य पर मोहित हो गए और उनसे विवाह करने की इच्छा जताई।

गंगा ने शांतनु के विवाह प्रस्ताव को स्वीकार तो किया, लेकिन शर्त भी रखी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने अनुसार कार्य करने की पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए और शांतनु कभी उनके किसी कार्य पर कोई प्रश्न नहीं उठाएंगे या उन्हें रोकेंगे नहीं। जिस दिन शांतनु ने उनकी इस शर्त को तोड़ा, वह उसी क्षण उन्हें छोड़कर चली जाएंगी। राजा शांतनु ने देवी गंगा के प्रेम में उनकी यह कठिन शर्त भी स्वीकार कर ली और दोनों का विवाह हुआ।

विवाह के कुछ सालों बाद रहस्यमय घटनाक्रम शुरू हुआ जब गंगा ने पहले पुत्र को जन्म दिया। जन्म लेते ही गंगा ने उस बच्चे को नदी में बहा दिया। शांतनु यह देखकर बहुत दुखी हुए, लेकिन अपने वचन के कारण गंगा को ऐसा करने से रोक नहीं पाए। उन्हें डर था कि यदि उन्होंने गंगा को रोका तो वह उन्हें छोड़कर चली जाएंगी।

इसी प्रकार, गंगा ने एक के बाद एक सात पुत्रों को जन्म दिया और उन सभी को बहा दिया। शांतनु हर बार गहरे दुख में डूब जाते, पर मजबूरी के कारण कुछ नहीं कर पाते थे। जब देवी गंगा आठवीं संतान को भी नदी में बहाने के लिए आईं, तो राजा से रहा नहीं गया। उन्होंने दुख और क्रोध से भरकर गंगा को रोकते हुए पूछा कि वह क्यों अपनी ही संतानों को इस तरह नदी में बहा देती हैं?

राजा शांतनु के प्रश्न पर देवी गंगा ने कहा, ₹हे राजन! आज आपने अपनी संतान के मोह में मेरी शर्त तोड़ दी है। अब मैं आपके साथ नहीं रह सकती। हालांकि, आपकी यह आठवीं संतान जीवित रहेगी और यही आपके वंश को आगे बढ़ाएगा। इतना कहकर देवी गंगा अपने उस पुत्र को शांतनु को सौंपकर अंतर्धान हो गईं।

शांतनु ने पुत्र को बचा तो लिया, लेकिन उसे अच्छी शिक्षा और पालन-पोषण के लिए कुछ सालों तक गंगा के साथ छोड़ दिया। उस बच्चे का नाम देवव्रत रखा। जब देवव्रत पराक्रमी योद्धा और धर्म का ज्ञाता बनकर लौटा, तो गंगा उसे राजा शांतनु के पास वापस ले आईं।

पुत्र के लिए राजा शांतनु ने गंगा जैसी देवी का त्याग स्वीकार किया और उसी पुत्र को अपने से दूर भी रखा। यही देवव्रत भीष्म के नाम से प्रसिद्ध हुआ। भीष्म ने ही अपने पिता शांतनु का विवाह सत्यवती से करवाने के लिए पूरी जिंदगी अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा की थी और अपने पिता के वंश की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

गंगा दशहरा के दिन इस कथा का स्मरण मां गंगा के महत्व और उनके द्वारा किए गए त्याग को दर्शाता है। यह पर्व हमें रिश्तों की जटिलताओं और वचनों के पालन के महत्व को भी समझने की प्रेरणा देता है।

शिवलिंग की परिक्रमा किस ओर से शुरू करनी चाहिए

हिंदू धर्म में परिक्रमा करने का बहुत महत्व है। परिक्रमा का मतलब है किसी खास जगह या व्यक्ति के चारों तरफ घूमना। यह घूमना हमेशा बाहिनी तरफ से होता है। इसे 'प्रदक्षिणा करना' भी कहते हैं। यह पूजा का एक जरूरी हिस्सा है। यह प्रथा बहुत पुरानी है। वेदों के समय से ही लोग परिक्रमा करते आ रहे हैं। देवी-देवताओं की पूजा विधि में परिक्रमा भी अहम हिस्सा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिव जी की पूरी परिक्रमा नहीं बल्कि आधी परिक्रमा ही की जाती है। आइए, जानते हैं शिवजी की आधी परिक्रमा के पीछे क्या है मान्यता।

संपूर्ण ब्रह्मांड ज्योतिर्लिंग के ही समान है

शिव जी की आधी परिक्रमा करने का विधान है, वह इसलिए कि शिव के सोमसूत्र को लांघा नहीं जाता है। जब व्यक्ति आधी परिक्रमा करता है, तो उसे चंद्राकार परिक्रमा कहते हैं। शिवलिंग को ज्योति माना गया है और उसके आसपास के क्षेत्र को चंद्र। आपने आसमान में अर्द्ध चंद्र के ऊपर एक शुक्र तारा देखा होगा। यह शिवलिंग उसका ही प्रतीक नहीं है बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड ज्योतिर्लिंग के ही समान है। शिवलिंग की निर्मली को सोमसूत्र ही कहा जाता है, शास्त्र का आदेश है कि शंकर भगवान की प्रदक्षिणा में सोमसूत्र का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

शक्ति का स्त्रोत है सोमसूत्र

सोमसूत्र में शक्ति स्रोत होता है अतः उसे लांघते समय पैर फैलाते हैं और वीयं निर्मित और 5 अन्तस्थ वायु के प्रवाह पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इससे देवदत्त और धनंजय वायु के प्रवाह में रुकावट पैदा हो जाती है। जिससे शरीर और मन पर बुरा असर पड़ता है। अतः शिव की अर्द्ध चंद्राकार प्रदक्षिणा ही करने का शास्त्र का आदेश है।

शिवलिंग की परिक्रमा किस ओर से करनी चाहिए

शास्त्रों में अन्य स्थानों पर मिलता है कि तृण, काष्ठ, पत्ता, पत्थर, ईंट आदि से ढके हुए सोमसूत्र का उल्लंघन करने से दोष नहीं लगता है, लेकिन 'शिवस्यार्थ प्रदक्षिणा का मतलब शिव की आधी ही प्रदक्षिणा करनी चाहिए। भगवान शिवलिंग की परिक्रमा हमेशा बाईं ओर से शुरू कर जलाधारी के आगे निकले हुए भाग यानी जल स्रोत तक जाकर फिर विपरीत दिशा में लौटकर दूसरे सिरे तक आकर परिक्रमा पूरी करें।

शास्त्रों से जानें, प्रयाग में गंगा–यमुना–सरस्वती के संधि स्थल का रहस्य

भारत में नदियों के अनेक संगम स्थल हैं। उन सबका अपना-अपना धार्मिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व है, किन्तु प्रयाग के जिस संगम की चर्चा यहां की जा रही है, उसका परम्परा से अपना वैशिष्ट्य रहा है। प्रयाग में गंगा-यमुना-सरस्वती के संधि स्थल को ही संगम कहा गया है। पुराणों का कथन है कि जो लोग श्वेत (सित) तथा कृष्ण (नील या असित) दो नदियों के मिलन स्थल (संगम) पर स्नान करते हैं, वे स्वर्ग जाते हैं। इस दृष्टि से प्रयाग के संगम स्थल पर विचार करना अपेक्षित है कि उसमें त्रिधाराओं का संगम है या द्विधाराओं का ही।प्रयागराज यानी इलाहाबाद में अनेक दर्शनीय स्थल हैं जिनमें एल्फ्रेड पार्क, जहां महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद ने शहीदी प्राप्त की थी, से लेकर इलाहाबाद यूनिवर्सिटी तक शामिल हैं।

त्रिवेणी का साक्ष्य : श्रुति, स्मृति और पुराणों का अनुशीलन करने पर ज्ञात होता है कि जहां स्मृतियों तथा पुराणों में प्रयाग का महत्व विस्तार से वर्णित है, वहीं श्रुतियों के केवल ऋग्वेद के दो स्थलों पर उसका उल्लेख हुआ है। तीर्थ-चिन्तामणि में उद्धत ऋग्वेद के मंत्र में कहा गया है कि जिस स्थान पर श्वेतवर्णा (धवला) गंगा और असितवर्णा (नीलवर्णा) यमुना, ये दो नदियां मिलती हैं, उस स्थल पर स्नान करने से स्वर्गलोक की प्राप्ति होती है।

जो जन उस स्थान पर शरीर विसर्जन करते हैं वे भी अमर हो जाते हैं। ऋग्वेद मंत्र से प्रभावित होकर महाकवि कालिदास ने रघुवंश में कहा है कि सितासित धाराओं से संयुक्त गंगा-यमुना के संगम पर जो व्यक्ति स्नान कर पवित्र होते हैं वे तत्वज्ञानी न होने पर भी संसार के बंधनों से मुक्त हो जाते हैं। इस संदर्भ में कालिदास ने भी सरस्वती की चर्चा नहीं की है। इस मंत्र से यह ज्ञात होता है कि प्रयाग का गंगा-यमुना के संगम के रूप में महत्व माना गया है।इस मंतव्य के विपरीत त्रिवेणी शब्द से गंगा-यमुना-सरस्वती का संगम ग्रहण किया जाता है और इन तीनों महानदियों का संगम स्थल प्रयाग में बताया जाता है। इस दृष्टि से श्रुति स्मृति तथा पुराणों का अनुशीलन करने पर ज्ञात होता है कि प्रयाग में त्रिवेणी के संबंध में मत मतांतर है। इस संबंध में प्राचीनतम उद्धरण नागेश भट्ट के तीर्थेंदु शेखर में उद्धत ऋग्वेद का मंत्र है, जिसमें गंगा, यमुना तथा सरस्वती के संगम का उल्लेख किया गया है। 'यत्र गंगा च यमुना च यंत्र प्राची सरस्वती' ऋग्वेद के इस मंत्र के अतिरिक्त कतिपय पुराण वचनों तथा निबंधकारों के निर्देशों से भी इसकी पुष्टि होती है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 9 जून - 2025

हिंदू ग्राम एक और विभाजन की नींव रखेंगे

रघु ठाकुर

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम के स्वयंभू पीठाधीश श्री धीरेन्द्र शास्त्री अब देश में काफी चर्चित नाम हैं। उनके धार्मिक अनुयायी उन्हें बागेश्वर धाम के नाम से जानते हैं। सत्ता के साथ उनके रिश्ते भी अब उन्हें चर्चा के केन्द्र में लाये हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बागेश्वर धाम गये थे। वहां श्री धीरेन्द्र शास्त्री कैंसर अस्पताल का निर्माण करा रहे हैं। यह अस्पताल कैसा होगा, क्या स्वरूप होगा, क्या सरकार की हिस्सेदारी होगी या निजी खिलाड़ियों की पूंजी लगेगी, यह सब सवाल अभी अनुत्तरित हैं। मीडिया के अनुसार प्रधानमंत्री जी ने वहां पर्ची लगाई थी। बाद में बताया कि श्री शास्त्री की मां की इच्छा उनकी शादी की है। प्रधानमंत्री उन्हें शादी में आने का वादा भी कर आये हैं। प्रधानमंत्री की बागेश्वर यात्रा के उद्देश्य क्या हैं यह तो वे ही बेहतर जानते होंगे? परंतु, एक उद्देश्य यह भी हो सकता है कि उन्हें बागेश्वर धाम के प्रचार और लोकप्रियता से कुछ भविष्य में संकट के संकेत नजर आ रहे हैं। इसीलिए उसकी तैयारी संघ और प्रधानमंत्री ने अभी से करने की सोची है। क्योंकि श्री धीरेन्द्र शास्त्री,1 करोड़ हिन्दुओं को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए संगठित करने की घोषणा कर चुके हैं। संघ चर्चित लोगों का उपयोग करने में और उपयोग के बाद उन्हें यथास्थान पहुंचाने में बहुत ही निष्णात है। एक जमाने में बाबा रामदेव को देश में एकमात्र योगगुरु के रूप में प्रतिष्ठित कराया। चुनाव में उनका भरपूर उपयोग किया। अब वे हरिद्वार में पतंजलि के नाम से व्यापार कर रहे हैं। अन्ना हजारे के माध्यम से टू-जी स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल किया। अब अन्ना हजारे लगभग गुमनामी की खोह में हैं। वीपी सिंह के माध्यम से बोफोर्स कांड की चर्चा हुई। अब वीपी सिंह दुनिया में नहीं हैं, और चर्चा में भी नहीं है,परंतु जिस शक्ति का जनसमर्थन संघ को लेना था वह मिल चुका है।

धीरेन्द्र शास्त्री कुछ संघ समर्थक व धार्मिक व्यक्ति के रूप मे चर्चित हैं, और कुछ अनर्गल टिप्पणियों के कारण अपने आश्रम में सेन समाज के व्यक्ति को जाति छिपाने के अपराध में वे उठक-बैठक लगवा चुके हैं। जिसे सारे देश ने देखा है। अभी हाल में उन्होंने एक नया जुमला फेंका है कि वे शिहन्दू ग्राम्य बसायेंगे जो भविष्य में हिन्दू राष्ट्र के आधार और माध्यम बनेंगे। उनके हिन्दू ग्राम की क्या कल्पना है यह अभी रहस्य के गर्भ में है, परंतु एक चर्चा तो उन्होंने देश में शुरू करा ही दी है। इस चर्चा को संघ धीरे-धीरे फैलायेगा। कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री फड़नवीस ने हिन्दू अर्थव्यवस्था की चर्चा एक सम्मेलन में की थी। हिन्दू अर्थव्यवस्था भी संघ का एक एजेंडा है। हिन्दू अर्थव्यवस्था के नाम पर अन्य धर्मावलंबी चिह्नित किए जायेंगे। क्या उनसे व्यापार बंद किया जायेगा? इस हिन्दू अर्थव्यवस्था में सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई, पारसी, मुसलमान आदि शामिल होंगे या नहीं यह भी अभी भविष्य के गर्भ में है या हो सकता है कि पहले चरण में मुस्लिम समाज को निशाना बनाया जाए फिर अन्यों का नंबर आए। निसंदेह आज की तारीख में हिन्दू ग्राम या हिन्दू अर्थव्यवस्था के जुमले मजाक जैसे लग सकते हैं, अगंभीर भी कहलायेंगे, परंतु यह वह बीज है जो भविष्य में विभाजन का आधार बन सकते हैं। इस बहस से लोगों के मन में एक मानसिक विभाजन का कीटाणु तो प्रवेश कर ही रहा है। ये विषय धीरे धीरे देश-गांव-धर्मगुरुओं की सभाओं में उठाये जायेंगे। धीरे धीरे देश में इसके लिए वातावरण तैयार किया जायेगा। यदि हम इतिहास को बारीकी से देखें तो उन्नीसवीं सदी में जब हिन्दू और मुसलमानों के अलग अलग राष्ट्र की चर्चा शुरू हुई थी तब वह हंसी मजाक का विषय था। लोग उसे गंभीरता से नहीं नहीं लेते थे। परंतु देश की कट्टरपंथी ताकतों व मानस ने कुछ ही वर्षों में, इसे ज्वलंत मुद्दा बना दिया था। हिन्दू व मुस्लिम कट्टरपंथ दोनों अपने अपने ध्वजवाहक बन गये और अंततरू देश का बंटवारा हो गया। कई घटनाएं आरंभ में छोटी लगती हैं, परंतु क्रमशरू मानसिक खुराक खाते खाते वे विषबेल की तरह फैल जाती है। भारत सरकार या प्रधानमंत्री जी ने, संघ या भाजपा ने अभी तक उनके इन बयानों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रशासनिक आधार पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया। खालिस्तान की मांग करने वाले राष्ट्रद्रोही हो जाते हैं। कोई और मजहब वाले कहें तो राष्ट्रद्रोही हो जायेंगे, पर बागेश्वर धाम को सत्ता और संघ का संरक्षण है। यह आश्चर्यजनक है कि भाजपा, संघ और सरकार ही नहीं बल्कि भारत की सम्पूर्ण संसदीय राजनीति इन गंभीर आपराधिक बयानों पर मौन है। जिस छतरपुर के गांव में यह बागेश्वर धाम है, वहां बुन्देलखण्ड में आये दिन जातीय दमन व हिंसा की घटनाएं रोज अखबारों में छपती हैं। कुछ दिन पहले अनुसूचित जाति के पुलिस वाले को बारात में घोड़े पर बैठने से रोका गया बड़ी मुश्किल से पुलिस के संरक्षण में उसकी बारात निकल पायी। कुछ ही दिन पहले ऐसी ही जातीय भेदभाव की घटना अखबारों में छपी जिसमें किसी छोटी जातिवाले दूल्हे को घोड़े पर बैठने से रोका गया। खुद धीरेन्द्र शास्त्री के भाई ने बागेश्वर धाम के आसपास के लोगों को उनके घरों से बलात हटा दिया। उनके साथ मारपीट की। हवाई फायर करके भयभीत किया। परंतु, केवल कानूनी औपचारिकता के अलावा कुछ नहीं हुआ। यहां तक कि उन्हें कुछ ही घंटों में हंसते-मुस्कराते जमानत मिल गई। यह स्थिति अकेले बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश की नहीं है, बल्कि समूचे उत्तर भारत में ऐसी घटनाएं घट रही हैं। पशचिम बंगाल के नदिया जिले के बहरामपुर गांव में हाइकोर्ट के हस्तक्षेप से तीन सौ साल बाद शिव मंदिर में दलितों को पूजा का अधिकार मिला। ऐसी कितनी घटनाएं हम लोग रोज अखबारों में पढ़ रहे हैं। आज जब देश में एक धर्म का शासन नहीं है, संवैधानिक व्यवस्था है, तब यह स्थिति है तो एक धर्म का राष्ट्र बनने के बाद या एक धर्म का गांव बसने के बाद क्या स्थिति जन्म लेगी यह एक भयावह कल्पना है। कहीं यह हिन्दू गांव फिर से देश के मानसिक और वास्तविक विभाजन का कारण तो नहीं बनेगा? भारत के सर्वोच्च न्यायालय का जो संविधान रक्षक हैं उसे इन विषयों पर स्वतरू संज्ञान लेना चाहिए। असंवैधानिक लक्ष्यों के संगठनों या उद्घोषकों के विरुद्ध न केवल आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए बल्कि उन्हें जनतांत्रिक अधिकारों से वंचित करना चाहिए। श्री धीरेन्द्र शास्त्री ने जो चर्चा शुरू की है उस पर देश के अन्य इलाकों में भी अलग-अलग प्रयोग चल रहे हैं। बागेश्वर धाम के नजदीक हिन्दू ग्राम बसाने के ऐलान का कई साधू संतों ने सार्वजनिक स्वागत भी किया है। इसका भूमिपूजन भी धीरेन्द्र शास्त्री ने किया है। उनका कहना है कि यही हिन्दू ग्राम भविष्य के हिन्दू राष्ट्र की आधारशिला बनेंगे। समाचार-पत्रों से पता चला है कि इस गांव की जमीन केवल सनातनी हिन्दुओं को उपलब्ध कराई जायेगी। फ्लैट सिस्टम से मकान बनेंगे। धीरेन्द्र शास्त्री का यह भी कहना है कि पहले हिन्दू ग्राम बसाये जायेंगे, फिर हिन्दू जिले, फिर प्रांत, फिर हिन्दू राष्ट्र। इस प्रकार के प्रयोग अघोषित तौर पर देश के कुछ और इलाकों में हुआ है। गुजरात के ऊना में कई गांवों में बोर्ड लगाये गये हैं कि हिन्दू राष्ट्र के गांव में आपका हार्दिक स्वागत है। हालांकि अनेक गांव जहां ये बोर्ड लगाये गये हैं उनमें कुछ मुस्लिम व आदिवासी आबादी भी है। अभी तो वहां के लोग भयवश चुप हैं। क्यों कि केन्द्र और गुजरात, केन्द्र और मध्यप्रदेश में कहने को दो इंजन की सरकार है, वास्तव में एक ही इंजन यानी संघ की सरकार है। मैं चाहता हूं कि देश में ऐसे अनावश्यक प्रश्नों पर निरर्थक बहस न हो, क्यों कि उससे ऐसे विचारों का प्रचार होता है। वे भविष्य में जहरीले बन जाते हैं। यह भी अच्छा है कि किसी गैर हिन्दू धर्मावलंबी ने अभी तक इस पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी या निंदा नहीं की है। यह देश के सहनशील समावेशी मानस का प्रमाण है। परंतु सर्वोच्च न्यायालय से जरूर मैं अपील करूंगा कि वह इसका संज्ञान ले और इस जहरीले विभाजन के बीज को आरंभ में ही समाप्त करे। एक और भी खतरा है कि कहीं धर्म के नाम के गांव के बाद जाति आधारित गांव का सिलसिला शुरू न हो जाये। हालांकि देश में पहले भी ग्रामों व शहरों में धर्म व जाति के नाम के मोहल्ले बसे हैं। परंतु यह घटनाएं सदियों पुरानी हैं जब देश गुलाम था और संविधान नहीं बना था।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत

समुद्र में भारत की लगातार बढ़ रही शक्ति से पडोसी देश के साथ ही सारी दुनिया हैरान व परेशान है। जहां एक ओर भारतीय तटरक्षक बल को नई जेट्टी की सुविधा मिली है, वहीं भारतीय नौसेना को उसका पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर - शैलो वाटर क्राफ्ट (युद्धपोत) मिलने जा रहा है। जाहिर है इससे भारतीय नौसेना को अजेय होने में काफी सहूलियत मिल जाएगी। भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने केरल के विझिनजाम बंदरगाह पर एक नई समर्पित जेट्टी का उद्घाटन किया। 76.7 मीटर लंबा यह अत्याधुनिक बर्थ भारतीय नौसेना के जहाजों की त्वरित तैनाती और वापसी सुनिश्चित करेगा। इस जेट्टी से तटीय निगरानी, खोज और बचाव, तस्करी विरोधी अभियान और मछली पालन सुरक्षा जैसी अभियानों की तत्परता में वृद्धि होगी, जो देश के लिए काफी अहम मानी जा रही है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह जेट्टी रणनीतिक रूप से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेनों से मात्र 10 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। यह विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट डीपवाटर पोर्ट के समीप है, जिससे यह भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर भारतीय तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) के कमांडर, महानिरीक्षक भीष्म शर्मा, विझिनजाम इंटरनेशनल सी-पोर्ट लिमिटेड, केरल सरकार, केरल समुद्री बोर्ड, राज्य पुलिस, पोर्ट प्राधिकरण, भारतीय सेना, अदाणी पोर्ट्र्स प्रा. लि. और मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।महानिदेशक परमेश शिवमणि ने इस नई सुविधा को तटीय सुरक्षा संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में बहुत ही महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने इस क्षेत्र में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता सुनिश्चित करने की दिशा में इसे मील का पत्थर करार दिया। समुद्र में भारत की शक्ति में लगातार इजाफा हो रहा है। नौसेना का यह युद्धपोत 'आईएनएस अर्नाला' 18 जून को विशाखापत्तनम के नेवल डॉकयार्ड में औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह ऐतिहासिक समारोह चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ, जनरल अनिल चौहान की अध्यक्षता में आयोजित होगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 'आईएनएस अर्नाला' 77 मीटर लंबा युद्धपोत है जो डीजल इंजन-वॉटरजेट संयोजन द्वारा संचालित है। विशेष तकनीक से संचालित यह भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा युद्धपोत बताया जा रहा है। जहाज को पानी के नीचे निगरानी रखने, तलाश और बचाव कार्यों और कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन (एलआईएमओ) के लिए तैयार किया गया है। यह समुद्री जहाज तटीय जल में एंटी-सबमरीन वारफेयर संचालन में सक्षम होगा। साथ ही यह माइन बिछाने की उन्नत क्षमता से भी युक्त किया गया है। इस एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट पोत के नौसेना में शामिल होने से भारतीय नौसेना की उथले पानी की पनडुब्बी रोधी युद्धक क्षमता में बढ़ोतरी होगी। 1490 टन वजनी इस युद्धपोत में डीजल इंजन-वॉटरजेट संयोजन द्वारा संचालन की सुविधा है। यह इस तकनीक से संचालित सबसे बड़ा भारतीय युद्धपोत बनाता है। इस युद्धपोत के निर्माण में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का प्रयोग किया गया है। जाहिर है इस युद्धपोत के जरिए भारत की समुद्र में जिस तरह से ताकत बढ़ रही है उससे पडोसी मुल्कों का हलक सूखना तय है।

केरल में भारत माता का अपमान यह केवल चित्र नहीं देश की आत्मा पर चोट है!

अजय कुमार

जब कोई भारत माता की जय बोलता है, तो ये केवल एक नारा नहीं होता, बल्कि एक ऐसी पुकार होती है, जिसमें देशभक्ति, श्रद्धा और मातृत्व का गहरा बोध समाहित होता है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, उसी भारत माता की तस्वीर अब देश के भीतर विवाद की जड़ बन रही है। जिस तस्वीर के सामने स्वतंत्रता सेनानी सिर झुकाकर बलिदान की प्रेरणा लेते थे, उसे देखकर अब केरल के एक मंत्री की आंखें चुभने लगी हैं। केरल के कृषि मंत्री पी प्रसाद ने पर्यावरण दिवस पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम का सिर्फ इसलिए बहिष्कार कर दिया क्योंकि मंच पर भारत माता की तस्वीर लगी थी। यह घटना एक प्रतीक भर नहीं है, यह उस वैचारिक युद्ध की प्रत्यक्ष झलक है जो अब भारत की आत्मा से टकरा रहा है। पी प्रसाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हैं। वही पार्टी जिसकी जड़ें भारत में नहीं, बल्कि 1920 के दशक में सोवियत रूस के ताशकंद में पड़ीं। एक विदेशी धरती पर जन्मी विचारधारा का भारत में प्रवेश होना ही एक चेतावनी थी कि इसकी नज़र भारतीय संस्कृति, परंपरा और भावनाओं से मेल नहीं खाती। और यही हुआ भी। आजादी के आंदोलन में जब देश के कोने-कोने में भारत माता की जय के उद्घोष के साथ आंदोलनकारी सड़कों पर उतर रहे थे, उसी वक्त वामपंथी विचारधारा सोवियत संघ के हितों की रक्षा में व्यस्त थी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में इनका हिस्सा न बनना इस बात की सबसे बड़ी गवाही है। जब-जब भारत माता का स्वर प्रबल हुआ, तब-तब लेफ्ट ने अपना मुख कहीं और मोड़ लिया। जब महात्मा गांधी अंग्रेजों को "भारत छोड़ो" कह रहे थे, तब कम्युनिस्ट नेता सोवियत संघ की नीति के अनुसार चुप बैठे थे। जब 1962 में चीन ने भारत की सीमाओं पर हमला किया, तब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने न केवल चीन के दावों का समर्थन किया, बल्कि 'बीजिंग नजदीक है, दिल्ली दूर' जैसे नारे दिए। एक विचारधारा जो भारत माता को मां नहीं मानती, बल्कि एक साम्राज्यवादी कल्पना मानती है, वो विचारधारा जब सत्ता में आती है, तो भारत माता की तस्वीर से चिढ़ होना स्वाभाविक हो जाता है। भारत माता का चित्र कोई धर्म विशेष का प्रतीक नहीं है। यह चित्र अबनिंद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बनाया था, जिसमें भारत को चार हाथों वाली देवी के रूप में दर्शाया गया, जिनके हाथों में वेद, चावल, सफेद वस्त्र और माला होती थी। ये प्रतीक उस भारत का था, जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, आत्मनिर्भर और ज्ञान से परिपूर्ण था। यह चित्र उस समय बना जब बंग-भंग के कारण राष्ट्रवाद की लहर तेज हो रही थी। भारत माता उस राष्ट्रवादी चेतना का नाम थी जिसने आजादी की लड़ाई को जनांदोलन में बदल दिया। यही कारण था कि वीर सावरकर से लेकर भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस तक, सभी भारत माता को केंद्र में रखकर लड़ते रहे। लेकिन अब उस चित्र को लेकर यह तर्क दिया जा रहा है कि वह "सरकारी रूप से अधिकृत प्रतीक" नहीं है। केरल सरकार ने यहां तक कह दिया कि भारत माता का कोई आधिकारिक चित्र नहीं है और इसीलिए उसे किसी सरकारी मंच पर रखना असंवैधानिक है। कृषि मंत्री पी प्रसाद ने यह आरोप लगाया कि भारत माता के चित्र पर एक राजनीतिक संगठन का झंडा लगा हुआ था, इसलिए वे उसे स्वीकार नहीं कर सकते। सवाल यह है कि क्या भारत माता अब केवल एक पार्टी का विचार बन गई है? क्या आज भारत माता की जय बोलना किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़ गया है।राज्यपाल राजेंद्र वी. आर्लेकर ने इस पूरे विवाद में स्पष्ट कहा कि भारत माता के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। यह बयान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं था, यह उस करोड़ों भारतीयों की भावना का प्रतिनिधित्व करता था जो भारत माता को केवल एक प्रतीक नहीं, एक सजीव सत्ता मानते हैं।

कबीर के चिंतन की समाजवादी मीमांसा

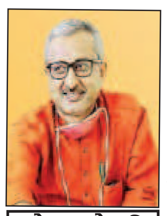

गौतम चौधरी

कबीर हद और अनहद दोनों को साध चुके थे। इसलिए मध्यकालीन भारत में जितना ज्यादा आम लोगों पर कबीर ने प्रभाव छोड़ा, उतना किसी ने नहीं छोड़ा। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में कई कवियों का नाम आता है लेकिन कबीर दास ऐसे कवि थे जिन्होंने आम लोगों के मन की बात की। कबीर दास को आधुनिक भारतीय समाजवाद का प्रणेता कहा जाना चाहिए। उन्होंने समाजवाद को भारतीय परिपेक्ष में परिभाषित किया और लोगों के सामने परोस। उस समय के ताकतवर समाज जिसका धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में दबदबा था, उसको उन्होंने चुनौती दी। उनके जड़वादी चिंतन पर कबीर दास ने जबरदस्त प्रहार किया। अपनी रचना में वे कहते हैं, ₹जे बाभन बभिनिया जय, आन द्वार कहे नहीं आया।₹ इस प्रकार उन्होंने तत्कालीन ब्राह्मणवाद का प्रतिकार किया। कबीर दास एक ऐसे संत और कवि थे जिन्होंने एक खास प्रकार के सामाजिक आदेशों का उन्मूलन करते रहे। यही नहीं ,इस्लामी जड़वाद पर प्रहार करते हुए कबीर कहते हैं, कांकड़-पत्थर चुन के मस्जिद दियो बनाए, ता चढि मुल्ला बांग दे क्या बहरा भायो खुदाय।₹ इस प्रकार उन्होंने मूर्ति पूजा, मंदिर तथा मस्जिद जैसे पाखंड का प्रभावशाली तरीके से प्रतिकार किया है। कबीर कहते हैं, ₹पत्थर पूजे हरि मिले, तो मैं पुजूं पहाड़, ता से तो चक्की भली, पीस खाए संसार। इस प्रकार हम देखते हैं, कबीर दास की रचनाओं में केवल भक्ति ही नहीं है, केवल भगवान के प्रति समर्पण का भाव नहीं है, केवल सांस्कृतिक और धार्मिक आंदोलन की बात ही नहीं कही गई है अपितु कबीर अपनी रचनाओं में धार्मिक सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक समानता की बात करते हैं। कबीर यह कहते हैं कि भगवान के यहां से जो भी आया है वह सब एक समान है। यही नहीं कबीर दास तो केवल मानव और मानव के बीच के संबंधों की व्याख्या ही नहीं करते हैं, उनके मन में प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम दिखता है। कबीर दास दुनिया के तमाम जीव को एक ही भाव से देखते हैं और कहते हैं कि दुनिया में जो भी आया है, जिसको भी भगवान के द्वारा रचा गया है, उसका आपस में अंतर संबंध है। वह एक ही पिता का पुत्र है और एक ही आत्मा का विस्तार है। आज हम जिस राजनीतिक समाजवाद की बात करते हैं उसमें केवल मानवों के बीच आपसी समानता की बात कही गयी है लेकिन कबीर तो जीव-जंतु, वृक्ष-पौधे, यहां तक की निर्जीव वस्तुओं के प्रति भी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं और कहते हैं की पूजा तो उसकी होनी चाहिए जिससे मानव का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हित हो रहा है। मंदिरों में जो मूर्तियां रखी हुई है, जो केवल पत्थर की मूर्ति है और उसमें काल्पनिक प्राण प्रतिष्ठा कर दिया गया है, ऐसे मूर्तियों की पूजा करने से किसी का कोई लाभ नहीं होने वाला है और यह एक भ्रम है। इस भ्रम से आडंबर पैदा होता है और यह धर्म, संस्कृति मानवता के खिलाफ है। अंर्तगत्व इससे मानव जाति को हानि ही पहुंचने वाली है किसी प्रकार का कोई लाभ नहीं होगा। इस प्रकार कबीर दास ऐसे समाजवाद की बात करते हैं जो दुनिया को संपूर्णता मैं देखता है और संपूर्ण कायनातों को एक मानता है। इसलिए कबीर को भारतीय आधुनिक समाजवाद का प्रणेता माना जाना चाहिए। आजकल के समाजवादी प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने लगे हैं और यह मानकर चलते हैं कि मानव के साथ पर्यावरण और पारिस्थितिकी का संतुलन बेहद जरूरी है। लेकिन कबीर दास जी आज से सैकड़ो साल पहले यह कह गए कि मानव तभी जिंदा रहेगा जब उसके चारों तरफ का वातावरण उसके अनुकूल रहेगा। जीव हत्या, हिंसा और हिंसक गतिविधियों के खिलाफ कबीर दास जी ने एक बड़ा आंदोलन भी खड़ा किया। हालांकि कालांतर में उनका सांस्कृतिक और धार्मिक आंदोलन कई विकृतियों का शिकार हुआ लेकिन उन्होंने अपने समय ऐसे ऐसे प्रयोग स्थापित किए जो परंपराओं को चुनौती तो नहीं दे रहा था लेकिन मानवीय मूल्यों को और ज्यादा बेहतर तथा मजबूत बनाने में सफल रहा। समाजवाद के प्रणेता के रूप में राबर्ट ऑवेन और सेंट साइमन का नाम पहले स्थान पर आता है। इन दोनों चिंतकों ने यह देखा कि जब तक आर्थिक समानता नहीं आएगी, लोगों में समृद्धि नहीं आएगी और संसाधन का सही तरीके से बटवारा नहीं होगा, तब तक मानवीय समाज का विकास संभव नहीं है। उसी की अगली करी में कार्ल मार्क्स आए और सेंड साइमन तथा राबर्ट ऑवेन के समाजवाद को उन्होंने वैज्ञानिक कसौटी पर कस दिया। इसलिए मार्क्स के समाजवाद को वैज्ञानिक समाजवाद कहा जाता है। मार्क्स ने विज्ञान के आधार पर समाजवाद को परिभाषित किया। मार्क्स ने कहा की दुनिया संघर्षों का इतिहास है। मार्क्स का यह चिंतन है की संघर्षों के आधार पर ही दुनिया में परिवर्तन हुआ है और जब तक संघर्ष नहीं होगा तब तक विकास संभव नहीं है। यहां पर मैं मार्क्स और कबीर के चिंतन तुलना नहीं कर रहा लेकिन इतना तो तय है कि जहां मार्क्स एक ओर संघर्षों के इतिहास और संघर्षों के द्वारा विकास की बात करते हैं, वही कबीर दास मानवीय मूल्यों में परिवर्तन के लिए संघर्ष नहीं समन्वय की बात करते हैं। इसलिए मार्क्स के चिंतन से कबीर का चिंतन थोड़ा भिन्न है। दोनों चिंतक सामाजिक समानता और सभ्यता के विकास की बात कर रहे हैं लेकिन दोनों चिंतकों के प्रक्रिया तथा कार्य पद्धति में भिन्नता है। जहां वैज्ञानिक समाजवादी कार्ल मार्क्स विकास की पृष्ठभूमि में संघर्ष को देखते हैं, वही कबीर दास विकास के लिए समन्वय प्रभावशाली हथियार के रूप में चित्रित करते हैं। इस प्रकार समाजवाद दोनों जगह है। मार्क्स एक ऐसे समाजवादी हैं जिन्होंने मानवीय समानता की बात की। उन्होंने संसाधन और उत्पादन में समान हिस्सेदारी की बात किया है, जबकि कबीर दास, मार्क्स से कई कदम आगे बढ़कर चिंतन करते हुए कहा है कि परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है लेकिन उस परिवर्तन और विकास की प्रक्रिया में सबसे जो महत्वपूर्ण भूमिका है, वह सामाजिक और धार्मिक सामान्य की है। अगर धार्मिक, सामाजिक और संस्कृत सामान्य समाज में स्थापित हो जाए तो आर्थिक समानता की जरूरत ही नहीं पड़ती है। संसाधन में खुद व खुद समान हिस्सेदारी तय हो जाती है साथ ही शासन में भी महत्वपूर्ण भूमिका बनती चली जाती है।

जाति जनगणना : गिनती नहीं, पहचान

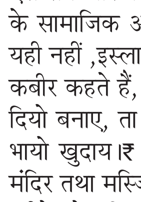

सचिन त्रिपाठी

भारत केवल एक भूगोल नहीं है। यह संवेदनाओं, विविधताओं, संघर्षों और चेतनाओं की जीवित भूमि है। यहां हर नदी की धारा, हर पर्वत की छाया, हर गांव की मिट्टी में एक कथा छिपी है और इन सब कथाओं को जोड़ने वाली जो सबसे महीन और गहरी रेखा है, वह है जाति। जाति यह शब्द जितना साधारण दिखता है, उतना ही जटिल है इसकी गुत्थी। यह किसी व्यक्ति के नाम के साथ चलती है, कभी उसके आगे तो कभी उसके पीछे, परंतु उससे अलग कभी नहीं होती। यह उसके खाने, पहनने, बोलने, चलने, बैठने, यहां तक कि स्वप्न देखने के अधिकार को भी निर्धारित करती है। ऐसे में अगर कोई कहे कि भारत को जाति जनगणना की आवश्यकता नहीं, तो यह वैसा ही होगा जैसे कोई आंखें मूंदकर सूरज को नकार दे। जातियों की गणना कोई नया विचार नहीं है। ब्रिटिश भारत में 1931 में अंतिम बार व्यापक जातिवार जनगणना हुई थी। उसके बाद भारत स्वतंत्र हुआ, संविधान बना, लोकतंत्र आया, लेकिन जातियों का अस्तित्व कभी समाप्त नहीं हुआ। वे हमारे सामाजिक व्यवहार में बनी रहीं। किसी के आंगन की चौखट तक सीमित तो किसी के सपनों की ऊंचाई तक पहुंचने में बाधा बनीं। इसलिए जब हम जाति जनगणना की बात करते हैं तो हम महज आंकड़ों की नहीं, बल्कि उन कहानियों की बात करते हैं जो आंकड़ों के पीछे छुपी हैं। वंचना की कहानियां, उपेक्षा की पीड़ाएं और संघर्ष की ज्वालाएं। क्या यह आवश्यक नहीं कि हम जानें, कौन-कौन से समाज अब भी अधूरे हैं? कौन-से वर्ग अब भी हाथ में पात्र लेकर अवसरों की भिक्षा मांग रहे हैं? भारत ने संविधान में वादा किया था। सबको समान अवसर मिलेगा। पर बिना यह जाने कि कौन कहां खड़ा है, यह समानता महज़ एक कविता बन जाती है सुंदर लेकिन असंभव। जाति जनगणना उसी कविता को गद्य में बदलने का पहला कदम हो सकती थी। जब तक हमें यह न पता चले कि किस जाति की कितनी जनसंख्या है, उनका आर्थिक स्तर क्या है, वे शिक्षा से कितनी दूर हैं। तब तक उनकी समस्याओं का समाधान कैसे संभव है? मान लीजिए, एक गांव में पांच जातियां हैं।

एक ऊंची जाति, जो वर्षों से सब संसाधनों पर अधिकार रखती आई है, और चार वे जो छाया बनकर जीती रही हैं। यदि सबको समान रूप से योजनाएं दी जाएँ, तो क्या यह वास्तव में न्याय होगा? जाति जनगणना एक ऐसी दृष्टि प्रदान करती जिससे योजनाएं अंधेरे में तीर चलाने के बजाय सटीक निशाने पर उतरतीं। भारतीय लोकतंत्र जाति से अनभिज्ञ नहीं है। हर चुनाव, हर टिकट, हर नारा कहीं न कहीं जाति की गणित में उलझा रहता है। राजनीतिक दल जब 'बहुजन हिताय' की बात करते हैं, तो उनका गणना तंत्र जातियों के अनुमानों पर आधारित होता है, न कि ठोस आंकड़ों पर। अगर जाति जनगणना होती, तो इस अनुमान का स्थान ज्ञान ले लेता। कौन जातियां अभी भी प्रतिनिधित्व से दूर हैं? किन्हें बार-बार सत्ता में हिस्सेदारी मिली और किन्हें केवल नारे? यह जानना आवश्यक है। बिहार द्वारा 2023 में किये गए जातीय सर्वेक्षण से जब यह सामने आया कि राज्य की 84 प्रतिशत आबादी ओबीसी, ईबीसी और एससी एसटी में आती है, तो मानो समाज ने खुद को आईने में देखा। ऐसा ही आईना पूरे देश के सामने भी आ सकता था, अगर जाति जनगणना राष्ट्रस्तर पर की जाती। कुछ लोग यह आशंका प्रकट करते हैं कि जाति जनगणना से समाज में विघटन बढ़ेगा, जातीय पहचान और मजबूत होगी।

जनजातीय गर्जना का नाम, एक विचार, एक विद्रोह : धरती आबा बिरसा मुंडा

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जैसे जंगल की आग अनायास भड़क उठती है और विशाल वृक्षों को भी अपने आगोश में ले लेती है, वैसे ही एक साधारण आदिवासी बालक ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव को हिलाकर रख दिया। वह बालक था आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा - जंगल का शेर, जनजातीय चेतना का सूरज, और स्वतंत्रता की मशाल। उसका नाम न केवल इतिहास के पन्नों में, बल्कि हर उस दिल में अमर है जो अन्याय के खिलाफ विद्रोह की ज्वाला जलाना चाहता है। बिरसा मुंडा एक व्यक्ति नहीं, एक तूफान थे, जो जंगलों की गोद से उठा और सत्ता के तख्तों को चुनौती दे गया। उनकी पुण्यतिथि, 9 जून, केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस अमर बलिदान का प्रतीक है, जिसने आदिवासी अस्मिता को नई रोशनी दी और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक अनछुआ अध्याय जोड़ा। 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलीहातु गाँव में मुंडा जनजाति के एक साधारण परिवार में जन्मे बिरसा का जीवन संघर्षों की भट्टी में तपा था। उनके पिता सुगना मुंडा और माता करमी हातु ने उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम और संस्कारों की नींव दी। उस दौर में अंग्रेजी शासन ने आदिवासियों की दुनिया को उजाड़ दिया था। ज़मींदारी प्रथा ने उनकी पुश्तैनी जमीनें छीन लीं, जंगल जो उनकी आत्मा का हिस्सा थे, अंग्रेजों और जमींदारों के कब्जे में चले गए। ईसाई मिशनरियों ने उनकी सांस्कृतिक जड़ों पर प्रहार किया, और आदिवासियों को उनकी ही धरती पर पराधीन कर दिया गया। इन अंधेरी परिस्थितियों में बिरसा एक दीपक की तरह जले, जिन्होंने न केवल अपने समुदाय को रोशनी दिखाई, बल्कि शोषण की बेड़ियों को तोड़ने का संकल्प लिया। बिरसा का बचपन जंगलों में बीता, जहाँ उन्होंने प्रकृति से जीने का हुनर सीखा और अन्याय को करीब से देखा। स्कूल की चारदीवारी में कुछ समय बिताने के बाद भी उनकी असली शिक्षा जंगलों की गोद में, अपने लोगों के दुख-दर्द को समझने में हुई। बिरसा ने देखा कि कैसे उनकी जनजाति को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से कुचला जा रहा है। इस पीड़ा ने उनके भीतर एक क्रांतिकारी को जन्म दिया। उन्होंने सबसे पहले सामाजिक सुधार का बीड़ा उठाया। 'बिरसाइत' धर्म की स्थापना कर उन्होंने आदिवासियों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ा। वह एक आध्यात्मिक गुरु की तरह उभरे, जिन्होंने शराब, पशुबलि और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। लोग उन्हें "धरती आबा" कहकर पूजने लगे, क्योंकि वह न केवल उनके नेता थे, बल्कि उनके आत्मसम्मान का प्रतीक थे। बिरसाइत आंदोलन एक धार्मिक क्रांति से कहीं अधिक था- यह आदिवासियों के बीच स्वाभिमान और एकता की चिंगारी थी, जो जल्द ही विद्रोह की आग में बदल गई। जब बिरसा ने देखा कि अंग्रेजी नीतियाँ और जमींदारों की लूट आदिवासियों के अस्तित्व को ही निगल रही हैं, तो उन्होंने तीर-कमान उठा लिया। 1895 में शुरू हुआ उनका 'उलगुलान'-महाविद्रोह-एक ऐसी आंधी थी, जिसने झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के जंगलों को अपने रंग में रंग दिया। "अबुआ दिशोम रे अबुआ राज" (हमारा देश, हमारा राज) का नारा उनकी हुंकार बन गया। बिरसा ने आदिवासियों को संगठित किया, उन्हें पारंपरिक हथियारों से लैस किया और अंग्रेजी शासन के खिलाफ खुली जंग छेड़ दी। उनके नेतृत्व में आदिवासियों ने पुलिस चौकियों, सरकारी दफ्तरों और जमींदारों की हवेलियों पर हमले किए। यह विद्रोह केवल जमीन और जंगल की रक्षा की लड़ाई नहीं थी, यह आदिवासी अस्मिता, सम्मान और स्वतंत्रता की ललकार थी। बिरसा एक योद्धा की तरह लड़े, जिनका हर तीर सत्ता के अहंकार को भेदता था। अंग्रेजी हुकूमत के लिए बिरसा एक तूफान बन चुके थे, जिसे रोकना असंभव था। उनकी लोकप्रियता और प्रभाव ने ब्रिटिश शासन को बेचैन कर दिया। आखिरकार, 3 फरवरी 1900 को चक्रधरपुर में उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर लिया गया। रांची जेल में उन्हें कैद किया गया, जहाँ 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की आयु में उनकी रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। अंग्रेजों ने इसे बीमारी से हुई मौत बताया, लेकिन इतिहासकार मानते हैं कि यह एक सुनियोजित हत्या थी। बिरसा की मृत्यु भले ही शारीरिक रूप से हुई, लेकिन उनकी आत्मा आज भी हर उस संघर्ष में जीवित है, जो अन्याय के खिलाफ लड़ा जाता है। बिरसा मुंडा एक व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा थे। वह जंगल के उस शेर की तरह थे, जिसका रुदन सत्ता के कानों में गूंजता था। उनकी स्मृति में रांची में "बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार" स्थापित किया गया, जहाँ वे अंतिम समय तक बंद रहे। 15 नवंबर को उनके जन्मदिन को "झारखंड स्थापना दिवस" और "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संसद में उनकी मूर्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत अपने इस वीर सपूत को कभी नहीं भूल सकता। उनकी प्रतिमाएँ और स्मारक देशभर में आदिवासी गौरव की कहानी कहते हैं।

मंत्री सीखेंगे, सुनेंगे और बताएंगे अपने अनुभव : सीएम

विकसित भारत के सपनों को पूरा करने की दिशा में एक और कदम

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आईआईएम कैंपस में आज से शुरू हुआ एक खास कार्यक्रम - चिंतन शिविर 2.0। यह कोई आम सरकारी बैठक नहीं, बल्कि ऐसा मंच है जहां प्रदेश सरकार के सभी मंत्री अपने अनुभव, सीखी गई बातें और कामकाज से जुड़ी कहानियां एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में आयोजित यह दो दिवसीय शिविर पूरी तरह से मंत्रियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें वे बीते डेढ़ साल के अपने सफर की समीक्षा करेंगे और आने वाले समय के लिए नई दिशा और प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

इस चिंतन शिविर का उद्देश्य केवल बीते कार्यों पर विचार करना नहीं, बल्कि विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने में विकसित छत्तीसगढ़ की भूमिका को स्पष्ट रूप से तय करना है। इसके तहत मंत्री अपने-अपने विभाग में किए गए नवाचारों, जनसेवा के अनुभवों और आगे की योजनाओं को साझा करेंगे। इस दौरान सेवा, संकल्प और सीख के मूल मंत्र पर केंद्रित विशेष सत्रों का आयोजन भी होगा।

शिविर में देशभर से आए प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञ मंत्रियों को सुशासन, पारदर्शिता, डिजिटल प्रशासन, लोकसेवा की भावना, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर व्याख्यान देंगे। यह शिविर एक प्रकार की कार्यशाला बन गया है, जहां हर मंत्री कुछ नया सीख रहा है और खुद को बेहतर बना रहा है।

इस शिविर का एक विशेष आकर्षण है – "सुशासन से निर्वाचन तक" विषय पर आधारित सत्र, जिसमें नीति निर्माण की पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण के सरोकारों पर चर्चा होगी। साथ ही, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से हुई मुलाकात में मिले मार्गदर्शन से भी मंत्रियों को अवगत कराएंगे, जिससे केंद्र और राज्य की योजनाओं में बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

शिविर के एक सत्र में बस्तर जैसे पिछड़े क्षेत्रों में आ रहे सकारात्मक बदलाव पर भी फोकस रहेगा। बस्तर में बीते कुछ समय में पर्यटन, स्वरोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। इन प्रयासों से वहां के युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं और क्षेत्र की पहचान भी बदल रही है। शिविर में मंत्रीगण अपने दौरे, निरीक्षण और योजनाओं के ज़मीनी अनुभवों को साझा करेंगे, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि विकास केवल राजधानी तक सीमित नहीं, बल्कि राज्य के हर कोने तक पहुंचना चाहिए।

यह शिविर एक तरह से आत्ममंथन का अवसर भी है, जहां मंत्री अपने अब तक के फैसलों पर गौर करेंगे और यह सोचेंगे कि भविष्य में लोगों की जिंदगी को और कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री साय की सोच स्पष्ट है - हर मंत्री केवल विभाग प्रमुख नहीं, बल्कि विकास यात्रा के सहभागी, प्रेरक और जनता के लिए जवाबदेह जनसेवक हों।

तीन दिनों में दो टॉप लीडर समेत सात नक्सली ढेर

सरकार माओवादियों से बातचीत के लिए तैयार : गृह मंत्री शर्मा

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर नेशनल पार्क एरिया में लगातार तीन दिनों से एनकाउंटर चला, जिसमें टॉप लीडर सुधाकर और भास्कर समेत सात नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया है। इस संबंध में भी गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बीजापुर का नेशनल पार्क एरिया है। डीआरजी के जवान हैं। सर्च ऑपरेशन अनवरत जारी है। इस दौरान पांच जून को एक बड़ी उपलब्धि जवानों को मिली है। पहले दिन एक सीसी मेंबर को न्यूट्रलाइज किया गया। दूसरे दिन तेलंगाना स्पेशल जोनल कमिटी का मेंबर मार गिराया और तीसरे दिन पांच और डेड बॉडी वहाँ से रिकवर की गई है।

तीन दोनों में दो टॉप लीडर समेत सात नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया है। यह सभी वर्दीधारी, हथियार धारी नक्सली हैं, जिन्होंने बहुत से आतंक फैलाया है। बहुत से लोगों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि अभी भी केंद्र सरकार और राज्य सरकार माओवादियों से किसी भी तरह की बातचीत करने को तैयार है। अगर माओवादी बातचीत करें, तो जरूर हो सकता है। सबसे अपील है कि मुख्य धारा में आए पुनर्वास करें।

नक्सल ऑपरेशन चलाने वाले अधिकारियों से गृह मंत्री अमित शाह ने मुलाकात की और उनका सम्मान किया गया। इस पर गृह मंत्री शर्मा ने कहा कि अमित शाह ने अपने दिल्ली निवास में बुलाकर उन सबका सम्मान किया है। जिन्होंने बड़े ऑपरेशन किए हैं, जिन्होंने बड़े अभियान किए है, जिन्होंने बड़े परिश्रम से काम किया है। इसमें डीजीपी गौतम, नक्सल ऑपरेशन के हेड विवेकानंद, बस्तर के आईजी सुन्दरराज भी शामिल है। इनके अलावा नारायणपुर के एसपी, बस्तर के एसपी और बीजापुर के एसपी का सम्मान किया गया है।

उन्होंने कहा कि मन में सब के लिए सम्मान है। यह संकेत स्वरूप है। जवानों का तो सबसे पहले सम्मान है, जो जमीन पर काम करते हैं। उनका सबसे पहले सम्मान है। उन्हीं के सम्मान में यह सबकुछ किया गया है।

'झारखंड में अगले 5 सालों में आदिवासी हो जाएंगे विलुप्त'

रघुवर बोले- ट्राइबल कल्चर को मिटाने का किया जा रहा प्रयास

दुमका, 8 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने आरोप लगाया कि आदिवासी संस्कृति को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो अगले पांच साल में राज्य से आदिवासी विलुप्त हो जायेंगे।

दुमका में पत्रकारों से बातचीत में रघुवर दास ने कहा कि जब वो सीएम थे, तो झारखंड देश का पहला राज्य था जिसने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन वर्तमान सरकार के तहत यह संगठन 'फलफूल' रहा है।

उन्होंने दावा किया कि लगभग एक पखवाड़ा पहले, केंद्र ने झारखंड सरकार को बिना देरी के पेसा कानून लागू करने का निर्देश दिया था, ताकि वह अनुसूचित क्षेत्रों के विकास के लिए 1,400 करोड़ रुपये वितरित कर सके। लेकिन राज्य सरकार नहीं चाहती कि कानून लागू हो। पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) को आदिवासियों की सुरक्षा के लिए कवच बताते हुए ओडिशा के पूर्व राज्यपाल ने पूछा कि किसके दबाव में पेसा कानून को यहां अभी तक लागू नहीं किया जा सका?

एक वर्ग झारखंड को ईसाई प्रदेश बनाने के प्रयास में

रघुवर दास ने कहा कि झारखंड का एक वर्ग इस राज्य को ईसाई प्रदेश बनाना चाहता है, वहीं दूसरा ग्रुप इसे इस्लामी प्रदेश बनाने की फिराक में है। उन्होंने सचेत करते हुए कहा कि अगर यही स्थिति रही तो झारखंड की स्थिति भी नागालैंड और मिजोरम जैसी हो जाये तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

ॅउन्होंने कहा कि इसे बचाने के लिए झारखंड में एक और हूल (आन्दोलन) की और उलगुलान की जरूरत है। इस दिशा में उनके द्वारा प्रयास भी शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि बरसात के बाद वे स्वयं जनजातीय समाज को जागरूक करने के लिए पद यात्रा पर निकलेंगे।

छह दिनों के लिए झारखंड पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के.राजू

सामने आया दौरे का पूरा प्लान

रांची, 8 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड के प्रभारी के. राजू छह दिवसीय प्रवास पर शनिवार को रात 8:30 बजे झारखंड पहुंचे।यहां बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन सृजन का कार्यक्रम चल रहा है और इस राज्य में पेसा कानून, सरना धर्मकोड जैसे मुद्दों पर कांग्रेस प्रमुखता के साथ काम कर रही है।

जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि झारखंड प्रभारी के. राजू एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश राज्य के विभिन्न जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों एवं बैठकों में हिस्सा लेंगे।

इसी कड़ी में रविवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ 10 बजे सिमडेगा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां सिमडेगा जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) मुख्यालय में जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, यूएलबी पर्यवेक्षक, ब्लाक अध्यक्ष, ब्लाक पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लेंगे।

दोपहर चार बजे चाईबासा के सर्किट हाउस में कोल्हान क्षेत्र के नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ पेसा नियमों पर परामर्श में भाग लेंगे।

नौ जून को रामगढ़, जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) मुख्यालय में जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, यूएलबी पर्यवेक्षक, ब्लाक अध्यक्ष, ब्लाक पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लेना।

बोकारो की रैली में भाग लेंगे प्रदेश प्रभारी

दोपहर तीन बजे-बोकारो में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली में भाग लेंगे। दस जून को लातेहार, जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) मुख्यालय में जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, यूएलबी पर्यवेक्षक, ब्लाक अध्यक्ष, ब्लाक पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लेंगे, तीन बजे-चतरा में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली में भाग लेंगे।

11 जून को पूर्वा 11 बजे से रांची में पेसा नियमों पर परामर्श में भाग लेंगे, एवं रांची में एससी नेताओं के साथ बैठक में भाग लेंगे।

12 जून को लोहरदगा, जिला कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, यूएलबी पर्यवेक्षक आदि के साथ बैठक में भाग लेंगे एवं दोपहर में तीन बजे जिला कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में जिला अध्यक्ष एवं अन्य लोगों के साथ बैठक में भाग लेंगे।

छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश के आसार

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बारिश नहीं होने की वजह से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसमी सिस्टम कमजोर पड़ गया है। मानसून बस्तर संभाग से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। अब प्रदेश में कहीं बारिश, तो कहीं तेज धूप के साथ उमस और भीषण गर्मी पड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग ने राहत की खबर दी है। अगले तीन दिनों के बाद प्रदेश में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बताया कि आज रविवार को प्रदेश के एक-दो जगह पर हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं एक-दो जगहों पर मेघ गर्जन के साथ तेज हवा 40-50 किमी की रफ्तार से चलने की संभावना है। अगले तीन दिनों के बाद तेज हवा के साथ मेघ गर्जन की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। इस दौरान अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस वृद्धि होने की संभावना है।

मौसमी सिस्टम के कमजोर होने से मानसून आगे बढ़ नहीं पा रहा है। बस्तर से मानसून आगे बढ़ने में कुछ दिनों इंतजार करना पड़ सकता है। कई क्षेत्रों में आज गरज-चमक के साथ तेज हवा और हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। राजधानी रायपुर में मौसम साफ है। सुबह से ही तेज धूप है। यहां अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

प्रदेश में पिछले 24 घंटों में एक-दो जगह पर बारिश हुई है। वहीं शनिवार को प्रदेश में सबसे गर्म रायपुर रहा है। यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री पेण्ड्रा रोड में दर्ज किया गया है।

मरवाही में भालू का आतंक

महिला पर किया हमला; गंभीर रूप से घायल

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 8 जून (एजेंसियां)। मरवाही वन मंडल में आज एक भालू ने घर के सामने खड़ी महिला पर अचानक हमला कर दिया। भालू के हमले से महिला बुरी तरह से घायल हो गई। महिला और आसपास के लोगो के द्वारा शोर मचाने के बाद भालू वहां से भाग निकला। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल महिला खतरे से बाहर बताई जा रही है। मामला मरवाही वन मंडल के बरवासन गांव का है जहां पर गांव की रहने वाली परवतिया बाई अपने घर के बाहर खड़ी थी, तभी अचानक वहां भालू आ धमका। इससे पहले की महिला कुछ समझ पाती। भालू ने महिला पर हमला कर दिया। भालू के अचानक हुए हमले से महिला हड़बड़ा गई और चीखने लगी। भालू के हमले से महिला घायल हो गई। महिला और आसपास के लोगों के द्वारा शोर मचाने के बाद भालू वहां से भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस एवं वन विभाग को घटना की सूचना दी और महिला को आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर आया गया। फिलहाल महिला का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

नशे में धुत कार चालक ने चार लोगों को रौंदा, एक युवक की मौके पर मौत

तीन की हालत गंभीर

बिलासपुर, 8 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर में नशे में धुत कार चालक ने चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई है और तीन लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी कार चालक को तोरवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कार से बीयर और शराब की बोतल बरामद कर कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है। दरअसल, तोरवा थाना क्षेत्र के ढेका लालखदान के पास एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर चल रहे लोगों को अपनी चपेट मे ले लिया। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकी अन्य घायल हो गए।

तेज रफ्तार बाइक जेसीबी से टकराई

गंभीर रूप से घायल युवक की बिलासपुर ले जाने के दौरान मौत

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 8 जून (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में फिर एक बार रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जिसने तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े जेसीबी से टकरा गई। हादसे के बाद घायल युवक को आसपास के लोग 108 की मदद से जिला अस्पताल लाए जहा पर प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर ले जाने के दौरान युवक की मौत हो गई। फिलहाल गौरेला पुलिस मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सारबहरा गांव के रहने वाले शिवम धवारिया जब गौरेला से अपने घर सारबहरा सरकारी टोला जा रहे थे तभी सड़क किनारे खड़े एक जेसीबी से उसकी बाइक टकरा गई जिसके बाद आसपास के राहगीरों की शिवम पर नजर पड़ी तो वे शिवम को 112 की मदद से जिला अस्पताल लेकर पहुचे जहा अस्पताल में मौजूद डॉक्टरो के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद शिवम को आगे बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया पर बिलासपुर जाने के दौरान रास्ते में शिवम ने दम तोड़ दिया शिवम को सिर और पैर में गंभीर चोट आई थी।

जिसके बाद परिजन मृतक के शव को वापस जिला अस्पताल ले आए है वही अस्पताल से मिले मेमू के आधार पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू

पांच साल की बच्ची से आम का लालच देकर दुष्कर्म

लोगों ने आरोपी को जमकर पीटा फिर किया पुलिस के हवाले

रांची, 8 जून (एजेंसियां)। झारखंड के रांची जिले में एक शादी के रिसेप्शन में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर पांच वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। घटना शुक्रवार शाम को राज्य की राजधानी रांची से लगभग 50 किलोमीटर दूर चान्हो के एक गांव में शादी के रिसेप्शन के दौरान हुई। वारदात की जानकारी लगने बाद नाराज स्थानीय लोगों ने आरोपी की खूब पिटाई की। इसके बाद 25 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अपराध को अंजाम देने के समय वह नशे की हालत में था। चान्हो पुलिस थाने के प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता ने बताया कि पीड़िता की कल रात मेडिकल जांच कराई गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। चंदन कुमार गुप्ता ने पीड़िता के परिवार के बयान का हवाला देते हुए कहा, 'पीड़िता और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं। शुक्रवार को आरोपी गांव में एक शादी समारोह में गया था। उसने लड़की को आम का लालच दिया और उसे पास के एक बगीचे में ले गया। आरोपी ने वहां नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया।' घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी की पिटाई की, जिसे बाद में पुलिस ने बचा लिया।

भूपेंद्र क्लब में चला प्रशासन का बुलडोजर

तोड़ी गईं 23 दुकानें, एक दुकान को मिला स्टे

मनेन्द्रगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। मनेन्द्रगढ़ में नगर में लंबे समय से चर्चा का विषय बना भूपेंद्र क्लब का अतिक्रमण आज प्रशासनिक कार्रवाई के दायरे में आ गया है। रविवार सुबह होते ही नगर प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ क्लब परिसर पहुंची। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। जिसमें 23 दुकाने तोड़ी गई। वही 1 दुकान को स्टे मिलने के कारण नही तोड़ी गई। भूपेंद्र क्लब के आसपास के हिस्सों में कई वर्षों से अवैध कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए नगर प्रशासन ने पूर्व में ही नोटिस जारी कर दिया था और अब उसी पर अमल करते हुए आज अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की गई। हालांकि कुछ दुकानदारों ने खुद से अतिक्रमण हटाया है।

कड़ी निगरानी में हो रही कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है। मौके पर तहसीलदार, नगर पालिका के अधिकारी, पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी, तथा अतिक्रमण हटाओ दल उपस्थित हैं। सभी कार्यवाही वीडियोग्राफी के साथ संपन्न की जा रही है ताकि किसी भी पक्ष को कानूनी आपत्ति का मौका न मिले।

स्थानीय लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया

जहां एक ओर स्थानीय नागरिक प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ प्रभावित दुकानदारों और कब्जाधारियों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था देने के बाद ही कार्रवाई होनी चाहिए थी। प्रशासन का कहना है कि उन्हें पहले ही नोटिस और पर्याप्त समय दिया गया था।

प्रशासन का स्पष्ट संदेश

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल भूपेंद्र क्लब तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नगर क्षेत्र के अन्य अवैध कब्जों पर भी सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर की सुंदरता, सार्वजनिक स्थानों की उपलब्धता और आम नागरिकों की सुविधा के लिए यह आवश्यक कदम है।

जन्मदिन की खुशी मातम में बदली

जमशेदपुर के बड़ौदा घाट में डूबे तीन दोस्त में 2 की मौत, एक की हालत गंभीर

जमशेदपुर, 8 जून (एजेंसियां)। जन्मदिन मनाने गए तीन दोस्तों की मस्ती उस समय मातम में बदल गई जब बड़ौदा घाट पर नहाने के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। यह दर्दनाक हादसा शनिवार की शाम को बागबेड़ा थाना क्षेत्र में हुआ। मृतक जमशेदपुर के आरवीएस इंजीनियरिंग कालेज के छात्र हैं।

बागबेड़ा निवासी पार्थ कुमार का जन्मदिन मनाने के लिए उसके दो दोस्त शुभम कुमार और शशांक घाट पर एकत्र हुए थे। तीनों ने पहले नदी किनारे के पास के इलाके में पार्टी मनाई, फिर नहाने के लिए बड़ौदा घाट में उतर गए। नहाने के दौरान अचानक तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

घटना के समय आसपास मौजूद एक स्थानीय युवक ने हालात को भांपते हुए तत्काल एक्शन लिया और किसी तरह पार्थ कुमार को बाहर निकालने में कामयाब रहा। हालांकि, शुभम और शशांक की जान नहीं बचाई जा सकी।

हादसे की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य कविता परमार घटनास्थल पर पहुंचीं और पुलिस और प्रशासन को तत्काल जानकारी दी। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, जो शनिवार रात भर चला और रविवार सुबह दोनों युवकों के शव बरामद किए गए। बागबेड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह हादसा दुर्घटना प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है।

घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं और हर आंख नम है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से नाराजगी जताते हुए मांग की है कि बड़ौदा घाट जैसे खतरनाक स्थलों पर तुरंत चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, नहाने पर रोक लगाई जाए और सुरक्षा के लिए लाइफ गार्ड तैनात किए जाएं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़ौदा घाट पर पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हर साल गर्मी में ऐसी घटनाएं होती हैं, जिन्हें समय रहते रोका जा सकता है अगर सावधानी और सुरक्षा व्यवस्था हो।

ऑनलाइन सट्टा से कर्ज में डूबे युवक ने लगाई फांसी

गिद्दी (रामगढ़), 8 जून (एजेंसियां)। गिद्दी सी नए पानी टंकी निवासी मनोज महतो के 22 वर्षीय पुत्र रोहित महतो ने शनिवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रोहित में अपने माइंस क्वार्टर में लगे लोहे के एंगल में मां की साड़ी का इस्तेमाल कर फांसी लगा ली।

रोहित के फांसी लगाने की जानकारी रविवार की सुबह में उसके बड़े भाई रोबिन महतो द्वारा उसे उठाने जाने के बाद हुई ॉ रोबिन ने अपने छोटे भाई को फांसी लगा लटका देख परिजनों के सहयोग से उसे जमीन पर उतारा।

परंतु तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिजनों ने डाड़ी मुखिया लखन लाल महतो व आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। बाद में लखन लाल महतो ने गिद्दी थाना पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी होने के बाद गिद्दी थाना के अनि कुमार अश्विन व सअनि मोहन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया।

शादी के नाम पर धोखा

पति की नकदी लेकर भागी महिला ने की थी चौथी शादी, पुलिस की पकड़ में आई

कुल्लू, 8 जून (एजेंसियां)। बंजार घाटी का एक युवक शादी और विश्वास के नाम पर ठगी का शिकार हो गया। चौथी शादी कर दुल्हन बनकर आई महिला ने विवाह करने के चंद महीने बाद पति को बड़ा बिजनेसमैन बनाने के सपने दिखाकर 18 बिस्वा पुश्तैनी जमीन बेचकर करीब ढाई लाख रुपये अपने अकाउंट में डलवाकर हड़प लिए। महिला 20 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के गहने लेकर भाग गई। पतलीकूहल पुलिस ने आरोपी दुल्हन को पकड़ लिया है। उसे थाने में लाया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बंजार क्षेत्र के बलौन गांव निवासी ज्ञान चंद ने बताया कि 2024 में बालीचौकी क्षेत्र की एक महिला से शादी कर ली। शादी महिला के भाई की सिफारिश पर हुई थी। कुछ समय बाद पत्नी ने 18 बिस्वा जमीन बिकवाने के लिए उकसाया। जमीन बिक गई तो 2.50 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। पंचायत में नाम दर्ज करवाने की बात पर वह हर बार टालमटोल करती रही। ज्ञान चंद ने आरोप लगाया कि अप्रैल 2025 में वह अचानक घर से 20 हजार रुपये नकद और कीमती आभूषण लेकर गायब हो गई। बाद में पता चला कि उससे पहले भी महिला की तीन शादियां हो चुकी हैं। अब यह उसकी चौथी शादी थी। ज्ञान चंद ने आरोप लगाया कि इस पूरी साजिश में महिला का भाई, माता और पिता भी शामिल हैं। डीएसपी केडी शर्मा ने बताया कि पतलीकूहल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भागी दुल्हन को पकड़ लिया है।

लॉस एंजिलिस में ऐसा क्या हो गया कि ट्रंप को उतारनी पड़ी सेना

पैरामाउंट, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के लॉस एंजिलविस राज्य में प्रदर्शनकारियों ने भारी उथल-पुथल मचा रखी है। हालात लगातार बेकाबू होते जा रहे हैं। यह खबर जब ह्वाइट हाउस को पहुंची तो राष्ट्रपति ट्रंप के भी होश उड़ गए। अमेरिका की पुलिस भी इस भयानक विरोध प्रदर्शन को रोकने में लचर दिख रही थी। लिहाजा ट्रंप को लॉस एंजिलिस की सड़कों पर सेना उतारनी पड़ गई। यह विरोध प्रदर्शन ट्रंप की इमिग्रेशन पॉलिसी को लेकर है, जिसके तहत अमेरिकी अधिकारियों ने 44 लोगों की गिरफ्तारी की थी।

लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। वह जमकर हंगामा कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को काबू में करने के लिए 'कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड' के 2,000 जवानों को तैनात करने का आदेश दिया है। बता दें कि यह निर्णय संघीय आव्रजन अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाइयों के बाद लिया गया है, जिनमें लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। इससे लोगों में गुस्सा और भड़क उठा है। सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आव्रजन कानूनों के उल्लंघन की आड़ में की गई यह गिरफ्तारियां अवैध हैं। भारी संख्या में लोग संघीय हिरासत केंद्र के बाहर प्रदर्शन करने जुट गए हैं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए अधिकारियों ने आंसू गैस के गोले दागे, जिससे झड़प और तनाव बढ़ गया। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह तैनाती कैलिफोर्निया में बढ़ती अराजकता से निपटने के लिए की जा रही है। हालांकि कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप का यह आदेश जानबूझकर उकसाने वाला है और इससे केवल तनाव और अविश्वास बढ़ेगा।

यह मिशन अनुचित है।" यह प्रोटेस्ट मुख्य रूप से फेडरल डिटेंशन सेंटर (संघीय हिरासत केंद्र) के बाहर हो रहा है। प्रदर्शनकारियों में स्थानीय नागरिक, अप्रवासी अधिकार कार्यकर्ता, छात्र और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। हालांकि प्रदर्शन शांतिपूर्ण हो रहा था। मगर पुलिस की ओर से आंसू गैस का इस्तेमाल किए जाने से हालात बिगड़ने लगे। प्रदर्शनकारियों ने "कोई भी इंसान अवैध नहीं है","आईसीई। को बंद करो" और "आप्रवासियों के लिए न्याय" जैसे नारे लगाए। प्रोटेस्ट के चलते प्रदर्शनकारियों और पुलिस में कई जगह हिंसक झड़पें हुईं। स्थिति पर काबू पाने के लिए स्थानीय पुलिस और फेडरल एजेंटों ने बल प्रयोग किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें भी आईं। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय गार्ड की तैनाती का आदेश दे दिया।

क्या है अमेरिका की न्यू इमिग्रेशन पॉलिसी

राष्ट्रपति ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद न्यू इमिग्रेशन पॉलिसी के तहत एक एक्ट लागू किया है। यह कानून उन अवैध प्रवासियों को हिरासत में लेने की अनिवार्यता प्रदान करता है, जो चोरी करने, पुलिस अधिकारी पर हमला करने या किसी गंभीर अपराध में शामिल हैं। इसमें राज्यों को संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर करने का अधिकार भी दिया गया है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति उम्मीदवार मिगुएल उरीबे के सिर पर मारी गई गोली

बोगोटा, 8 जून (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार मिगुएल उरीबे पर एक कार्यक्रम के दौरान जानलेवा हमला हुआ। सार्वजनिक पार्क में रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति उम्मीदवार को गोली मार दी गई। फिलहाल उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उरीबे पर गोली चलाने वाले हमलावर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ की जा रही है। उरीबे राजधानी बोगोटा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो रैली को संबोधित करते समय उरीबे पर एक साथ 3 गोलियां चलाई गईं। 39 वर्षीय उरीबे विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिक कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। बोगोटा मेयर ने बताया कि अगर उरीबे को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भी रेफर करने की नौबत आती है तो स्थानीय प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

कौन हैं मिगुएल उरीबे?

39 साल के उरीबे सेंट्रो डेमोक्रेटिक कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। मिगुएल का जन्म 1986 में कोलंबिया में हुआ था। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत बोगोटा के काउंसिलर के तौर पर की थी। इस दौरान उन्होंने शहरी विकास और सुरक्षा संबंधित मुद्दों पर ज्यादा काम किया। उरीबे के दादा जूलियो सीजर भी कोलंबिया के राष्ट्रपति रह चुके हैं। वे 1978 से 1982 तक कोलंबिया के 25वें राष्ट्रपति रहे। उरीबे की मां प्रसिद्ध पत्रकार डायना टर्बे थीं, जो 1991 में पाब्लो एस्कोबार के मेडेलिन कार्टेल द्वारा अपहरण और रेस्क्यू ऑपरेशन में मारी गई थीं। कोलंबिया ने अगले साल यानी कि 2026 में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। मिगुएल उरीबे टर्बे को संभावित राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार माना जा रहा है। यही कारण है कि वह पूरे देश में चुनावी रैलियां भी कर रहे हैं और अभी से ही चुनावी तैयारियों में लगे हुए हैं। अमेरिकी चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर भी जानलेवा हमला हुआ था। उस दौरान एक 20 साल के हमलावर ने 400 फीट दूर से 8 राउंड फायर किए थे। आरोपी को सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने मौके पर ही ढेर कर दिया था। इसके पहले जापान पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यही कारण है कि उरीबे पर हुए हमले हर तरफ से निंदा हो रही है।

अमेरिका ने की हमले की निंदा

उरीबे सेंट्रो पर हुए हमले पर ट्रंप प्रशासन के सचिव मार्को रुबियो ने निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह हमला लोकतंत्र के लिए सीधा खतरा है। यह हमला कोलंबियाई सरकार के हाई लेवल से आने वाली हिंसक वामपंथी बयानबाजी का परिणाम है।

पाकिस्तान के पड़ोस में दहल गई धरती, इस देश में आया भयंकर भूकंप

काबुल, 8 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में रविवार (8 जून की 2025) को सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किमी अंदर बताया जा रहा है, जो काफी खतरनाक साबित हो सकता था। अफगानिस्तान में 8 जून को आए भूकंप की तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। भले ही इसकी तीव्रता कम हो, लेकिन इसका केंद्र इतना ऊपरी सतह पर था कि इससे इमारतों के लिए बड़ा खतरा था। हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला, जो अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में फैली है। इसे टेक्टोनिक दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय क्षेत्र माना जाता है। यह इलाका भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव का केंद्र है। इन प्लेटों के लगातार आपसी संपर्क और टकराव के चलते यहां भूगर्भीय तनाव पैदा होता है जो अंततः भूकंप के रूप में सामने आता है। रेड क्रॉस की रिपोर्टों के अनुसार, अफगानिस्तान के इन क्षेत्रों में हर साल सैकड़ों भूकंपीय घटनाएं होती हैं।

बलूचिस्तान बन जाएगा खुली जेल

पाकिस्तान के नए कानून पर क्यों भड़के बलूच? संयुक्त राष्ट्र और दुनिया से लगाई रोकने की गुहार

इस्लामाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के हिंसाग्रस्त प्रांत बलूचिस्तान की विधानसभा ने एक नया कानून पास किया है, जिसे लेकर मानवाधिकार समूह और बलूच सिविल सोसाइटी ने खतरनाक बताया है। मानवाधिकार विशेषज्ञों ने कहा है कि नया आतंकवाद विरोधी कानून बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के जुल्म को कई गुना बढ़ा देगा। नया कानून पाकिस्तान की सैन्य और खुफिया एजेंसियों को बिना किसी आरोप के 90 दिनों तक हिरासत में रखने का अधिकार देता है। खास बात ये है कि ऐसा केवल शक के आधार पर किया जा सकता है। बलूच मानवाधिकार संस्था ने बलूचिस्तान विधानसभा से 4 जून को पारित आतंकवाद विरोधी (बलूचिस्तान संशोधन) विधेयक, 2025 के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई है और इसे मानवाधिकारों के लिए खतरा बताया है। एक बयान में बलूच वॉयस फॉर जस्टिस ने विधेयक पारित किए जाने की निंदा करते हुए इसे गंभीर रूप से परेशान करने वाली घटना बताया। समूह ने इसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का साफ उल्लंघन बताया और संयुक्त राष्ट्र समेत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकर निकायों और लोकतांत्रिक सरकारों से हस्तक्षेप की मांग की है।

बलूचिस्तान बन जाएगा खुली जेल

बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी.) ने कानून की निंदा करते हुए इसे नागरिकों की जिंदगी को सेना की कैद में बदलने वाला बताया। इसने कहा, 'यह कानून बलूचिस्तान को एक कानूनी जेल में बदल देता है।' समूह ने अधिनियम में एजेंसियों को दिए गए अधिकारों की तुलना नाजी जर्मनी और आधुनिक शिनजियांग सहित पूरे इतिहास में नजरबंदी प्रणालियों में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीतियों से की। बीवाईसी ने भी संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और वैश्विक नागरिक समाज से हस्तक्षेप करने और इस्लामाबाद पर कानून को निरस्त करने के लिए दबाव डालने का आह्वान कर रहा है।

बलूचिस्तान में गायब हो रहे लोग

बलूचिस्तान में आम लोगों और युवाओं के जबरन गायब होने की घटनाएं लंबे समय से जारी हैं। परिवार दशकों से लापता अपनों के बारे में खबर का इंतजार कर रहे हैं। अधिकार समूहों का कहना है कि राज्य सुरक्षा बल लोगों का अहपरण करते हैं। बाद में इनमें कई के शव बरामद होते हैं, जबकि कुछ पीड़ितों का 15 से 20 साल बाद भी पता नहीं चल पाता। कार्यकर्ताओं के अनुसार, नया कानून इन प्रथाओं को प्रभावी रूप से संहिताबद्ध करता है, जिससे पूरे समुदाय को राज्य की हिंसा के निरंतर भय में रहना पड़ता है।

यूएनएससी में पाकिस्तान को लगा झटका

आतंकवाद से जुड़ी चार समितियों की मांग रहा था अध्यक्षता, मिली केवल एक

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान की चाल कामयाब नहीं हो सकी और उसे एक झटका लगा है। यूएनएससीके अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान की चार आतंकवाद संबंधी समितियों के नेतृत्व की मांग को परिषद के अन्य सदस्यों ने खारिज कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि पाकिस्तान को केवल 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता से ही काम चलाना पड़ा। पाकिस्तान ने 1267 प्रतिबंध समिति; 1540 (अप्रसार) प्रतिबंध समिति; 1988 तालिबान समिति; और 1373 आतंकवाद निरोधक समिति (सीटीसी) की अध्यक्षता की मांग की थी। तालिबान समिति के अलावा, उसे सीटीसी की उपाध्यक्षता की भी अनुमति दी गई है। पाकिस्तान की मांगों के कारण यूएनएससी में आम सहमति नहीं बन पाई, जिससे यूएन समितियों के आवंटन की प्रक्रिया में लगभग पांच महीने की देरी हुई। एक अधिकारी ने कहा, आवंटन जनवरी 2025 तक हो जाना चाहिए था। पाकिस्तान के रवैये से अन्य सदस्य खुश नहीं थे। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान की मांगों ने संयुक्त राष्ट्र समितियों के आवंटन की प्रक्रिया में लगभग पांच महीने की देरी की है, उन्होंने कहा आम सहमति की कमी और पाकिस्तान की अनुचित मांगों ने जून 2025 तक आम सहमति को रोक दिया।अन्य परिषद सदस्य पाकिस्तान की मांगों और उसके रवैये से खुश नहीं थे। एक आधिकारिक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्य देश अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जानबूझकर इन कमेटियों की अध्यक्षता नहीं चाहते थे क्योंकि इन पदों की वास्तविक शक्ति सीमित होती है और निर्णय केवल सर्वसम्मति से ही लिए जा सकते हैं।

यूक्रेन ने मार गिराया रूस का ताकतवर सुखोई एसयू-35

केवल फाइटर जेट को तबाह करने से खुश क्यों हो गए जेलेंस्की?

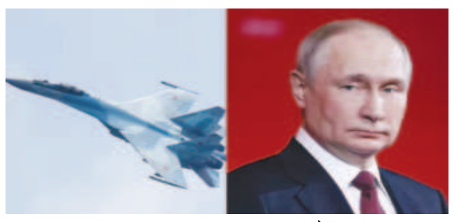

कीव, 8 जून (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में एक बड़ा मोड़ आया है। यूक्रेनी सेना ने दावा किया है कि उसने रूस का सबसे एडवांस लड़ाकू विमान एसयू-35 मार गिराया है। यह घटना रूस के कुर्स्क इलाके में हुई और इसकी जानकारी यूक्रेन की वायुसेना ने टेलीग्राम पर दी। हालांकि इस दावे की अब तक कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रूस की चुप्पी को उसकी मौन स्वीकृति माना जा रहा है। इस हमले को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जो इस विमान को दुनिया के कई देशों को बेचने की तैयारी कर रहे थे। एसयू-35 रूस का सबसे आधुनिक और ताकतवर लड़ाकू विमान है। इसे रूस की सुखोई कंपनी ने बनाया है और यह एसयू-35 फाइटर का ही एडवांस वर्जन है। यह विमान हवा में किसी भी दुश्मन से लड़ने की पूरी क्षमता रखता है और कई तरह के मिशनों में काम आता है।यह एक सिंगल सीटर विमान है। इसमें लगे इंजन इतने ताकतवर हैं कि यह 2500 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है।

इसका रडार 400 किलोमीटर दूर तक दुश्मन को पकड़ सकता है। यह हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, स्मार्ट बम, और एंटी शिप हथियार लेकर उड़ सकता है। इस विमान को तेज मोड़ लेने और अचानक दिशा बदलने में भी महारत हासिल है, जिससे यह डॉगफाइट (हवा में आमने-सामने की लड़ाई) में खतरनाक साबित होता है। एसयू-35 को रूस ने सीरिया और यूक्रेन के युद्ध में तैनात किया है। यह फाइटर जेट रूस की वायुसेना की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। इसे अमेरिका के एफ-15 और यूरोप के यूरोफाइटर टाइफून का मुकाबला करने के लिए तैयार किया गया है।

रूस ने यह विमान भारत को भी खरीदने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही यह भी कहा गया कि अगर भारत चाहे तो एसयू-35 को भारत में ही बनाया जा सकता है, लेकिन अब तक भारत की तरफ से कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है। अगर यूक्रेन का यह दावा सच है, तो यह रूस के लिए बड़ी चिंता की बात है। इससे रूस की सेना की ताकत पर सवाल उठते हैं और साथ ही उसके हथियारों की साख को भी झटका लग सकता है। पुतिन जो इस विमान को दूसरे देशों को बेचने का सपना देख रहे थे उन्हें अब इस पर दोबारा सोचना पड़ सकता है।

इजरायल ने फलस्तीनी मुजाहिदीन कमांडर किया ढेर

9 महीने के मासूम की हत्या का था आरोप; हमास बोला- 'बंधकों को मार देंगे'

यरूशलम, 8 जून (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने गाजा शहर में हमलों में फिलिस्तीनी मुजाहिदीन आंदोलन के कम से कम दो सीनियर मेंबर को मार गिराया है। इजरायली फोर्स ने कहा कि दोनों में एक कमांडर भी शामिल है। कमांडर पर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए घातक हमले में शामिल होने का आरोप है। आईडीएफ और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि मुजाहिदीन ब्रिगेड के प्रमुख असद अबू शरैया एक ज्वाइंट ऑपरेशन में मारा गया। मुजाहिदीन ब्रिगेड फिलिस्तीनी मुजाहिदीन आंदोलन की हथियारबंद शाखा है। इजरायल ने अबू शरैया पर 2023 में हमास के नेतृत्व वाले हमले में अहम भूमिका निभाने और इजरायली बंधकों के अगवा, हिरासत और हत्या में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया। आईडीएफ के अनुसार अबू शरैया ने इजरायल के सबसे कम उम्र के बंधक कफिर बिबास के परिवार और उसकी हत्या की थी। कफिर की उम्र 9 महीने थी। एक अलग हमले में, महमूद मुहम्मद हामिद कुहैल नामक एक अन्य आतंकवादी भी मारा गया। माना जाता है कि वह भी इजरायल में अक्टूबर 2023 में हुए हमले में शामिल था। रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी आतंकवादी समूहों की ओर से मौतों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। वहीं आईडीएफ और इजरायल सुरक्षा एजेंसी (आईएसए) ने जानकारी दी की कि उन्हें 36 साल के थाई नागरिक नट्टापोंग पिंटा का शव मिला है। नट्टापोंग पिंटा को 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान मुजाहिदीन ब्रिगेड ने अगवा कर लिया था। दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर में एक ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान पिंटा का शव बरामद किया गया था। इस बीच, हमास की सशस्त्र शाखा अल-कासिम ब्रिगेड ने दावा किया कि इजरायली सेना गाजा में एक जगह की घेराबंदी कर रही है।

लुधियाना में चोकोबार से निकली मरी हुई छिपकली

सात साल का बच्चा अस्पताल में भर्ती

लुधियाना, 8 जून (एजेंसियां)। गर्मी के मौसम में आइसक्रीम-कुलफी खाना सभी को अच्छा लगता है। ज्यादातर बच्चे आइसक्रीम की जिद्द करते हैं। इन दिनों बाजार, गली-मोहल्ले में आइसक्रीम बेचने वाले खूब घूमते रहते हैं। पंजाब के लुधियाना में गली में आइसक्रीम बेचने आए रेहड़ी वाले की आइसक्रीम में मरी हुई छिपकली निकलने से हड़कंप मच गया। गली में रहड़ी वाले से आइसक्रीम खरीदने के बाद उसमें छिपकली निकल आई। लुधियाना में जिला स्वास्थ्य विभाग की कोशिशों के बावजूद गली-मोहल्लों में घटिया दर्जे के खाद्य पदार्थों की बिक्री जारी है। नतीजतन गली में रेहड़ी से खरीदी आइसक्रीम से छिपकली निकल आई, जिससे विभाग में भी हड़कंप मचा हुआ है। घटना लुधियाना के ग्यासपुरा इलाके की है। ग्यासपुर के सुंदर नगर में 7 वर्षीय बच्चे ने रेहड़ी वाले से 20 रुपये में आइसक्रीम खरीदी थी। बच्चे ने 20 रुपये की दो चोको बार कुलफी खरीदी थी। जब बच्चे ने आइसक्रीम को कटोरी में रखकर खाना शुरू किया तो उसे आइसक्रीम में छिपकली नजर आई। उसने तुरंत अपनी दादी को छिपकली दिखाई, जिसके बाद इलाके में हंगामा हो गया। इलाके के लोगों ने ऐहतिहात के तौर पर बच्चे को तुरंत निजी अस्पताल में पहुंचाया और आइसक्रीम बेच रहे व्यक्ति को मौके पर ही धर लिया। स्थानीय निवासी नरिंदर कुमार ने बताया कि मिल्क बेल नाम की रेहड़ी पर व्यक्ति आइसक्रीम बेच रहा था, जिससे बच्चे ने आइसक्रीम खरीदी थी। वहीं बच्चे की दादी ने बताया कि उनके पौते ने जैसे ही घर जाकर आइसक्रीम खानी शुरू की तो बीच में से मरी हुई छिपकली निकली और इसका कुछ हिस्सा बच्चे के मुंह में भी चला गया। स्थानीय लोगों ने आइसक्रीम विक्रेता को रेहड़ी सहित पुलिस के हवाले करके स्वास्थ्य विभाग को सूचित कर दिया है।

ग्रीनलैंड: 9 दिनों तक हर 92 सेकंड में आ रहे थे भूकंप के झटके आखिर क्या थी वजह? वैज्ञानिकों ने रहस्य से उठाया पर्दा

डिक्सन फजॉर्ड , 8 जून (एजेंसियां)। ग्रीनलैंड में 9 दिनों तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। जो करीब हर 92 सेकंड में भूकंप के झटके आ रहे थे। ये घटना सितंबर 2023 में हुई थी। ग्रीनलैंड उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच आर्कटिक और अटलांटिक महासागरों में स्थित एक विशाल द्वीप है। वैज्ञानिकों ने सितंबर 2023 में घटित होने वाली इस असामान्य घटना का पता लगा लिया है। इस विशाल द्वीप में पूरे 9 दिन तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस घटना ने पूरे विश्व को चिंता में ला दिया था। हालांकि, पहले तो वैज्ञानिक हैरान रह गए, लेकिन बाद में पता चला कि इसका स्रोत पूर्वी ग्रीनलैंड के सुदूर डिक्सन फजॉर्ड में है, जो एक संकरी खाड़ी है। ये 3,000 फीट ऊंची चट्टानों से घिरा हुआ क्षेत्र है।

नासा की सैटेलाइट इमेज से खुला रहस्य से पर्दा

नासा को नए सैटेलाइट इमेज में अब एक ताजा निशान दिखा है, जहां पहाड़ का एक हिस्सा गायब हो गया था। जो यह दर्शाता है कि कोई विशालकाय चीज पानी से टकराई थी, जिससे फिओर्ड गतिमान हो गया था। यह घटना पारंपरिक भूकंप नहीं थी, बल्कि एक विशाल भूस्खलन और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मेगा-सुनामी के कारण हुई थी।

भारी पहाड़ में पानी में आकर गिरा

16 सितंबर, 2023 को इस क्षेत्र में करीब 25 मिलियन क्यूबिक गज से अधिक चट्टान और बर्फ जो 10,000 विशाल ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल भरने के लिए पर्याप्त थी। डिक्सन फजॉर्ड में ये भारी पहाड़ टूटकर गिर गया था।

650 फीट की ऊँचाई तक पहुंच उठीं लहरें

इस कारण एक बड़ी सुनामी शुरू हो गई। इसकी लहरें 650 फीट की ऊँचाई तक पहुंच गईं थी। ये लहरें फजॉर्ड के दो मील के गलियारे में उछलीं, चट्टानों से टकराईं और वापस उछलीं। इससे एक पानी में छलकाव पैदा हुआ। ये दोलनशील गति में बार-बार आगे-पीछे होता रहा था। इससे पृथ्वी की सतह यानी ग्रीनलैंड के विशाल द्वीप पर कई दिनों तक एक स्थिर लय में कम आवृत्ति की भूकंपीय ऊर्जा उत्पन्न होती रही।

इस तकनीक का किया गया इस्तेमाल

इस पहेली को सुलझाने का श्रेय सतही जल और महासागर स्थलाकृति (स्वोट) को जाता है, जो नासा और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा 2022 में शुरू किया गया एक संयुक्त मिशन है। इस डेटा का उपयोग करते हुए, वैज्ञानिकों ने पानी की ऊँचाई में सूक्ष्म परिवर्तन देखे, जिसमें दो मीटर तक की ढलान थी। यह फजॉर्ड के पार जा रही थी। ये लहरें सीश से अपेक्षित दोलन से मेल खाती थीं। वैज्ञानिकों ने गैप को भरने के लिए समय के साथ वेव व्यवहार का मापने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग किया गया।

सामान्य भूकंप कुछ मिनट के होते हैं

यह पहली बार था जब पानी की गति से उत्पन्न सिस्मिक तरंगें इतने लंबे समय तक और वैश्विक स्तर पर दर्ज की गईं। सामान्य भूकंप कुछ मिनट या घंटों तक चलते हैं, लेकिन यह नौ दिनों तक होता रहा। अब इस रहस्य से वैज्ञानिकों ने पर्दा उठा दिया है।

जानिए कहां है ग्रीनलैंड और कितनी है आबादी?

ग्रीनलैंड एक विशाल बर्फ से ढका आर्कटिक द्वीप है, जो डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। यह आर्कटिक महासागर और उत्तरी अटलांटिक महासागर के बीच फैला है। तटीय क्षेत्रों में चट्टानी पहाड़, गहरे फजोड्र्स, और ग्लेशियर हैं। ग्रीनलैंड की आबादी 55,745 से 56,884 के बीच अनुमानित है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप भी कहा जाता है।

युवा व बच्चों को 'बीमार' बना रहा सोशल मीडिया

वर्तमान में अधिकतर युवा और बच्चे हमेशा मोबाइल डॅस्कटॉप या लैपटॉप आदि पर व्यस्त दिखते हैं। इससे उनमें शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं।

हाल ही में एक राष्ट्रीय सर्वे में पता चला है कि लगभग 60 प्रतिशत बच्चे हमेशा सोशल मीडिया से चिपके रहते हैं। इस आयु में उन्हें खेलने-कूदने, मैदानों पर दिखने के साथ सामुदायिक जीवन बिताना चाहिए। इससे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक हर तरह का विकास होता है लेकिन इन सबसे दूर, एकांत में केवल सोशल मीडिया पर व्यस्त रहने से बच्चे डिप्रैशन व अन्य प्रकार की समस्याओं का शिकार बनते जा रहे हैं। मनोचिकित्सकों व अन्य ने भी इसे बड़ी समस्या बताया है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि सारे विश्व की समस्या है।

खैर, केंद्र सरकार द्वारा शीघ्र ही 'डिजिटल प्राइवेट डाटा प्रोटैक्शन लॉ' लाए जाने की उम्मीद है। इसके आने से बच्चों की ऑनलाइन मनमानी पर कुछ लगाम संभव होगी। इस कानून से 18 साल से कम आयु के बच्चों को इंटरनैट पर कुछएप्लीकेशन्स (एप्स) का इस्तेमाल करने के लिए माता-पिता (अभिभावकों) की अनुमति अनिवार्य होगी। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इन दिनों सोशल मीडिया का जबरदस्त बोलबाला है क्योंकि डैस्कटॉप, लैपटॉप आदि अनेक प्रकार के गैजेट्स से लेकर मोबाइल तक लगभग हर हाथ में उपलब्ध है। घर-घर में इंटरनेट की सुविधा है।

साथ ही अनेक प्रकार के गेम्स, फिल्में, सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म और एप्स बड़ी सहजता से उपलब्ध हैं। केवल एक क्लिक मात्र से मनचाही चीजें हासिल हो रही हैं। केवल इन गैजेट्स पर घंटों आंखें टिकाए रखना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रतिकूल है। इस कारण घर-परिवार और समाज से भी प्रत्यक्ष होने वाला संवाद कम होता जा रहा है। बच्चे सामाजिक व्यवहार से दूर होते जा रहे हैं। हालांकि सोशल मीडिया कनैक्टिविटी में ढेर सारी अच्छाइयां भी हैं, लेकिन जो दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं, वे चिंताजनक हैं।

रिश्ते बनते हैं, वे सोशल मीडिया वाले बच्चों की समझ से बाहर की बात होते जा रहे हैं। मानवीय जीवन में परस्पर भावुकता, स्नेह और संवेदनाओं को प्रत्यक्ष महसूस किया जाता है, सोशल मीडिया पर परीक्ष रूप से ऐसा होने में बहुत फर्क है। सामाजिक मान- मर्यादा और अनुशासन के साथ ही अनेक प्रकार के संस्कारों के गुण सामाजिक व्यवहार से हम सीखते हैं। सोशल मीडिया संपर्क, जानकारियों और ज्ञानवर्धन का बड़ा माध्यम अवश्य है लेकिन वह केवल साधन है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें पारिवारिक, सामाजिक और सामुदायिक परिवेश में बनाए रखना ज्यादा जरूरी है। इसीलिए बच्चों की आदतों पर लगाम लगाने के लिए कानून बनने जा रहा है। देश को सुसंस्कारी पीढ़ी देने के लिए कुछ अनुशासन और मर्यादाएं आवश्यक हैं। घर-परिवार भी बच्चों को आधुनिक अवश्य बनाएं, पर उनमें संस्कारों, परंपराओं, लोक मान-मर्यादा और सामाजिकता के गुणों के सामाजिक परिवेश के व्यावहारिक जीवन और विकास पर विशेष ध्यान दें। इसी से भविष्य में बेहतर संवाद से व्यक्ति व्यक्ति के बीच परस्पर जो बेहतर पीढ़ी बनेगी।

बारहवीं के बाद करें कंप्यूटर साइंस के ये कोर्स, बनेगा बेहतरीन करियर

कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई करने वालों को अच्छी सैलरी वाली नैकरी पाने का स्कॉप अच्छा है. 12वीं के बाद कंप्यूटर साइंस से जुड़ी पढ़ाई करने के लिए डिप्लोमा भी कर सकते हैं और डिग्री भी ले सकते हैं.

डिप्लोमा के जरिए भी इंटरडिस्प्लीनरी फील्ड्स में बेसिक को समझा जा सकता है. हांलकि इस डोमिन की गहराई से नॉलेज के लिए अंडरग्रेजुएट डिग्री ले सकते हैं. अंडरग्रेजुएट डिग्री में BSc/ BTech/ BE प्रोग्राम्स शामिल हैं. जबकि डिप्लोमा के लिए अलग ऑप्शन हैं. यहां जानिए डिप्लोमा और डिग्री के नाम और उसके ड्यूरेशन.

कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा

1 -कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा (3 साल)

2 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (3 साल)

3 -कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा (2-3 साल)

4 -सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (3 साल)

5 -कंप्यूटर हार्डवेयर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा (3 साल)

6 -कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (3 साल)

7 -हार्डवेयर और नेटवर्किंग में डिप्लोमा (3 साल)

डिप्लोमा प्रोग्राम के जरिए कैंडिडेट्स बेसिक कॉन्सेप्ट्स और कंप्यूटर साइंस के तहत आने वाले वास्ट डोमेन के टॉपिक्स को कवर करते हैं. छात्रों को ऑपरेटिंग सिस्टम, नेटवर्किंग के साथ-साथ बुनियादी प्रोग्रामिंग और कंप्यूटिंग के बारे में बुनियादी जानकारी मिलती है. 12वीं कंप्यूटर साइंस के बाद डिप्लोमा का विकल्प चुनने से कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के अच्छे ज्ञान के साथ-साथ इस क्षेत्र में एंट्री लेवल जॉब्स पाने लायक काबिलियत आ जाती है.

कंप्यूटर साइंस में डिग्री

1 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

2-कंप्यूटर साइंस में बीटेक या बीई (4 साल)

3 -कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

4 -कंप्यूटर एंड कम्यूनिकेशन साइंस और इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

5-सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में बीटेक या बीई (4 साल)

6 -बीएससी कंप्यूटर साइंस (3 साल)

7 – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी में बीएससी (3 साल)

8 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीएससी (3 साल)

9 -बीसीए (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन) 3 साल

10 -कंप्यूटर इंजीनियरिंग में इंटीग्रेटेड (बीई/बीटेक + एमई/एमटेक) (5 साल)

अंडरग्रेजुएट कोर्सेज के जिए कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन, ऑपरेटिंग सिस्टम, नेटवर्किंग की जानकारी गहराई से मिलती है.

एमसीए करने के बाद कहां मिलती है नौकरी, क्या हैं करियर ऑप्शन्स?

एमसीए यानि मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन. यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स है जो विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रोग्राम, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर आर्टिटेक्चर और ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे विषयों में ट्रेन करता है. एमसीए कोर्स को पूरा करने में दो साल का वक्त लगता है. देश के ज्यादातर संस्थानों में मेरिट और एंट्रेंस एग्जाम के बेसिस पर दाखिला मिलता है. अगर आपने भी एमसीए कोर्स पूरा कर लिया है और करियर ऑप्शन की जानकारी लेना चाहते हैं तो आर्टिकल आपके लिए है. आइए जानते हैं एमसीए का करियर स्कोप क्या है, जॉब प्रोफाइल क्या होती है और सैलरी कितनी मिलती है.

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन प्रोफेशनल का स्कोप क्या है?

देश-दुनिया में आईटी इंडस्ट्री तेजी से ग्रो कर रही है. जिसकी वजह से एमसीए प्रोफेशनल के लिए कई करियर के अवसर बन रहे हैं. कई आईटी कंपनियों में टॉप लेवल पर एमसीए प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है. एमसीए प्रोफेशनल को स्टार्ट-अप में अच्छे अवसर मिलते हैं. एमसीए प्रोफेशनल को भारत में एक हैंडसम सैलरी मिलती है.

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन प्रोफेशनल किन जॉब प्रोफाइल पर काम करते हैं?

टेक्नीकल राइटरः हार्डवेयर इंजीनियरः सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटरः मोबाइल एप डेवलपरः नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटरः सिस्टम एनालिस्टः वेब डेपलपरः

सॉफ्टवेयर डेवलपरः सालाना औसत सैलरी 3 से 7 लाख रुपये.

बिहार स्टाफ नर्स के लिए आवेदन तिथि बढ़ी बिना नर्सिंग रजिस्ट्रेशन भी कर सकेंगे अप्लाई

बिहार तकनीकी सेवा आयोग (BTSC) ने स्टाफ नर्स के 11,389 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन संख्या 23/2025 के तहत आवेदन प्रक्रिया में अहम बदलाव किए हैं। आयोग ने जारी अधिसूचना में बताया कि कुछ संशोधन करते हुए आवेदन की अंतिम तिथि अब 13 जून 2025 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय न्यायालय के आदेश और स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त निर्देशों के आधार पर लिया गया है।

13 जून 2025 तक करें आवेदन

पहले स्टाफ नर्स के पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 मई 2025 निर्धारित की गई थी। लेकिन अब आयोग ने उम्मीदवारों को और समय देते हुए आवेदन की तिथि को बढ़ा दिया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवार 07 जून 2025 से 13 जून 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस दौरान अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं।

संशोधित पात्रता शर्तें

आयोग द्वारा संशोधित विज्ञप्ति के अनुसार अब अभ्यर्थी बिना भारतीय नर्सिंग काउंसिल की उपयुक्तता और बिहार नर्सिंग काउंसिल से निबंधन प्रमाण-पत्र के भी आवेदन कर सकते हैं। पहले जहां न्यूनतम आयु की गणना की तिथि 01.08.2024 तय थी, अब इसे बदलकर 01.08.2025 कर दिया गया है।

वेतनमान

इस पद के लिए चयनित उम्मीदवारों को अपुनरीक्षित वेतनमान 9300-34800 रुपये और ग्रेड पे 4600 रुपये दिया जाएगा। वहीं, सातवें वेतन आयोग के तहत यह वेतन वेतन स्तर-7 में शामिल है।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट btsc.bihar.gov.in या संबंधित पोर्टल पर जाएं।

होमपेज पर ₹स्टाफ नर्स भर्ती 2025₹ लिंक खोजें और उस पर क्लिक करें।

नया पंजीकरण करें और आवश्यक व्यक्तिगत व शैक्षिक जानकारी भरें। आवेदन फॉर्म का प्रिंट आउट ले लें और भविष्य के उपयोग के लिए अपने पास रख लें।

माता-पिता ऐसे समझें अपने बच्चों के 'मन की बात'

अभिभावकों से दूर रहकर बच्चे गलत फैसले कर सकते हैं, जिससे उनकी जिन्दगी पटरी से उतरकर, भूल के जंगल में खो सकती है इसलिए जरूरी है कि माता- पिता उनके अड़ियलपन को नजरअंदाज न करें, उन्हें समझें, उन्हें अकेला न छोड़ें मनोविज्ञान की दृष्टि से इस सामाजिक आपातकाल को देखें- समझें। अभिभावक मनोविज्ञान के सुझाए गए सरल सिद्धान्तों पर अमल करके बच्चों के साथ बहुत मधुर और भावनात्मक सम्बन्ध विकसित कर सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर मनोविज्ञान के उन सिद्धान्तों पर, जिनकी नींव पर मजबूत रिश्ते कायम हो सकते हैं।

बच्चों के करीब रहें

बच्चों की विकासशील अवस्था में कदम-कदम पर उन्हें आपकी जरूरत होती है। आपके द्वारा उपलब्ध कराए गए साधन आपकी कमी पूरी नहीं कर पाएंगे। उनके लिए आपका मौजूद होना, उनकी बात सुनने के लिए तत्पर रहना, उनकी बात के जरिए उन्हें समझना, उनके लिए अनमोल है।

भाषण नहीं, संवाद करें तुम यह क्यों कर रहे हो, तुम्हें यह नहीं करना चाहिए, पागल है क्या करने से पहले कुछ सोचता नहीं, तुम्हें ऐसा करना चाहिए आदि जैसे निर्देशों से बच्चे जल्दी उकता जाते हैं। बढ़ते बच्चों के साथ विशेष रूप से, किशोरावस्था में आ चुके बच्चों के साथ ऐसा संवाद स्थापित करना उन्हें स्वयं से दूर करने का सबसे बड़ा कारण है। बढ़ते बच्चों के साथ ऐसा संवाद स्थापित करना चाहिए, जिसमें आप उन्हें अपने समानान्तर रखकर उनके मत का भी सम्मान कर पाएं। ऐसा करने से बच्चे अपनी बात आपके सामने खुलकर रख पाएंगे। उनके साथ आप स्वयं को और अपनी सोच को भी विकसित होने का मौका देंगे। उनके जीवन में रुचि लें बच्चों के जीवन में क्या हो रहा है, उनके मोबाइल गेम, उनके कार्टून, उनके सोशल मीडिया एप्स, उनके रियल और वर्चुअल दोस्त, उनकी पसंदीदा वैब सीरीज, पसंदीदा खेल और खिलाड़ी, इनकी जानकारी रखना, इनके बारे में जानने की उत्सुकता दिखाना, उनकी दुनिया में जाकर उनके साथ समय बिताना, परिचित होना ये सब ऐसे कदम हैं, जो निश्चित रूप से उन्हें आपके करीब लाने का काम करेंगे।

संवेदना

बच्चों के मन को पढ़ पाना, उसे समझ पाना, बिना प्रतिक्रिया दिए, उनके मन की बात को पूरी संवेदना के साथ सुन पाना अभिभावक के लिए बच्चों के मन में सदा के लिए घर बनाने के बराबर है। अगर आपसे उन्हें संवेदना नहीं मिली तो वे किसी और से भी इसकी उम्मीद नहीं कर पाएंगे।

अगर मां-बाप के साथ ही उनके मन में असुरक्षा की भावना रही तो आगे आने वाले सारे सम्बन्धों में असुरक्षित ही महसूस करेंगे और किसी पर भी जल्दी से बिना जांचे-परखे विश्वास कर लेंगे या फिर किसी पर भी विश्वास नहीं कर पाएंगे। ऐसे में वे जीवन से और लोगों से असन्तुष्ट और नाखुश बने रहेंगे।

केले के 'तने' का फाइबर भी है फायदेमंद बन सकती हैं कई तरह की चीजें

यूपी एवं बिहार में कुछएक 7 से 18 लाख लोग केले की खेती, कटाई, हैंडलिंग और केले के परिवहन पर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। लगभग 70-80 मीट्रिक टन प्रति हैक्टेयर केले के घौद (बंच) की कटाई के बाद केले के तने, जिसे 'स्यूडोस्टैम' अथवा 'आभासी तना' कहा जाता है, को खेत के बाहर फेंक दिया जाता है, जो बाद में बर्बाद हो जाता है और अंततः जला दिया जाता है, जिससे वातावरण को भारी नुक्सान पहुंचता है।

केला उत्पादक किसानों के सामने आभासी तना का उचित निस्तारण एक बहुत बड़ी समस्या है और बिना कोई अतिरिक्त आय प्राप्त किए, इसके निस्तारण पर अच्छा- खासा भारी खर्च करना पड़ता है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 10 से 15 हजार रुपए / हैक्टेयर इन आभासी तनों के निस्तारण पर खर्च करने पड़ते हैं। अनुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार में हर साल मात्र केले के आभासी तने से लगभग, 45,00,000 मीट्रिक टन बायोमास उत्पन्न होता है। केला उत्पाद क किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केले के आभासी तने के इस विशाल बायोमास को मूल्य वर्धित उत्पादों में बदलना है। केले का आभासी तना सोने की खान है। इसको आर्थिक रूप से संसाधित करना और स्थानीय ग्राम स्तरों पर ही फाइबर निकालना ज्यादा उचित होगा। आइए जानते हैं कि केले के आभासी तने से रेशा कैसे निकाला जाएगा एवं उसका आर्थिक विश्लेषण।

केले के आभासी तने से रेशा (फाइबर) निकलना

सामान्यतः केले के आभासी तने से रेशा से लेकर डेढ़ लाख रुपए के बीच है। एक मशीन से दिन में लगभग 15 से 20 कि.ग्रा. सुखे रेशे निकाले जा 8 घंटे की श्रम लागत परिसंपत्ति मूल्य, ओवर है इस (बिजली पानी) आदि को ध्यान में रखते हुए, रेशे की निकासी लगभग 70 80 रुपए प्रति कि.ग्रा. है। इसका मतलब है कि अगर फाइबर बेचना है तो बाजार में कुछ लाभ मार्जिन के साथ, सूखे फाइबर की लागत प्रति किलो लगभग 150 रुपए से कम नहीं होनी चाहिए।

चूंकि केले का फाइबर जूट के रेशों के समान है और इसका उपयोग उन वस्तुओं के उत्पादन के लिए किया जा सकता है, जिनमें जूट के रेशों का उपयोग होता है, जूट के रेशों की कीमत एवं केले के स्यूडोस्टेम से बने रेशों की लागत समान होने से केलों के रेशो का महत्व बढेगा। आवश्यकता इस बात की है कि केले से निकलने वाली मशीन की कीमत 50 हजार रेशे निकालने में होने वाले खर्च को और कम किया जाए। इस पर अनुसंधान की आवश्यकता है। जूट के रेशों की वर्तमान कीमत करीब 30 से 35 रुपए प्रति किलो है। केले के रेशे से और कीमती सामान बनाया जाए।

फाइबर के उप-उत्पाद हैं- कपड़े, बैग, विभिन्न प्रकार के मैट, आंतरिक सजावट के सामान, खिड़की के पर्दे, कुशन कवर, बोल्स्टर कवर, टेबल लैंप और फोल्डर्स इत्यादि । सिथेटिक फाइबर की अपेक्षाकृत उच्च लागत और स्वास्थ्य संबंधी खतरों के कारण, प्राकृतिक रेशों का पता लगाना आवश्यक हो जाता है। केला फाइबर इसका एक अच्छा विकल्प है। केले का रेशा (फाइबर) पर्यावरण के अनुकूल (इको फ्रैंडली) और रसायन मुक्त (कैमिकल फ्री) और होता है। आजकल केले के रेशा से

महिलाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सैनिटरी पैड भी बनाए जा रहे हैं। यह बहुत ही लोकप्रिय हो रहा है। यह ग्रीस प्रूफ, पानी और आग प्रतिरोधी और पूरी तरह से बायो-डिग्रेडेबल है। केले के रेशे से बने कागज के यूरोपीय देशों सहित 25 देशों के लिए निर्यात की बहुत अच्छी संभावनाएं हैं।

सेंट्रल बैंक में अप्रेंटिस का मौका! 4500 पदों पर निकली भर्ती; स्नातक तुरंत करें आवेदन

अगर आप बैंक में नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके लिए शानदार मौका है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने अप्रेंटिस के 4500 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 23 जून 2025 तय की गई है।

इस सरकारी भर्ती के लिए इच्छुक उम्मीदवार बैंक की आधिकारिक वेबसाइट centralbankofindia.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण तिथियां

आवेदन की अंतिम तिथिः 23 जून 2025

फीस जमा करने की अंतिम तिथिः 25 जून 2025

संभावित परीक्षा तिथिः जुलाई 2025 का पहला सप्ताह

पदों का विवरण और पात्रता

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा निकाली गई इस भर्ती में कुल 4500 अप्रेंटिस पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री होना अनिवार्य है।

आयु सीमा की बात करें तो उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 28 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि, आरक्षित श्रेणियों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी और दिव्यांग उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के तहत आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस पदों के लिए चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी। सबसे पहले ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी, जो 100 अंकों की होगी और इसमें नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी। इसके बाद स्थानीय भाषा की परीक्षा ली जाएगी, जिसमें अभ्यर्थी को उस राज्य की भाषा पढ़ने, लिखने, बोलने और समझने में दक्ष होना आवश्यक है, जिसके लिए उन्होंने आवेदन किया है।

अंत में, सफल उम्मीदवारों का दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। सभी चरणों में सफल अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट के आधार पर नियुक्ति की जाएगी।

आवेदन शुल्क

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क देना होगा। PwBD श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए शुल्क 400 रुपये+ जीएसटी। वहीं एससी/एसटी/सभी महिला उम्मीदवारों और EWS श्रेणी के लिए 600 रुपये+ जीएसटी, जबकि अन्य सभी श्रेणियों के लिए 800 रुपये+ जीएसटी निर्धारित किया गया है।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि फीस का भुगतान केवल ऑनलाइन माध्यम (नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई आदि) से ही किया जा सकेगा। फीस भुगतान की अंतिम तिथि 25 जून 2025 है।

आवेदन कैसे करें?

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट centralbankofindia.co.in पर जाएं।

अब होमपेज पर “Apprentice Recruitment 2025” लिंक पर क्लिक करें।

नया रजिस्ट्रेशन करें और लॉगिन करें। आवेदन फॉर्म भरें, दस्तावेज़ अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

फॉर्म सबमिट कर उसकी प्रिंट कॉपी सुरक्षित रखें।

स्वास्थ्य-तकनीक, एआई-सेमीकंडक्टर में सहयोग बढ़ाएंगे भारत-ब्रिटेन

टीसीआई की प्रभावशीलता बढ़ेगी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात के दौरान कहा कि उनकी पिछली भारत यात्रा के बाद से दोनों देशों ने जिन क्षेत्रों में सहयोग की पहल की है, वे सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। वहीं, लैमी ने भी कहा कि प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल को बढ़ावा देने से दोनों देशों में सहयोग बढ़ेगा।

वहीं, लैमी ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर दोनों देशों की महत्वाकांक्षाओं की शुरुआत मात्र है। हम एक नए वैश्विक युग के लिए भारत के साथ एक आधुनिक साझेदारी का निर्माण कर रहे हैं।

टीएसआई की प्रभावशीलता बढ़ेगी

जयशंकर ने प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) का जिक्र करते हुए कहा कि इससे एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, क्वांटम, स्वास्थ्य-तकनीक, जैव-तकनीक, महत्वपूर्ण खनिजों और उन्नत सामग्रियों के रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। हमने रणनीतिक निर्यात और प्रौद्योगिकी सहयोग वार्ता भी शुरू की है। महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में व्यापार को बढ़ावा देने में टीएसआई की प्रभावशीलता बढ़ेगी। इसमें प्रासंगिक लाइसेंसिंग या नियामक मुद्दों का समाधान भी शामिल है।

वित्तीय ब्रिज से पूंजी प्रवाह संभव हो सकेगा...

जयशंकर ने ब्रिटेन-भारत अवसंरचना वित्तीय ब्रिज का भी उल्लेख किया और कहा कि इससे ब्रिटेन से भारत में गुणवत्तापूर्ण दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह संभव हो सकेगा। यह निश्चित रूप से हमारे अवसंरचना विकास में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बहुत अच्छा सहयोग है। कई और विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच आपसी संबंधों के मोर्चे पर हमें और मुझे स्वयं भी, मैनचेस्टर और बेलफास्ट में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने का गौरव हासिल हुआ है।

जल्द भारत आएंगे ब्रिटिश पीएम स्टारमर : लैमी

ब्रिटिश उच्चायुक्त में एक साक्षात्कार में ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी ने कहा कि दोनों देशों ने पिछले महीने की शुरुआत में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी की है। हमारे प्रधानमंत्री कीर स्टारमर मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बहुत जल्द भारत आने के लिए उत्सुक हैं। हम दोनों देश मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के साथ मैंने दुनिया की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कारोबार को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की। लैमी ने कहा, हम विकास को बढ़ावा देने, नवीन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने, जलवायु संकट से निपटने और हमारी प्रवास प्राथमिकताओं को पूरा करने तथा अपने लोगों के लिए अधिक सुरक्षा प्रदान करने के मामले में और भी अधिक घनिष्ठ संबंध और सहयोग को बढ़ावा देना चाहते हैं।

सरकार ग्रेटर नोएडा में 125 करोड़ में बनाएगी एमएसएमई की दुनिया, आखिर क्या है मेगा प्लान

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा में एक ऐसी दुनिया बसाने जा रही है, जो एमएसएमई के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं होगा। जी हां, उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश के तौर पर रूपांतरित करने की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ग्रेटर नोएडा में 125 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक फ्लैटेड कारखाने का निर्माण कराएगी। इससे जुड़ी प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। राज्य सरकार ने रविवार को यहां बयान जारी कर कहा कि प्रदेश के कुटीर, लघु एवं मंझोले उद्योगों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत ढांचे के आधुनिक तरीके से विकास के लिये अब यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) एक बड़ी पहल करने जा रहा है।बयान में कहा गया कि इसके तहत गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा स्थित सेक्टर 28 में आधुनिक फ्लैटेड फैक्टरी का निर्माण किया जाएगा। फ्लैटेड फैक्टरी कैंपस के निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने जा रही है और फिलहाल मास्टर प्लान व अन्य रिपोर्ट्स के निर्माण पर काम चल रहा है। बयान के मुताबिक, लगभग 125 करोड़ रुपये की लागत से 24 महीने में निर्माण कार्यों को पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। यह प्रस्तावित फ्लैटेड फैक्टरी न केवल एमएसएमई क्षेत्र को गति देगी बल्कि नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश सरकार ने कहा कि उसका उद्देश्य इस फ्लैटेड फैक्टरी परिसर के जरिए छोटे उद्यमियों को एक ही परिसर में सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस इकाइयां देना है ताकि उत्पादन कार्य बिना किसी बाधा के चल सके। यीडा का यह कदम न केवल निवेशकों को आकर्षित करेगा बल्कि क्षेत्र की तरक्की के साथ युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। यह परियोजना इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड पर होगी और इसका निर्माण कार्य 24 महीनों में पूरा किया जाएगा। यह बहुमंजिला फ्लैटेड फैक्टरी लगभग 38,665 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली होगी और इसमें एमएसएमई उद्यमों के लिए अत्याधुनिक सुविधा युक्त इकाइयां होंगी।

कंगाल होने के बावजूद पाकिस्तान को बार-बार कैसे मिल जाता है लोन?

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की माली हालत किसी से छिपी नहीं है। देश पर कर्ज का बोझ चढ़ा हुआ है, महंगाई आसमान छू रही है और विदेशी मुद्रा भंडार अक्सर खत्म होने की कगार पर रहता है। इसके बावजूद, हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान को बार-बार अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष), वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक से अरबों डॉलर का लोन मिलता रहता है। सवाल ये उठता है कि आखिर क्यों?

बार-बार कर्ज लेने वाला पाकिस्तान

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कई बार डिफॉल्ट की कगार तक पहुंच चुकी है, लेकिन फिर भी अंतराष्ट्रीय संस्थाएं उसे बार-बार बेलआउट पैकेज देती हैं। आईएमएफ से पाकिस्तान ने अब तक 23 बार लोन लिया है, जबकि कई बार पुराने लोन चुका नहीं पाया है।इसका जवाब सिर्फ अर्थव्यवस्था में नहीं, बल्कि राजनीति और कूटनीति में छिपा है: भू-राजनीतिक महत्व: पाकिस्तान एक रणनीतिक रूप से अहम जगह पर बसा है — एक ओर अफगानिस्तान, दूसरी ओर चीन और भारत जैसे देशों की सीमा से लगा हुआ। अमेरिका और पश्चिमी देश इसे इस्लामी कट्टरपंथ, आतंकी नेटवर्क और चीन के प्रभाव के खिलाफ एक बैलेंसिंग पॉइंट मानते हैं।आतंकवाद नियंत्रण और क्षेत्रीय स्थिरता: आईएमएफ और अन्य संस्थाएं मानती हैं कि अगर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई तो वहां सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता फैल सकती है, जिससे आतंकवाद को बढ़ावा मिल सकता है। ऐसे में उसे कुछ हद तक "चलाए रखने" के लिए लोन दिया जाता है। बैंकिंग सिस्टम की रक्षा: पाकिस्तान का डिफॉल्ट वैश्विक फाइनेंशियल सिस्टम पर असर डाल सकता है, खासकर जब वहां की बैंकिंग और ट्रेड का कुछ हिस्सा दूसरे देशों से जुड़ा होता है। इन लोन का फायदा आम जनता तक नहीं पहुंच पाता। यह पैसा अक्सर पुराने लोन चुकाने, सैन्य खर्चों और प्रशासनिक खर्चों में चला जाता है। भ्रष्टाचार, गैर-पारदर्शी नीतियां और फिजूलखर्ची से पाकिस्तान की आर्थिक सेहत सुधरने के बजाय और बिगड़ती जाती है।

बदल जाएगा यूपीआई पेमेंट करने का पूरा सिस्टम, आप पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई को और बेहतर बनाने के लिए 1 अगस्त 2025 से नए नियम लागू करने का ऐलान किया है. ये बदलाव सिस्टम को स्टेबल और भरोसेमंद बनाने के लिए हैं, ताकि हाल में हुई रुकावटों से बचा जा सके. एनपीसीआई का कहना है कि ये बदलाव तकनीकी सिस्टम को मजबूत करेंगे और आम लोगों के लिए ज्यादातर आसान रहेंगे. लेकिन कुछ रोजमर्रा के कामों पर इसका असर पड़ेगा.एनपीसीआई ने बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को 31 जुलाई 2025 तक 10 सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाले एपीआईएस को कंट्रोल करने को कहा है. ये एपीआईएस बैलेंस चेक, ऑटोपे और ट्रांजेक्शन स्टेटस जैसे कामों को चलाते हैं. बैलेंस चेक की लिमिटः अब आप किसी एक यूपीआई ऐप पर दिन में ज्यादा से ज्यादा 50 बार बैलेंस चेक कर पाएंगे. इससे सिस्टम पर जरूरत से ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा. लिंक्ड अकाउंट्स चेक करने की सीमाः अपने मोबाइल नंबर से जुड़े बैंक अकाउंट्स की लिस्ट आप दिन में सिर्फ 25 बार देख पाएंगे.ऑटोपे का टाइमः ऑटोपे (जैसे एसआईपी, नेटफ्लिक्स पेमेंट) अब सिर्फ कम भीड़ वाले समय में होगा. यानी सुबह 10 बजे से पहले, दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच या रात 9:30 बजे के बाद. हर ऑटोपे के लिए 1 कोशिश और 3 बार रिट्री की इजाजत होगी.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	मे	वृष---	04-08 बजे
चंद्र-	तुला	मे	मिथुन..	06-08 बजे
मंगल	सिंह	मे	कर्क---	08-21 बजे
बुध-	वृष	मे	सिंह---	10-32 बजे
गुरु-	मिथुन	मे	कन्या...	12-39 बजे
शुक्र-	मीन	मे	तुला....	14-46 बजे
शनि-	मीन	मे	वृश्चिक..	16-54 बजे
राहु-	कुंभ	मे	धनु.....	19-08 बजे
केतु-	सिंह	मे	मकर....	21-18 बजे
			कुंभ....	23-05 बजे
			मीन....	00-43 बजे
			मेष.....	02-19 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त - 18-45
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 09-36 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , सोमवार 09 June
नक्षत्र - विशाखा 15-31 तक उपरान्त. अनुराधा
योग - शिव 13-08 तक उप. सिद्ध
करण- तैतिल 08-36 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्धि योग 15-31 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:21 से 08:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 05:44 - 07:21 शुभ	चंचल 18:44 - 20:10 शुभ
काल 07:21 - 08:59 अशुभ	रोग 20:10 - 21:32 अशुभ
शुभ 08:59 - 10:37 शुभ	काल 21:32 - 22:54 अशुभ
रोग 10:37 - 12:15 अशुभ	लाभ 22:54 - 00:16 शुभ
उत्पात 12:15 - 13:54 अशुभ	उत्पात 00:16 - 01:37 अशुभ
चंचल 13:54 - 15:32 शुभ	शुभ 01:37 - 02:59 शुभ
लाभ 15:32 - 17:10 शुभ	अमृत 02:59 - 04:21 शुभ
अमृत 17:10 - 18:45 शुभ	चंचल। 04:21 - 05:45 शुभ

गौतम अडानी की सैलरी इंक्रीमेंट 12 फीसद, अकाउंट में आया 10.41 करोड

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सिर्फ भारत के ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की सैलरी जानकर हैरान रह जाएंगे। हैरानी इस बात की नहीं है कि उनकी सैलरी कितनी ज्यादा है। हैरानी इस बात की है कि उनकी सैलरी देश में कई सीईओ और एमडी की सैलरी से काफी कम है। सड़क से पोर्ट तक का कारोबार संभालने वाले गौतम अडानी की सालाना सैलरी करोड़ों में है। इस बात में कोई शक नहीं है, लेकिन बजाज से लेकर मित्तल और सलिल पारेख से लेकर पवन मुंजाल के सामने कुछ भी नहीं है। खास बात तो ये है कि गौतम अडानी को पिछले जो सैलरी इंक्रीमेंट मिला वो दूसरों के मुकाबले भी काफी है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर गौतम अडानी को वित्त वर्ष 2025 में कितनी सैलरी मिली थी।

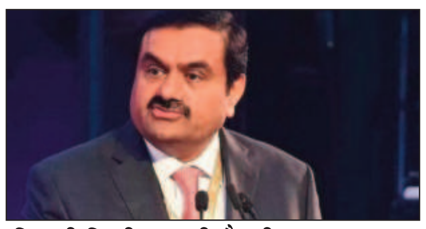

कितनी मिली अडानी सैलरी?

भारत के दूसरे सबसे धनी व्यक्ति गौतम अडानी को 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में कुल 10.41 करोड़ रुपए सैलरी मिली थी। यह सैलरी उद्योग के उनके अधिकांश समान प्रतिस्पर्धियों और उनके अपने प्रमुख अधिकारियों से कम है। ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों की फ्रेश एनुअल रिपोर्ट से पता चला कि अडानी ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक कैसे अपने कारोबारी ग्रुप की 9 लिस्टेड कंपनियों में सिर्फ दो से वेतन लिया। उनका कुल पारिश्रमिक 2023-24 में अर्जित 9.26 करोड़ रुपए के मुकाबले 2024-25 में 12 फीसदी अधिक था।

इन दो कंपनियों ने दी सैलरी

ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने गौतम अडानी को सैलरी दी है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने गौतम अडानी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.26 करोड़ रुपए की सैलरी और 28 लाख रुपए के भत्ते, सुविधाएं और अन्य लाभ दिए हैं इसके अलावा, उन्होंने अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (एपीएसईज़ेड) से 7.87 करोड़ रुपए लिए हैं। इसमें 1.8 करोड़ रुपए की सैलरी और 6.07 करोड़ रुपए कमीशन के तौर पर मिले।

इन दिग्गजों से कम है सैलरी

अडानी का वेतन भारत में लगभग सभी बड़े परिवार के स्वामित्व वाले समूहों के प्रमुखों से कम है। हालांकि सबसे धनी भारतीय मुकेश अंबानी कोविड-19 महामारी फैलने के बाद से वेतन नहीं ले रहे हैं। अडानी का पारिश्रमिक टेलीकॉम कारोबारी सुनील भारती मित्तल (2023-24 में 32.27 करोड़ रुपए), राजीव बजाज (2023-24 में 53.75 करोड़ रुपए), पवन मुंजाल (2023-24 में 109 करोड़ रुपए), एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन (2024-25 में 76.25 करोड़ रुपए) और इंफोसिस के सीईओ सलिल एस पारेख (2024-25 में 80.62 करोड़ रुपए) से काफी कम है।अडानी का वेतन उनके ग्रुप की कंपनियों के कम से कम एक-दो मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से कम है।

नोटों की होगी बारिश, घर-दुकान में लगवाएं एटीएम

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। महंगाई के इस दौर में लोग कमाई के नए-नए तरीके खोज रहे हैं। आज हम आपको मोटी कमाई का एक ऐसा ही तरीका बताने जा रहे हैं, जिसमें आप अपने घर या दुकान में एटीएम, मशीन लगवाकर हर महीने अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। घर और दुकान में एटीएम, मशीन लगवाने के लिए आपको क्या करना होगा और इससे आपकी हर महीने कैसे कमाई हो सकती है। इसके बारे में हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं।

कैसे लगता है एटीएम, ?

घर और दुकान में दो तरीके से एटीएम, लगवाएं जा सकते हैं, इसमें पहला तरीका है कि कोई भी प्राइवेट या सरकारी बैंक आपसे संपर्क करके घर में एटीएम, लगाएंगे। वहीं दूसरे तरीके में कई प्राइवेट कंपनी घर और दुकान में एटीएम, लगवाने की सुविधा देते हैं, जिसमें प्रति ट्रांजेक्शन के हिसाब से आपकी कमाई होती है।

बैंक के एटीएम, में मिलता है किराया

जब कोई बैंक आपके घर या दुकान में एटीएम, लगाते हैं तो वो हर महीने आपको किराया देते हैं। बैंक की ओर से मिलने वाला ये किराया 20 हजार रुपए से 80 हजार रुपए के बीच हो सकता है। दरअसल बैंक एटीएम, की लोकेशन के आधार पर ही किराया तय करता है और ये किराया आपको हर महीने मिलता है।

प्राइवेट कंपनी के एटीएम से कमाई

आप घर या दुकान में प्राइवेट कंपनी जैसे इंडी कैश, मुथूट एटीएम या किसी दूसरी कंपनी का एटीएम लगवाते हैं तो आपको प्रति ट्रांजेक्शन के हिसाब से ये कंपनी कमीशन देती हैं। इस तरीके में आपको हर महीने किराया नहीं मिलता है, लेकिन इस तरीके में भी आप हर महीने 20 से 30 हजार रुपए महीने की कमाई कर सकते हैं।

एटीएम लगवाने के लिए जरूरी शर्तें

एटीएम लगवाने की सबसे बड़ी शर्त ये है कि आपके घर या दुकान की लोकेशन बेहतर होनी चाहिए। जहां आकर लोग असानी से पैसा निकाल सके। इसके साथ ही कम से कम 50 से 100 वर्ग फुट की जगह होनी चाहिए, बिजली कनेक्शन 24×7, इंटरनेट की सुविधा और सीसीटीवी की निगरानी होनी चाहिए।

फर्जी आधार पर ट्रेन जर्नी? ना बाबा ना-ऐसा करेंगे तो पकड़े जाएंगे, रेलवे बोर्ड से टीटीई को मिला है निर्देश

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा के रहने वाले राम किशुन दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में एक दुकान में नौकरी करते हैं। अचानक उन्हें गांव जाना था। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बगल में आईआरसीए बिल्डिंग के रिजर्वेशन काउंटर पर वह तत्काल में टिकट लेने आए लेकिन उन्हें कंफर्म टिकट नहीं मिला। ऐसे में उनके तारनहार बने रेलवे टिकट के दलाल और उनका काम हो गया। लेकिन दलालों के इस फर्जीवाड़े की भनक रेलवे बोर्ड को लग चुकी है। अब एक ऐसा आर्डर निकल गया है, जिससे इस फर्जीवाड़े का अंत हो जाएगा। राम किशुन को दलाल ने पूछा आधार कार्ड है? उन्होंने कहा हां। बस उन्हें वैशाली एक्सप्रेस में पहले से बना एक टिकट थमा दिया गया जो कि किसी विजय कुमार के नाम पर बना था। राम किशुन की उम्र 35 साल है जबकि टिकट में उम्र 42 साल दर्ज थी। दलाल ने राम किशुन का आधार कार्ड लिया। उसी के नंबर पर एक नया आधार कार्ड प्रिंट कर दे दिया गया जिसमें नाम विजय कुमार और उम्र 42 साल था। बांकी सारा डिटेल राम किशुन का पुराना ही था। मतलब कि अब वह फर्जी टिकट पर यात्रा करने के लिए फर्जी आधार कार्ड हासिल कर लिया। उन्हें निर्देश दिया गया कि इस यात्रा की समाप्ति के बाद फर्जी आधार कार्ड को नष्ट कर दे। रेलवे बोर्ड ने बीते दिनों सभी जोनल रेलवे को एक निर्देश जारी किया। इसमें एमआधार एप्लिकेशन से यात्रियों का वेरिफिकेशन करने को कहा गया है। बोर्ड ने सभी टीटीई को आपने मोबाइल फोन में एमआधार एप्लिकेशन डाउनलोड करने को कहा है ताकि उससे आधार कार्ड के क्यूआर कोड का स्कैन कर ले। जैसे ही इससे क्यूआर कोड की स्कैनिंग होगी, उसमें आधार कार्ड वाले का नाम, पता, उम्र, फोटो सबकुछ सही सही आ जाएगा। रेलवे बोर्ड ने इस बारे में जो सभी जोनल रेलवे को चिट्ठी लिखी है, उसमें कहा गया है अभी टीटीई अपने मोबाइल फोन में एमआधार डाउनलोड करें।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की और भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नया करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्यवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योंकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यो में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योंकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है । कार्यस्थल पर प्रबंधन आपके काम।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत को लेकर उत्साहित

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत में कारोबारी अवसरों को लेकर उत्साहित है। एटीआर भारत में अपने विमानों की बिक्री की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न ऑपरेटर्स और एयरलाइंस के साथ बातचीत कर रही है। भारतीय बाजार की विकास संभावनाओं को देखते हुए एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 10 वर्षों में देश में 300 और टर्बोप्रॉप होंगे।

देश में अभी 70 एटीआर विमान संचालित हो रहे

एयरबस और लियोनार्डो के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी एटीआर 78 सीटों वाले टर्बोप्रॉप विमान के साथ-साथ मालवाहक विमान भी बनाती है। वर्तमान में, देश में 70 एटीआर विमान हैं, जिनका संचालन इंडिगो, एलायंस एयर और फ्लाई91 जैसी एयरलाइंस और ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख जीन-पियरे क्लेरसिन ने हाल ही में दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही एटीआर विमान उड़ा रहे ऑपरेटरों सहित अनुसूचित और गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों के साथ बातचीत कर रही है।भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और यहां हवाई अड्डों की संख्या के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क भी बढ़ रहा है। देश में अगले पांच वर्षों में 50 और हवाई अड्डे स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौजूदा समय में, भारत में 160 से अधिक हवाई अड्डे चालू हैं। क्लेरसिन ने कहा कि भारत में अगले 10 वर्षों में 300 और टर्बोप्रॉप विमान होने की संभावना है।एटीआर ने 100 देशों में 200 ऑपरेटरों को 1,800 विमान बेचे हैं। टैरिफ अनिश्चितताओं के बारे में, क्लेरसिन ने कहा कि कोई नहीं कह सकता कि इसका परिणाम क्या होगा। उन्होंने कहा, हम कीमतें कम रखने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे घरेलू बाजार के लिए, जहां कई छोटे मार्ग हैं, जहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है, वहां ऑपरेटरों को एटीआर विमान जैसे सस्ते उत्पाद की जरूरत होगी।

जल्द शुरू होने वाला है आईपीओ सीजन 2.0, शेयर बाजार में डेब्यू करेंगी 12 से ज्यादा कंपनियां

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। मर्चेंट बैंकर्स के अनुसार साल 2025 की सुस्त शुरुआत के बाद, प्राइमरी मार्केट में सुधार के संकेत दिख रहे हैं और एक दर्जन से अधिक कंपनियों ने अगले तीन से छह महीनों में अपना आईपीओ पेश करने की तैयारी कर ली है, जो कि सेकेंडरी मार्केट में स्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव में कमी के कारण संभव हो पाया है। जानकारों की माने तो मौजूदा साल के सेकंड हाफ में शेयर बाजार में आईपीओ की एक अलग बाढ़ देखने को मिल सकती है। जिससे निवेशकों को मोटा फायदा हो सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर आने वाले महीनों में कौन कौन सी कंपनियों के आईपीओ आने की संभावना है।मर्चेंट बैंकर्स ने कहा कि कैपिटल मार्केट में उतरने की तैयारी कर रही कंपनियों में एचडीएफसी बैंक की अनुषंगी कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल), कल्पतरु, रूबिकॉन रिसर्च, ऑल टाइम प्लास्टिक्स, रीग्रीन-एक्सेल ईपीसी इंडिया और परमेसु बायोटेक शामिल हैं। इसके अलावा, क्रेडिला, एसके फाइनेंस, वेरिटास फाइनेंस, पारस हेल्थकेयर, सीआईईएल एचआर सर्विसेज, एवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज, ड्रोफ-केटल केमिकल्स इंडिया, ब्रिगेड होटल वेंचर्स और श्रीजी शिपिंग भी अपने आईपीओ पेश करने की योजना बना रही हैं। इन सभी कंपनियों को पहले ही बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल चुकी है।

कोर्ट ने 4 बार आदेश दिया

मद्रासी कैंप पर हुए बुलडोजर एक्शन पर खुलकर बोलीं दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के कई इलाकों में झुग्गियों पर बुलडोजर एक्शन देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों कोर्ट के आदेश के बाद मद्रासी कैम्प में कार्रवाई की गई थी। यहां सैकड़ों मकानों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। इस मामले में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सीएम रेखा गुप्ता पर हमला बोला था। यही कारण है कि इस पर सियासत तेज हो चली है। इस बीच आज रविवार को नेहरू कैंप पहुंची रेखा गुप्ता का बयान सामने आया है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मैंने साफ कहा है कि अगर कोर्ट ने कुछ आदेश दिया है तो न तो सरकार और न ही प्रशासन कुछ कर सकता है। मद्रासी कैंप को गिराने का सच यह है कि यह बारापुला नाले के किनारे बनाया गया था। कोर्ट ने इस झुग्गी बस्ती को हटाने के लिए चार बार आदेश दिया था ताकि नाले की सफाई के लिए मशीनें लगाई जा सकें। नहीं तो दिल्ली में फिर से 2023 जैसी बाढ़ देखने को मिलेगी।

अगर हादसा होता तो कौन होता जिम्मेदार? – सीमा रेखा

सीएम ने कहा कि कोई भी कोर्ट के आदेश की अवहेलना कोई नहीं कर सकता है। उस कैंप के निवासियों को घर आवंटित करके वहां शिफ्ट कर दिया गया है। दिल्ली में तीन जगहों पर कार्रवाई की गई, जिसमें रेलवे ट्रैक के पास बनी झुग्गी बस्ती भी शामिल है। रेलवे ने यह कार्रवाई की है। अगर जान का नुकसान होता है तो कौन जिम्मेदार होगा? क्या सौरभ भारद्वाज, आतिशी या अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? उन्होंने कहा कि कोर्ट जानता है कि वह क्या कर रहा है और इसलिए उसने आदेश दिए हैं। इसके अलावा, पूरी दिल्ली में 700 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य चल रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

दिल्ली में रविवार को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन सटे इलाकों में अवैध तरीके से रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान चलाया गया। जहां सैकड़ों मकानों को बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया। इन मकानों में मालिक के अलावा कई परिवार किराए पर रह रहे थे। यहां रहने वाले ज्यादातर परिवार दक्षिण भारतीय थे। यही कारण है कि इस बस्ती को मद्रासी बस्ती कहा जाता है। ये इलाका निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन सटा हुआ है। इसी कार्रवाई के बाद बयानबाजी देखने को मिली थी।

दो साल पहले रिश्तेदार की हत्या का आरोपी बरी

गवाह के मुकर जाने की वजह से कोर्ट ने सुनाया फैसला

ठाणे, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 2023 में अपने रिश्तेदार की हत्या के आरोपी 28 वर्षीय व्यक्ति को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। मामले के मुख्य गवाह के मुकर जाने की वजह से कोर्ट ने सुनाया फैसला। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट समेत अन्य दस्तावेजों से साफ था कि मौत चाकू के घाव की वजह से हुए अत्यधिक रक्तस्राव की वजह से हुई, लेकिन कोर्ट ने कहा कि यह बिना ठोस गवाह के आरोपी के अपराध को साबित नहीं कर सकता है।

क्या है मामला?

4 मई, 2023 को दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक, डोंबिवली इलाके के खंबलपाड़ा निवासी रमेश वेलस्वामी तेवर ने विवाद के बाद अपनी बहन के पति मरिकानी रामास्वामी तेवर की चाकू से छाती पर वार कर हत्या कर दी। आरोपी को 5 मई, 2023 को गिरफ्तार किया गया और पूरी सुनवाई के दौरान हिरासत में रखा गया। हालांकि, तीनों मुख्य गवाह मृतक की पत्नी विजयलक्ष्मी और उसके दो भाई सुनवाई के दौरान अपने बयान से मुकर गए।

कोर्ट ने क्या कहा?

न्यायाधीश इनामदार ने कहा, 'अभियोजन पक्ष को पर्याप्त, ठोस, विश्वसनीय और भरोसेमंद सबूत पेश करने होंगे। अगर अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा, तो अभियोजन पक्ष का मामला उसके अपराध को साबित करने में विफल रहेगा।'

इस वजह से कोर्ट ने किया बरी

विजयलक्ष्मी ने अपने बयान में हमले को देखने या अपने पति और उसके भाई के बीच किसी भी तरह के झगड़े से इनकार किया। उसके दो भाइयों ने भी एफआईआर में बताए गए बयान से इनकार किया। व्यापक जिरह के बावजूद अभियोजन पक्ष कोई भी दोषी साबित करने वाली गवाही हासिल करने में विफल रहा।

तत्काल रिहा करने का आदेश

कोर्ट ने कहा, 'अभियोजन पक्ष की ओर से पेश कए गए सबूत अपर्याप्त और अविश्वसनीय हैं। इस प्रकार आरोपी के खिलाफ कोई भी अपराध संदेह से परे साबित नहीं होता।' कोर्ट ने उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

'शाकाहारी युवक मांसाहारी रेस्तरां से खाना क्यों ऑर्डर कर रहा?' उपभोक्ता आयोग ने खारिज की शिकायत

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपभोक्ता आयोग ने मांसाहारी खाने से जुड़े विवाद को लेकर सख्त टिप्पणी की। आयोग ने कहा कि अगर मांसाहारी भोजन से शाकाहारी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है तो वह शाकाहारी और मांसाहारी दोनों भोजन देने वाले रेस्तरां से खाना क्यों मंगवा रहा है? आयोग ने एक भोजनालय के खिलाफ दो व्यक्तियों की शिकायत को खारिज कर दिया। भोजनालय पर आरोप लगाया गया था कि उन्हें गलत तरीके से मांसाहारी भोजन परोसा गया था। आयोग ने कहा कि यदि शिकायतकर्ता पूरी तरह से शाकाहारी थे और मांसाहारी भोजन से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, तो उन्होंने ऐसे रेस्तरां से भोजन क्यों मंगवाया, जो मांसाहारी और शाकाहारी दोनों तरह का भोजन परोसता था। बजाय इसके कि वे ऐसे रेस्तरां से भोजन मंगवाएं, जो पूरी तरह शाकाहारी था और केवल शाकाहारी भोजन परोसता था। एक विवेकशील व्यक्ति खाने से पहले शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के बीच अंतर करने में सक्षम होता है। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने 19 दिसंबर, 2020 को मुंबई के सायन में एक वाउ मोमोज आउटलेट से सॉफ्ट ड्रिंक के साथ स्टीम्ड 'दार्जिलिंग मोमो कॉम्बो' का ऑर्डर दिया था। उन्होंने दो बार अपनी शाकाहारी पसंद पर विशेष जोर दिया। लेकिल उन्हें स्टीम्ड चिकन दार्जिलिंग मोमोज मिले। रेस्तरां के कर्मचारियों ने उनके निर्देशों की अनदेखी की तथा आउटलेट पर लगे डिस्प्ले बोर्ड पर स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया गया कि भोजन में शाकाहारी या मांसाहारी विकल्प है या नहीं। कंपनी की लापरवाही के कारण उन्हें मानसिक आघात, भावनात्मक परेशानी हुई तथा उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। उन्होंने कंपनी से छह लाख रुपये मुआवजा मांगा। शिकायकर्ताओं के आरोपों को कंपनी ने खारिज कर दिया। कंपनी ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ताओं ने स्वयं मांसाहारी वस्तुओं का ऑर्डर दिया था, जो उनके बिल में दर्शाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने कंपनी के कर्मचारी के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया तथा उपद्रव मचाया।

किसानों की समृद्धि से ही भारत बनेगा विकसित केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले

सीहोर, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इछावर में ₹विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए किसानों की समृद्धि सबसे ज़रूरी है और इसके लिए केंद्र सरकार निरंतर काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने किसानों से घर-घर जाकर वैज्ञानिक चर्चा करने और उन्नत तकनीकों की जानकारी देने की बात कही।

सिंचाई और उत्पादन बढ़ाने पर जोर

श्री चौहान ने कहा कि सरकार सिंचाई की सुविधा को बेहतर बना रही है ताकि किसानों को भरपूर पानी मिले और फसल उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन किसानों के खेतों तक अभी पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां भी जल्द पानी पहुंचाया जाएगा।

खेती को वैज्ञानिक आधार से जोड़ने का वादा

कृषि मंत्री ने कहा कि खेती को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि देश भर के 16,000 वैज्ञानिक अब लैब से निकलकर किसानों के खेतों में पहुंचेंगे और रिसर्च अब किसानों के अनुभवों पर आधारित होगी। इससे किसानों को उन्नत तकनीकों की जानकारी मिलेगी और उनकी पैदावार में सुधार होगा।

प्राकृतिक और जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से अपील की कि वे प्राकृतिक और जैविक खेती को अपनाएं। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिक बेहतर बीजों की किस्मों पर रिसर्च कर रहे हैं, जिससे उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आमदनी में इजाफा होगा।

पीएम आवास योजना को मिलेगी रफ्तार

कृषि मंत्री ने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत 2018 की आवास प्लस सूची में शामिल बचे हुए 7,85,356 लाभार्थियों को जल्द ही पक्के मकान दिए जाएंगे। इसका स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को सौंपा गया है।

राजस्व मंत्री और जनजातीय कार्य राज्यमंत्री ने भी रखे विचार

कार्यक्रम में मौजूद राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में देश और कृषि क्षेत्र में लगातार विकास हो रहा है। जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि सरकार किसानों के साथ-साथ महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए भी लगातार काम कर रही है।

कृषि चौपाल में दी गई तकनीकी जानकारी

ग्राम भाउखेड़ी में आयोजित कृषि चौपाल में शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से चर्चा की। कृषि वैज्ञानिकों ने उन्नत खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिनमें बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव, सीहोर विधायक सुदेश राय, आष्टा विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना सुरेंद्र मेवाड़ा सहित कई नेता शामिल थे।

'मुझे पकड़ा तो कूद जाऊंगा फांद जाऊंगा कर लूंगा सुसाइड क्रिमिनल का हाई वोल्टेज ड्रामा

अहमदाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। ओढव जिले पुलिस एक वॉन्टेड आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची तो देखकर चौंक गई। अपराधी शोले फिल्म की तरह फ्लैट की पांचवीं मंजिल की खिड़की के बीच की छोटी सी जगह पर उतर गया और जब पुलिस अधिकारियों ने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे, तो चिल्लाने लगा, मुझे पता है कि आप मेरे साथ कैसा व्यवहार करेंगे। मैं जानता हूं कि यह वास्तव में बुरा होने वाला है। आपके सामने आत्मसमर्पण करने से बेहतर है कि मैं मर जाऊं। इसके साथ ही उसने सोशल मीडिया पर घटना का लाइवस्ट्रीम भी किया और पुलिस को धमकाते हुए लगातार पीछे हटने की मांग करता रहा। पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने ऐसा किया और उसका हाई वोल्टेज ड्रामा घंटों चलता रहा और उसे देखने के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई लोगों ने घटना का वीडियो भी बनाया जो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

कुदरत का करिश्मा: सिरसा में रज्जो बाई ने दो बेटे व दो बेटियों को दिया जन्म

सिरसा, 8 जून (एजेंसियां)। जुड़वा और तीन बच्चों के जन्म के किस्से निरंतर सुनने को मिलते है। चार स्वस्थ बच्चों को जन्म बहुत कम होता है। सालों में कभी ऐसा मौका आता है , जब कोई महिला चार बच्चों को जन्म देती है। सिरसा में भी गांव टीटू खेड़ा की रज्जोबाई ने चार बच्चों को जन्म दिया है। दो बेटी और दो बेटियों का जन्म हुआ है और चारों स्वस्थ है। बच्चों के लालन पालन में ससुसाल पक्ष के साथ साथ ननिहाल पक्ष भी बच्चों की देखरेख कर रहा है। रज्जो के मायके से लेकर पूरे ससुराल में चार बच्चों के जन्म की चर्चा है। बच्चों के पिता टीटू खेड़ा निवासी सोनू का खुशी का ठिकाना नहीं है।

उसे यकीन नहीं हो रहा है कि चारों बच्चों का सुरक्षित जन्म हो गया है। बच्चों को देखने के लिए गांव के लोगों को तांता लगा हुआ है। परिवार के सभी लोग दिन व रात बच्चों को संभालने में लगे हुए है। सोनू की सास भी बच्चों की देखभाल में उनकी मदद कर रही है। नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों के लिए यह केस चुनौती से कम नहीं था। चिकित्सकों ने पहली बार चार बच्चों की एक साथ डिलिवरी की थी। हर किसी के बीच सैकेंडों का फर्क है। पहली बार की गई डिलिवरी में सभी बच्चों का सुरक्षित और स्वस्थ होना नागरिक अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की गुणवत्ता और चिकित्सकों के अनुभव को दर्शाता है।

गर्मी के मौसम में विशेष देखभाल कर रहे परिजन

बच्चों के छोटे होने पर चार से पांच लोगों को हर दम उनका ख्याल रखना पड़ता है। बच्चों के भूख का समय अलग अलग होता है। एक के रोने से दूसरा उठा जाता है। इस तरह से दिन रात बच्चों को संभालने में परिजन लगे हुए है। बच्चों की देखरेख में ही परिजनों के दिन रात निकल रहे है। बता दें कि एक साल पहले रज्जो बाई की शादी टीटू खेड़ा के सोनू के साथ हुई थी। सोनू खेतीबाड़ी और मजदूरी का काम करता है। रज्जों की उम्र 24 साल के करीब है। ऐसे में पहली डिलिवरी चार बच्चों की होना जोखिम से कम नहीं था। सोनू ने बताया कि चार जून को अस्पताल से सभी को छुट्टी मिली है। बच्चों में दो बेटे और दो बेटियां है। पूरा परिवार उनकी देखभाल कर रहा है। रज्जो की डिलिवरी 14 मई को नागरिक अस्पताल में हुई थी। उस दौरान बच्चों को चिकित्सकों ने अपनी मॉनिटरिंग में निकू में रखा था। ताकि बच्चों की जान को कोई खतरा न हो। हालांकि नागरिक अस्पताल में ऑपरेशन से बच्चों के होने पर रज्जो को भी कुछ दिक्कत हुए थी। नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे भी बेहतर उपचार दिया।

फोटोग्राफर की आत्महत्या से सब हैरान, शादी के एक साल बाद उठाया खौफनाक कदम

इंदौर, 8 जून (एजेंसियां)। इंदौर के स्कीम नंबर 78 में रहने वाले 24 वर्षीय फोटोग्राफर संदीप सोनिया ने रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह अपने पिता के साथ घर पर अकेला था। पुलिस के अनुसार, संदीप ने घर की ऊपरी मंजिल पर फंदा लगाकर जान दे दी। रात में जब पिता मनोहर ऊपर पहुंचे तो बेटे को लटका पाया। परिजन तत्काल उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। लसूडिया थाना पुलिस संदीप के मोबाइल की जांच करेगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने आखिरी बार किससे बात की थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं किसी पारिवारिक तनाव के चलते तो उसने यह कदम नहीं उठाया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। परिवार वालों के अनुसार, संदीप की शादी को करीब एक साल हुआ था और उसकी पत्नी इन दिनों उज्जैन में अपने मायके में रह रही है।

ठाणे के बिल्डर को लोन धोखाधड़ी में लगा 2.7 करोड़ रुपये का चूना; पुलिस ने जांच शुरू की

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। ठाणे के बिल्डर को ठगों ने लोन धोखाधड़ी के जरिए 2.7 करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक बिल्डर को कम ब्याज दर पर व्यवसाय ऋण देने का वादा करके 2.7 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। अधिकारी ने रविवार को बताया कि 68 वर्षीय शिकायतकर्ता अंबरनाथ का रहने वाला है। वह अपने दो बेटों के साथ निर्माण व्यवसाय चलाता है।

उसे 25 करोड़ रुपये के ऋण की जरूरत थी। बाद में एक परिचित ने उसे नासिक के रहने वाले आरोपी से मिलवाया। शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने अपनी कंपनी के माध्यम से सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर 25 करोड़ रुपये के ऋण की व्यवस्था करने का वादा किया और 4 अगस्त, 2017 को पीड़ित की फर्म के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार, पीड़ित को 2.5 करोड़ रुपये का 10 प्रतिशत सेवा शुल्क देना था। अगस्त 2017 और जनवरी 2019 के बीच पीड़ित ने आरोपी की कंपनी से जुड़े बैंक खातों में तीन किस्तों में कुल 2.7 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। उन्होंने कहा कि बार-बार फॉलो-अप के बावजूद वादा किया गया ऋण कभी स्वीकृत नहीं हुआ और आरोपी अग्रिम राशि के पुनर्भुगतान में देरी करता रहा। अधिकारी ने बताया कि हमने पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर शुक्रवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। उनका दावा है कि आरोपी ने खुद को ऋण सुविधाकर्ता के रूप में गलत तरीके से पेश किया और व्यवसाय विस्तार के लिए दिए गए धन को हड़प लिया। पुलिस ने कहा, 'हम सबूत इकट्ठा कर रहे हैं और शिकायतकर्ता के सभी बैंक लेनदेन विवरणों की पुष्टि कर रहे हैं।'

7.2 लाख की बिजली चोरी के आरोप में तीन लोगों पर मामला दर्ज

ठाणे जिले के भिवंडी शहर में 7.2 लाख रुपये की बिजली चोरी के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि बिजली आपूर्ति कंपनी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत प्राथमिकी दर्ज की। आरोपियों ने 13 अप्रैल, 2024 से 12 अप्रैल, 2025 के बीच एक ट्रांसफॉर्मर से अवैध रूप से बिजली प्राप्त की। इस अवैध कनेक्शन ने वोल्टमीटर को बायपास कर दिया, जिससे उन्हें बिना पता लगे अनधिकृत बिजली खींचने की अनुमति मिल गई। अधिकारी ने बताया कि तीनों ने कथित तौर पर 19,212 यूनिट बिजली चुराई, जिससे कंपनी को 7.24 लाख रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।

'एहतियातन हिरासत राज्य के हाथ में असाधारण शक्ति, इसका संयम से किया जाए प्रयोग', ऐसा क्यों बोला सुप्रीम कोर्ट?

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एहतियातन हिरासत राज्य को दी गई एक असाधारण शक्ति है, जिसका प्रयोग संयम से किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इसी के साथ जिलाधिकारी द्वारा एक साहूकार को हिरासत में लेने के आदेश को खारिज कर दिया, जो चार मामलों में जमानत मिलने के बाद कथित तौर पर फिर से अवैध गतिविधियों में लिप्त था। सुप्रीम कोर्ट के जज संजय करोल और जज मनमोहन की पीठ ने हिरासत में लेने वाले प्राधिकारी की इस दलील पर सवाल उठाया कि यह आदेश इसलिए पारित किया गया क्योंकि हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने इन मामलों में जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया था। पीठ ने कहा कि इसके बजाय प्राधिकारी को जमानत रद्द करने के लिए सक्षम न्यायालय में याचिका दायर करनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाए गए आदेश में कहा, 'इसलिए, 20 जून, 2024 के हिरासत के आदेश और एर्णाकुलम स्थित केरल हाई कोर्ट द्वारा पारित चार सितंबर, 2024 के विवादित फैसले को रद्द किया जाता है। इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अपील मंजूर की जाती है।' पीठ ने रेखांकित किया कि एहतियातन हिरासत की शक्ति को संविधान में अनुच्छेद 22(3)(बी) के तहत मान्यता प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'एहतियातन हिरासत का प्रावधान राज्य के हाथों में एक असाधारण शक्ति है, जिसका संयम से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह प्रावधान किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को भविष्य में किसी अपराध के किए जाने की आशंका के आधार पर सीमित करता है, और इसलिए इसका उपयोग सामान्य परिस्थितियों में नहीं किया जाना चाहिए।'

कोर्ट ने दलील को किया खारिज

पीठ ने हिरासत में लेने का आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी की इस दलील को खारिज कर दिया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति राजेश, जो 'रितिका फाइनेंस' नामक एक निजी वित्तीय कंपनी चलाता था, उन मामलों में उस पर लगाई गई जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहा था, जिन पर हिरासत का आदेश पारित करने के लिए विचार किया गया था।

एहतियातन हिरासत के आदेश की हुई थी पुष्टि

कोर्ट ने कहा कि प्रासंगिक रूप से चारों मामलों में से किसी में भी प्रतिवादी द्वारा ऐसी शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कोई आवेदन दायर नहीं किया गया है। पीठ ने कहा कि इसके अलावा, केरल हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी पत्नी द्वारा दायर मामले की सुनवाई के दौरान भी इनका उल्लेख नहीं किया गया है, जिसमें पलक्कड़ के जिलाधिकारी ने एहतियातन हिरासत के आदेश की पुष्टि की गई थी।

आदेश को बरकरार नहीं रखा जा सकता- कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'कानून की उपरोक्त व्याख्याओं को ध्यान में रखते हुए, हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि हिरासत के आदेश को बरकरार नहीं रखा जा सकता। हिरासत में लेने वाले प्राधिकारी द्वारा आदेश में बताई गई परिस्थितियां राज्य के लिए जमानत रद्द करने के लिए सक्षम न्यायालयों से संपर्क करने के लिए पर्याप्त आधार हो सकती हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि इसके लिए उसकी एहतियातन हिरासत को उचित ठहराया जाए।'

डॉक्टर पर भड़के गोवा के स्वास्थ्य मंत्री, वीडियो वायरल होने के बाद बोले मैं नहीं मांगूंगा माफी, बताई वजह

गोवा, 8 जून (एजेंसियां)। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वे अस्पताल में मौजूद सीनियर डॉक्टर को संस्पेंड करने की धमकी देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में मंत्री ने डॉक्टर से कहा कि ज़ुबान पर काबू रखना सीखो। गोवा कांग्रेस ने भी शेयर ये वीडियो शेयर किया है। इसके बाद से ही इसको लेकर खींचतान शुरू हो चुकी है। अब पूरे मामले में मंत्री की सफाई भी सामने आई है। स्वास्थ्य मंत्री ने पूरे मामले को लेकर कहा कि वह एक मरीज के साथ खड़े होने के लिए माफी नहीं मांगेंगे, जिसे इलाज से वंचित रखा गया। वहां मरीज के साथ गलत व्यवहार किया गया है। यही कारण है कि डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वीडियो वायरल होने के बाद शाम मंत्री राणे मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा कि हां, स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, मैंने हस्तक्षेप किया और मैं स्वीकार करता हूं कि मेरे लहजे और शब्दों में और अधिक संयम हो सकता था। मैं चिंतन या आलोचना से ऊपर नहीं हूं। मैंने जिस तरह से बातचीत की। उसके लिए मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और मैं आपको आश्वासन देता हूं कि इस तरह का दृष्टिकोण दोहराया नहीं जाएगा। मंत्री राणे ने कहा कि इस मामले में मैं माफी नहीं मांगूंगा, वह है मरीज के साथ खड़े थे, जिसे देखभाल से वंचित किया गया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों का समाज में एक महान स्थान है और जी।एम।सी।एच। में उनमें से अधिकांश बहुत समर्पण के साथ सेवा करते हैं। राणे ने कहा, "लेकिन जब अहंकार कर्तव्य में घुस जाता है, जब करुणा उदासीनता में बदल जाती है, तो कार्रवाई करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हम सिस्टम को ठीक करने के प्रयासों का समर्थन करें, न कि उन्हें नष्ट करें। वीडियो वायरल होने का पूरा मामला शनिवार का है। जब मंत्री को किसी एक मरीज ने कॉल पर शिकायत की थी कि डॉक्टर ने इलाज करने के मना कर दिया है। इसके साथ ही उनका व्यवहार भी सही नहीं था। शिकायत मिलने के बाद मंत्री निरीक्षण करने पहुंच गए। अस्पताल पहुंचे मंत्री ने डॉक्टर को देखकर आपा खो दिया। इसके साथ ही तुरंत सस्पेंड करने के आदेश भी दे दिए और डॉक्टर को अस्पताल परिसर में स्टाफ के सामने ही फटकार लगा दी।

डॉक्टर्स में गुस्सा, कांग्रेस ने बनाया मुद्दा

वीडियो सामने आने के बाद गोवा कांग्रेस ने इसे मुद्दा बना लिया है। वीडियो वायरल होने पर गोवा के स्वास्थ्य मंत्री की आलोचना की जा रही है। यही कारण है कि अब डॉक्टर्स का गुस्सा भी मंत्री के ऊपर निकल रहा है।

'वह मरे हुए व्यक्ति हैं'जो डर गया है वह मर गया है

राहुल गांधी के बिहार में 'चुनावी धांधली' की आशंका वाले बयान पर गिरिराज की हुंकार

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' का आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी की गई और मतदान प्रतिशत में असामान्य वृद्धि हुई। 'चुनावी धांधली' का यह खाका अब बिहार में भी लागू किया जा सकता है। उनके इस बयान पर एनडीए नेता उन पर लगातार हमलावर हैं। अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी उन पर हमला बोला और उन्हें मरा व्यक्ति बताया।

गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर क्या कहा?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल को हार का जायजा मिल गया है। सरकार एनडीए की आना तय है। राहुल गांधी को पता चल गया है कि जनता एनडीए के साथ है, जो डर गया सो मर गया। वह मरे हुए व्यक्ति हैं। जो डर गया है वह मर गया है। गिरिराज सिंह ने ये भी कहा, राहुल गांधी नए तरीके के मौसम वैज्ञानिक बन चुके हैं, हार के मौसम वैज्ञानिक और वे अपनी हार का अनुमान लगा चुके हैं। जनता आज एनडीए के साथ इसलिए हैं, क्योंकि आज हर गांव में सड़क है, बिजली है, स्वास्थ्य है और हर क्षेत्र में सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी को यह मालूम है कि जनता एनडीए के साथ है। इसलिए वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। राजनीतिक दृष्टि से उनमें कोई जान नहीं है।

'राहुल गांधी ने देशद्रोही का काम किया'

उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी ने देशद्रोही का काम किया है। सेना का शौर्य पर ओपजिशन पीएम मोदी को गाली नहीं दे। अगर राहुल गांधी, गांधी परिवार के बच्चे नहीं होते तो राजनीति में इन्हें कोई नहीं पूछता। उन्होंने तेजस्वी यादव पर भी हमला बोला और कहा कि वो अपने पिताजी से पूछें किसे रिश्वत और रेप कहते हैं। इनके कार्यकाल में सारे कुर्कम हुए।

राहुल गांधी के 'मैच फिक्सिंग' वाले बयान पर बोले नीरज कुमार- चुनाव आयोग ने उन्हें बेनकाब किया

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा है कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 'लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट' था। उन्होंने दावा किया कि यह 'मैच फिक्सिंग' अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी हार रही होगी। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया है। एनडीए नेताओं का कहना है कि संवैधानिक संस्थानों पर इस तरह के बयान देना सही नहीं है। चुनाव आयोग ने भी राहुल गांधी के इन आरोपों का जवाब दिया है। वहीं जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि उन्होंने बेबुनियाद आरोप लगाए हैं।

राहुल के चुनाव फिक्सिंग वाले बयान पर बवाल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'चुनाव फिक्सिंग' वाले बयान पर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा, राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, लेकिन शायद उन्हें इस जिम्मेदारी का महत्व नहीं पता। जब वे चुनाव जीतते हैं, तो ईवीएम ठीक है, लेकिन जब हारते हैं, तो कहते हैं कि नतीजों को प्रभावित किया गया। संवैधानिक संस्थाओं पर इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है। जिस तरह से उन्होंने बेबुनियाद आरोप लगाए और जिस तरह से चुनाव आयोग ने उन्हें राजनीतिक रूप से बेनकाब किया, अब उनके पास बचाव के लिए क्या बचा है? बता दें कि चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि 'यह बहुत अजीब है कि पिछले साल 24 दिसंबर को आयोग के जरिए कांग्रेस को लिखे गए विस्तृत पत्र के बावजूद राहुल गांधी अपने निराधार संदेहों का जवाब मांगने के लिए बार-बार मीडिया से बात कर रहे हैं और पत्र लिख रहे हैं।'

चुनाव आयोग का राहुल गांधी को जवाब

उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने छह राष्ट्रीय दलों को अलग-अलग बातचीत के लिए आमंत्रित किया था और कांग्रेस को छोड़कर सभी ने चुनाव अधिकारियों से मुलाकात की। कांग्रेस ने 15 मई को चुनाव आयोग के जरिए प्रस्तावित बैठक को रद्द कर दिया था। अधिकारी ने कहा, 'यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी खुद चुनाव आयोग को पत्र लिखने और जवाब पाने से क्यों कतरा रहे हैं।'

यूट्यूबर मनीष कश्यप का बीजेपी से इस्तीफा

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के मशहूर यूट्यूबर और बीजेपी नेता मनीष कश्यप ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। एक वीडियो जारी करते हुए मनीष कश्यप ने कहा कि वो बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी छोड़ने के बाद वो किसी पार्टी में शामिल होंगे या फिर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे, इस पर मनीष कश्यप ने खुलकर बात की। मनीष कश्यप ने कहा कि बीजेपी में शामिल होना उनकी गलती थी। उन्होंने इसके लिए लोगों से माफी भी मांगी है। वही उन्होंने इशारों इशारों में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की बात भी कही। रविवार को फेसबुक लाइव आकर मनीष कश्यप ने अपने इस्तीफे का ऐलान किया। मनीष ने कहा, मैं अब भाजपा का सक्रिय सदस्य नहीं हूं। भाजपा में रहकर खुद को नहीं बचा पाया तो लोगों की मदद कैसे करूंगा? हालांकि पीएम मोदी के बारे में उन्होंने कहा कि वे हमेशा एक सफल प्रधानमंत्री रहेंगे। पार्टी में न रहने के बाद भी वे बेवजह उनके खिलाफ नहीं बोलेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि बीजेपी में रहने का मतलब है अपनी आंखों के सामने अपने ही लोगों के साथ हो रहे भ्रष्टाचार पर पर्दा डालना। मुझे मजबूर होकर ये फैसला लेना पड़ा। मनीष कश्यप ने कहा कि मुझे लगा था कि इन लोगों के साथ रहकर मैं और मजबूती से लोगों की मदद कर पाऊंगा, लेकिन मैं खुद की मदद नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि वह स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ आवाज उठाएंगे।

'देशभर में हेल्थकेयर का मजबूत नेटवर्क बना रही है सरकार'

प्रयागराज दौरे पर बोलीं केंद्रीय मंत्री

प्रयागराज, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अनुप्रिया पटेल कहा कि पिछले 11 साल में केंद्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है।

सरकार ने 20 साल पुरानी नीति को बदल कर नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लाने का काम किया है, जिसके तहत आज हम हर तरीके के हेल्थ केयर पर ध्यान दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि गांव-गांव तक स्वास्थ्य की सुविधा पहुंचाने के लिए पूरे देश में डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान केंद्र स्थापित किए गए हैं। 12 तरह की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आम नागरिक ले रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के माध्यम से आम जनता को किफायती दर पर दवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

हमारा उद्देश्य आम जन को स्वास्थ्य की सेवाएं सुलभ और किफायती उपलब्ध कराना है। इस दिशा में हमारी सरकार बेहतर काम कर रही है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुआ है और लोगों को चिकित्सा सुविधा हर जगह मिल रही है।

कांग्रेस की बयानबाजी पर अनुप्रिया का पलटवार

वहीं, प्रतिनिधिमंडल के विदेश दौरे को लेकर की गई कांग्रेस की बयानबाजी को भी पटेल ने अनावश्यक करार दिया। उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर देश के सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस के नेता इस विषय पर अनावश्यक राजनीति कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल जिन देशों में गया है, वहां से आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति की सराहना की गई है, इस मोर्चे पर वह देश भारत के साथ खड़े हैं, इस बात को सभी देशों ने स्पष्ट रूप से कहा है। इस प्रतिनिधिमंडल की ओर से ऑपरेशन सिंदूर में दिए गए निर्णय और देश की नीतियों के बारे में बताया गया है।"

प्रशिक्षु रेलवे अधिकारियों ने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

लखनऊ, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (यातायात) के 13 परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक दल ने अतिरिक्त महानिदेशक संजय त्रिपाठी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने भारतीय रेलवे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे इन युवा अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश जैसे गतिशील और घनी आबादी वाले राज्य में आर्थिक विकास को गति देने, क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने और समावेशी विकास में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों से कहा कि वे नवाचार को अपनाएं और उभरती हुई तकनीकों का उपयोग करके यात्री सेवाओं, सुरक्षा और संपूर्ण रेलवे प्रणाली की दक्षता को बेहतर बनाएं। उन्होंने अधिकारियों को अपने करियर में ईमानदारी, पेशेवर प्रतिबद्धता और जनसेवा की भावना से अपने कर्तव्य का पालन करने पर जोर दिया। अतिरिक्त महानिदेशक संजय त्रिपाठी ने बताया कि यह भेंट परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रही। संकाय सदस्यों ने मुख्यमंत्री को उनके बहुमूल्य समय और उत्साहवर्धक मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। यह संवाद भारतीय रेलवे के इन भावी अधिकारियों की पेशेवर यात्रा की शुरुआत में एक प्रेरक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान के डीन शिशिर सोमवंशी, कोर्स निदेशक अम्बर प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

एके-47 के साथ गिरफ्तार एएसआई सरोज सिंह की और बढ़ी मुश्किलें

कहां से आया हथियारों का जखीरा? तेज हुई तफ्तीश

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। एके-47 और इंसास राइफल के साथ गिरफ्तार किए गए निलंबित एएसआइ सरोज सिंह की मुश्किलें अभी और बढ़ेंगी हिार पुलिस ने सरोज सिंह के समस्तीपुर और पटना के ठिकानों से बरामद करीब चार करोड़ रुपये के मूल्य की जमीन के कागजातों की जांच शुरू कर दी है। सरोज के ठिकानों से डेढ़ दर्जन से अधिक जाली मुहरें भी मिली हैं, ऐसे में इन दस्तावेजों की वैधता की भी जांच की जा रही है। आर्थिक अपराध और आय से अधिक संपत्ति के मामले को देखते हुए इस जांच में आर्थिक अपराध इकाई व अन्य जांच एजेंसियों की भी मदद लेने की तैयारी है।

इसके अलावा बड़ी संख्या में मिले हथियारों को लेकर हथियार तस्करी के नेटवर्क को भी खंगाला जा रहा है। संजीव के साथ गिरफ्तार अन्य अभियुक्तों से पूछताछ के आधार पर पुलिस इनके सहयोगियों की भी तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सरोज सिंह और उसके सहयोगियों के पास से बरामद संपत्ति दस्तावेजों में बिहार के अलावा अन्य राज्यों में निवेश के भी दस्तावेज मिले हैं। इनमें बड़ी संख्या में प्लाट की रजिस्ट्री की प्रतियां हैं, जिनकी वैधता और स्वामित्व की जांच की जा रही है। इसके लिए संबंधित निबंधन कार्यालयों से सत्यापन कराया जाएगा। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरणों की भी तकनीकी जांच करा रही है।

इसके लिए एफएसएल की मदद ली जाएगी। सरोज सिंह की पोस्टिंग वाले जिलों से भी उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। ड्यूटी के दौरान उसकी कार्यशैली किस तरह की थी, वह जिले में किन-किन लोगों के संपर्क में था, यह सारी जानकारी पुलिस और एसटीएफ की टीम जुटा रही है। सरोज सिंह के ठिकानों से बरामद हथियारों और गोलियां की भी जांच कर यह पता लगाया जा रहा है कि उसके पास इतनी बड़ी संख्याममें हथियार कैसे पहुंचें।

20 लाख की डायमंड ज्वेलरी से भरा बैग लेकर भागा बंदर, घंटों की भागा-दौड़ी के बाद मिला बैग!

अलीगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। वृन्दावन में ठाकुर बांके बिहारी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे अलीगढ़ के आभूषण कारोबारी अभिषेक अग्रवाल की जान उस समय सांसत में आ गई जब एक बंदर 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण से भरा उनका थैला छीनकर भाग गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

कोतवाली प्रभारी प्रशांत कपिल ने बताया कि अभिषेक अग्रवाल परिवार के साथ ठाकुर जी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे थे और वह शुक्रवार को लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि जब वह पार्किंग में थे तभी अचानक एक बंदर उनके हाथ से उनका थैला छीन कर ले गया जिसमें 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण थे। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) संदीप सिंह ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने बंदर की घेराबंदी कर घंटों की मशक्कत के बाद बैग सही सलामत हासिल कर उसके मालिक को सौंप दिया।

खगड़िया में गंगा कटाव रोकने के नाम पर बड़ा घोटाला

सांसद के निरीक्षण में खुली पोल

मुंगेर, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के खगड़िया जिले में गंगा नदी के कटाव को रोकने के लिए चल रही परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। सांसद राजेश वर्मा के औचक निरीक्षण में खुलासा हुआ कि ठेकेदार निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं और सूखे सफेद बालू की जगह गीली मिट्टी से जियो बैग भर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सांसद को यह भी पता चला कि निर्माण सामग्री पास के ही स्थान से अवैध रूप से निकाली जा रही है, जिससे न केवल नियमों की अवहेलना हो रही है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। चौंकाने वाली बात यह रही कि जियो बैग के स्थान पर सीमेंट की पुरानी बोरियों का उपयोग हो रहा था। साथ ही 150 मीटर से अधिक बल्ला पाइलिंग कार्य को पूर्ण बताया गया था, लेकिन निरीक्षण में यह अधूरा निकला। बेलदौर प्रखंड के तेलिहार क्षेत्र में कोसी नदी के किनारे हो रहे कटाव रोधी कार्य में भी इसी तरह की धांधली सामने आई। जियो बैग का वजन 110 से 120 किलो पाया गया, जो निर्धारित मानक से बहुत कम है। सांसद ने इसे ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का सिंडिकेट करार दिया। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता ने खुद यह स्वीकार किया कि कार्य एजेंसियां गलत तरीके से कार्य कर रही हैं। वहीं, सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि जेई मणिकांत पटेल और शेखर गुप्ता जैसे अधिकारी 7 वर्षों से खगड़िया में एक ही जगह पर तैनात हैं, जिससे विभागीय मिलीभगत की आशंका और गहरी हो गई है।

'सुकून से मिट्टी देना, किसी से डरना नहीं'

खुद का गला काटकर शख्स ने बकरीद पर दी कुर्बानी

देवरिया, 8 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने बकरीद पर बकरे की कुर्बानी की जगह खुद की कुर्बानी दे दी है। शख्स ने खुद का गला रेतने से पहले एक लेटर भी लिखा है जिसमें उसने इस बात का जिक्र किया है। शख्स अपना गला रेतने के बाद करीब एक घंटे तक तड़पता रहा है जिसके बाद उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान शख्स ने दम तोड़ दिया है। दरअसल यह पूरा मामला देवरिया के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के उधोपुर गांव का है। जहां रहने वाले 60 साल के ईश मोहम्मद ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़कर घर आया। उसके बाद उसने अपने घर के बाहर बनी झोपड़ी में खुद का गला रेत कर खुद की कुर्बानी दे दी। ईश मोहम्मद करीब एक घंटे तक झोपड़ी में तड़पता रहा। जिसके बाद परिवार वालों ने उसकी कराह सुनी और दौड़कर पहुंचे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। ईश मोहम्मद को उनके परिजन तुरंत गोरखपुर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, यहां ईश मोहम्मद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं ईश मोहम्मद ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है। इस नोट में उन्होंने लिखा है कि "इंसान अपने घर में बकरे को बेटे की तरह पोसकर कुर्बानी करता है, वो भी जीव है। कुर्बानी करनी चाहिए, मैं खुद अपनी कुर्बानी अल्लाह के रसूल के नाम से कर रहा हूं। किसी ने मेरा कत्ल नहीं किया है। सुकून से मिट्टी देना, किसी से डरना नहीं है। जिस जगह खूंटा है उसी जगह पर मेरी कब्र होना चाहिए। इस मामले पर एडिशनल एसपी देवरिया अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि यूपी 112 पर कॉलर द्वारा सूचना दी गई कि थाना गौरीबाजार के एक व्यक्ति ने अपना गला काट लिया है। इस सूचना पर पीआरवी तत्काल मौके पर पहुंची और घायल ईश मोहम्मद अंसारी को एंबुलेंस द्वारा उपचार हेतु मेडिकल कालेज देवरिया भेजा गया। पुनः उनकी स्थिति गम्भीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिये बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कराया गया। दुर्भाग्यवश इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। नियमानुसार पीएम और पंचायनामा की कार्रवाई कराई जा रही है। मौके की जांच एवं फील्ड यूनिट द्वारा उपलब्ध कराए गये साक्ष्य से भी प्रथम दृष्टया स्वंय द्वारा गला काटने की बात की पुष्टि हुई है।

बरेली के पार्कों में हैदरी दल की दबंगई

मुस्लिम युवतियों को धमकाते हैं युवक, नकाब उतारने का बनाते हैं दबाव

बरेली, 8 जून (एजेंसियां)। मुस्लिम युवकों ने हैदरी दल के नाम से संगठन शुरू कर दिया है। इस दल के सभी कार्यकर्ता पार्कों में जाकर युवक-युवतियों के वीडियो बनाते हैं और किसी हिंदू युवक के साथ मुस्लिम युवती के मिलने पर उसे धमकाते हैं। उसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करते हैं। वीडियो पर लिखते हैं कि समझाने पर नहीं मानी तो हिजाब की इज्जत नीलाम नहीं होने देंगे। वीडियो में युवती का नाम उसके माता-पिता का नाम पूछकर भी पहचान उजागर की जा रही है। इस मामले में हिंदू संगठन के नेता हिमांशु पटेल ने एक्स पर शिकायत की है। मामले में कोतवाली पुलिस को पूरे प्रकरण की जांच कर कार्रवाई को आदेशित किया गया है। इंस्टाग्राम पर सोफियां-आठ के नाम से एक आइडी बनाई गई, जिसका नाम हैदरी दल बरेली रखा गया। इस आइडी पर प्रसारित वीडियो गांधी उद्यान बरेली के हैं। जिसमें कुछ लोग पार्क में बैठे युवक युवतियों की सीधा वीडियो बनाना शुरू कर उनसे पूछताछ शुरू कर देते हैं। एक वीडियो में वह एक मुस्लिम युवती से उसका नाम पता और निवास पूछ रहे हैं। जब युवती ने अपना नाम पता सब बता दिया तो माता-पिता का नाम पूछा। युवती ने कहा कि उसके माता-पिता नहीं हैं तो वीडियो बनाने वालों ने उसे धमकाया कि अगर माता-पिता नहीं हैं तो अय्याशी करोगी। इसके बाद वीडियो पोस्ट कर उस पर युवती का पता लिखते हुए लिखा कि 'यह गैर मुस्लिम लड़के के साथ अय्याशी करते हुए पकड़ी गई। हम नहीं चाहते कि हमारी बहन बेटी किसी का शिकार बने और समझाने के बाद भी नहीं मानेगी तो हम हिजाब की इज्जत नीलाम नहीं होने देंगे' इसके बाद एक और वीडिया पोस्ट किया गया। जिसमें एक महिला से कुछ लोग बदतमीजी करते हुए दिखाई दे रहे। वीडियो में उन्होंने एक युवक के माथे पर जूम कर उसका तिलक दिखाया और कहा कि किसी और के साथ नकाब में नहीं बैठोगी। युवती ने विरोध किया तो लोगों ने उससे कहा कि सुन लोग किसी और के साथ यह नकाब उतार कर बैठोगी। तुम्हारे मां-बाप की जागीर नहीं है यह नकाब, यह फातिमा की जागीर है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा कि, युवती और वीडियो बनाने वाले के बीच काफी नोकझोंक हो रही।

भदोही में रोज उत्पात मचा रहे शराबी, थार से कई गाड़ियों को रौंदने का वीडियो आया सामने

भदोही, 8 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही में शराब की एक दुकान स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। यहां मर्यादपट्टी इलाके में मंदिर और दो मस्जिद आसपास बने हुए हैं। इन्हीं के पास एक शराब का ठेका भी है। भीड़भाड़ वाले इलाके में शराब का ठेका होने के कारण लोगों को खासी परेशानी हो रही है। यहां शराब पीकर लोग अक्सर हंगामा करते रहते हैं और रोजाना विवाद होते रहते हैं। शनिवार के दिन भी यहां थार और वेन्यू कार में सवार लोगों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद थार चला रहे व्यक्ति ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि थार की टक्कर से तीन बाइक गिर गई थीं। हालांकि, इनमें सवार लोग कुचले जाने से बाल-बाल बच गए। इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं।

दुकानदार ने रुपये देखकर बुला ली पुलिस

फेक करेंसी का हुआ भंडाफोड़, पैथोलॉजी में छाप रहे थे नकली नोट

अमरोहा, 8 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर 1150 रुपये के 50 के 23 नकली नोट, एक प्रिंटर समेत नोट बनाने से संबंधित सामग्री बरामद की है। गिरोह में पैथोलाजी लैब का संचालक भी शामिल है। एसपी अमित कुमार आनंद ने गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बताया कि ढवारसी में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में आरोपित अजय निवासी चंदपुरा व पवन निवासी मिलक गोजनी थाना एचोड़ा कंबोह ने सब्जी विक्रेता को नकली नोट चलाने का प्रयास किया था। यहां लोगों की सूचना पर दोनों आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार करके पूछताछ की। जिसमें आरोपितों ने बताया कि वह इंडियन पैथोलाजी लैब एचोड़ा कंबोह में नकली नोट तैयार करते हैं। एसपी ने बताया, कि लैब का संचालक अनुज निवासी मिलक गोजनी है। इसके बाद पुलिस ने संबंधित लैब से

अनुज को भी पकड़ लिया। तीनों की निशानदेही पर 1150 रुपये जिसमें 50 के 23 नकली नोट, एक प्रिंटर, 35 सादा पेपर, 35 सादा सफेद पेपर, छपे हुए दस पेपर, चार फ्रेम कटिंग पेपर, एक पेपर जिस पर दोनों तरफ से 50-50 के चार नोट सैलो टेप की सहायता से चिपके हुए, एक संदिग्ध बाइक तथा तीन मोबाइल बरामद किए हैं।

एसपी ने बताया कि आरोपित अनुज तीन वर्ष से एचोड़ा कंबोह में पैथोलाजी लैब चला रहा है। अजय और पवन भी इस पर ही काम करते हैं। एक माह पहले वह प्रिंटर खरीद कर लाए थे। लैब पर काम कम होने के कारण वह सफेद कागज पर असली नोट पारदर्शी कागज पर चिपका कर 50 रुपये के नोट फोटो स्टेट करके नकली करेंसी तैयार कर रहे थे।

पवन ने चार-पांच नोट परचून की दुकान पर चलाए थे। उसके बाद दोबारा नोट तैयार करके ढवारसी में चलाने के लिए आए थे। पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चालान कर दिया है। इस अवसर पर सीओ दीप कुमार पंत, प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

राहुल गांधी पर जनता पहले भी भरोसा नहीं करती थी और आज भी नहीं करती

मीडिया से बातचीत में बोले शेखावत

जोधपुर, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे चाहे चुनाव आयोग या अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर कितनी भी फौरी टिप्पणियां क्यों न कर लें? लेकिन देश की जनता ने उन पर पहले भी भरोसा नहीं किया था, आज भी नहीं करती है और भविष्य में भी नहीं करेगी।

गृह नगर पहुंचे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि संवैधानिक संस्थाओं और देश की लोकतांत्रिक उपलब्धियों को बार-बार कठघरे में खड़ा करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणियों का उद्देश्य न केवल भारत की वैश्विक छवि को धूमिल करना है, बल्कि देश

की संस्थाओं के प्रति आम जनमानस में सम्मान और विश्वास को भी कमजोर करना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनकी यह मानसिकता बताती है कि राहुल गांधी जैसे नेता भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और उसकी संस्थाओं की मजबूती को स्वीकार करने में असमर्थ हैं, किंतु देश की जागरूक जनता न तो उनके बयानों से भ्रमित होती है, न ही ऐसे गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर भरोसा करती है।

राजस्थान में गुर्जर आरक्षण आंदोलन को लेकर पूछे सवाल पर शेखावत ने कहा कि सरकार इस संदर्भ में बातचीत कर रही है, जल्द ही निष्कर्ष निकल जाएगा। आज केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावात अपने गृह नगर में रहेंगे और कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पत्नी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने जयपुर से खींवसर पहुंचे। इसके बाद वे टेहला में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत की धर्मपत्नी रतन कंवर के असामयिक देवलोक गमन पर आयोजित शोकसभा में शामिल हुए।

गुर्जर महापंचायत समाप्ति की घोषणा पर दो फाड़

नाराज युवा गुट ने ट्रेन रोककर किया हंगामा

भरतपुर, 8 जून (एजेंसियां)। पीलूपुरा में चल रही गुर्जर महापंचायत को लेकर समाज में दो गुट बन गए हैं। संयोजक विजय बैंसला ने महापंचायत समाप्ति की घोषणा कर दी, क्योंकि सरकार का मसौदा सुनकर वरिष्ठों ने निर्णय लिया था। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट मसौदा पर बनी सहमति।

इस फैसले से नाराज युवाओं ने रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन को रोक दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकरियों का कहना है कि हम विजय बैसला का निर्णय नहीं मानते। यह महापंचायत शहीद स्मारक कारवारी पीलूपुरा में आयोजित की गई थी। पंच पटेल युवाओं को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि युवाओं का कहना है कि वे सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया है और स्थिति को

संभालने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य सरकार के मंत्री जवाहर बेढम ने कहा कि विजय बैंसला खुद वार्ता के लिए कभी सामने नहीं आए. उन्होंने कहा कि सरकार बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन संघर्ष समिति को आगे आकर संवाद करना होगा। बेढम ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने समझौते लागू नहीं किए थे, लेकिन वर्तमान सरकार के दरवाजे खुले हैं।

प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, भारी पुलिस बल तैनात : महापंचायत को देखते हुए भरतपुर के बयाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है।

आरएसी की 6 कंपनियां तैनात की गई हैं. आईजी राहुल प्रकाश और करौली कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने विजय बैंसला से मुलाकात कर हालात की समीक्षा की. पुलिस, प्रशासन और खुफिया एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं. बयाना की विधायक ऋतु बनावत ने भी गुर्जर महापंचायत को समर्थन देते हुए कहा कि वे स्वयं इसमें शामिल होंगी और विधानसभा में भी समाज की मांगों को उठाएंगी. महापंचायत में एमबीसी आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने, रोस्टर प्रणाली को दुरुस्त करने, देवनारायण योजना के सही क्रियान्वयन और पुराने आरक्षण आंदोलनों में दर्ज मुकदमों को वापस लेने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी.

विजय बैंसला की अगुवाई में अब तक 300 से अधिक गांवों में पीले चावल बांटकर लोगों को महापंचायत के लिए आमंत्रित किया जा चुका है।

अब भारत आंख से आंख मिलाकर देता है जवाब: गौतम दक

11 वर्षों की मोदी सरकार ने रचा गौरव का इतिहास

राजसमंद, 8 जून (एजेंसियां)। भाजपा के राजसमंद जिला कार्यालय में आयोजित "संकल्प से सिद्धि तक" कार्यशाला, एक राजनीतिक सभा से कहीं अधिक, एक प्रेरणादायी मंच बन गई। इसमें सहकारिता मंत्री गौतम दक ने अपनी भावनात्मक और दृढ़ वक्तव्य से उपस्थितजनों को देश की उपलब्धियों की याद दिलाई और आगामी चुनावी तैयारियों की दिशा भी दिखाई। गौतम दक ने अपने भाषण में जोर देते हुए कहा, "2014 के बाद भारत ने सीखा है आंख से आंख मिलाकर जवाब देना। अब दुनिया हमें कमज़ोर नहीं समझती। ये 11 साल का परिणाम है।"

दक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले ग्यारह वर्षों में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और सशक्त विदेश नीति की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत केवल विकासशील देश नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर निर्णय लेने वाला एक मजबूत देश बन चुका है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने साबित किया है कि भारत अब सिर्फ सुनने वाला नहीं, बोलने और निर्णायक भूमिका निभाने वाला देश है।

अपने संबोधन में दक ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सुनिश्चित हुआ है कि गरीब वर्ग को मिलने वाला पैसा अब सीधे उनके खाते में पहुंचता है। उन्होंने कहा अब बिचौलियों का युग समाप्त हो चुका है। जो दिल्ली से निकलता है, वह सीधे गरीब के हाथों में पहुंचता है। भाजपा जिला अध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने अपने वक्तव्य में पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि "अगर भाजपा आज वैश्विक मंच पर अपनी छवि बना चुकी है, तो इसका श्रेय उन कार्यकर्ताओं को है जो हर घर तक विचार और योजनाएं पहुंचाते हैं। पालीवाल ने यह भी जोड़ा कि "संकल्प से सिद्धि" केवल एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन का यज्ञ है, जिसमें हर कार्यकर्ता यज्ञकर्ता की भूमिका निभा रहा है।

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कार्यकर्ताओं और जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा 2014 से जो यात्रा शुरू हुई थी, वह 11 वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ी है। यह सफलता केवल नेतृत्व की नहीं, आप सभी के समर्पण की देन है। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित जनों से आगामी समय में भी समान जोश और ऊर्जा के साथ पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

जिला प्रमुख रतनी देवी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस बात को सुनिश्चित करें कि मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी पार्टी निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, पंचायत समिति प्रधान अरविंद सिंह राठौड़, सुनील गांधी, प्रदीप काबरा, खुशकमल कुमावत, रमन कंसारा, पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहट, वीरेंद्र पुरोहित, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सविता सनाढ्य, मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य पार्टी के "11 वर्षों की उपलब्धियां" जन-जन तक पहुंचाना और अगले चरण में चुनावी तैयारियों को मज़बूत करना था। इसमें नीति, विचारधारा और संगठनात्मक विस्तार पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

नई ग्राम पंचायतों को बड़ा झटका!

भजनलाल सरकार अभी जारी नहीं करेगी अधिसूचना

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार प्रस्तावित नई ग्राम पंचायत की अधिसूचना अभी जारी नहीं करेगी। सरकार की ओर से जयपुर जिले में परमानपुरा को ग्राम पंचायत बनाने के प्रस्ताव पर हाईकोर्ट में यह अंडरटेकिंग दी गई। कोर्ट ने इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए आगामी सप्ताह तक सुनवाई टाल दी। न्यायाधीश अशोक कुमार जैन व न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने भागीरथ प्रसाद जाट व अन्य की अपील पर यह आदेश दिया।

अपीलार्थिया की ओर से अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने नई ग्राम पंचायत बनाने और उनके पुनर्गठन के लिए 10 जनवरी, 24

जनवरी व 13 फरवरी 2025 को दिशा-निर्देश जारी किए। इसके अंतर्गत कहा गया कि निर्धारित प्रक्रिया एवं मापदंड के अनुसार जनगणना-2011 के आंकड़ों के आधार पर नई ग्राम पंचायतों का गठन किया जाएगा। जयपुर जिले के शाहपुरा के उपखण्ड अधिकारी ने दिशा-निर्देशों की अनदेखी कर ग्राम पंचायत महारखुर्द का पुनर्गठन किया और राजस्व ग्राम गुलाब बाड़ी को अलग कर दिया।

ग्राम परमानपुरा को नई ग्राम पंचायत बनाने का प्रस्ताव भी कलक्टर को भेज दिया, जबकि गुलाबबाड़ी की जनसंख्या ग्राम परमानपुरा से ज्यादा है। ग्राम गुलाबबाड़ी स्टेट हाईवे पर है। यहां महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, ए श्रेणी का पशु चिकित्सालय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र भी है। इसके अलावा ग्राम पंचायत परमानपुरा की ग्राम गुलाबबाड़ी से दूरी पांच किमी है। ऐसे में ग्राम गुलाबबाड़ी को पंचायत मुख्यालय बनाया जाना चाहिए।

कार में आग लगने से सरकारी डॉक्टर जिंदा जला

भरतपुर, 8 जून (एजेंसियां)। भरतपुर में एक दर्दनाक हादसा। भुसावर के वैर-भुसावर सड़क मार्ग पर थाने से 100 मीटर की दूरी पर एक कार असंतुलित होकर दीवार से टकरा गई। कार में लगी आग से एक डाक्टर कार में जिंदा जल गया। इस घटना की सूचना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। साथ ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा भुसावर के सरकारी अस्पताल में चिकित्सक के पद पर सेवारत विनोद मीणा अपनी कार को चलाते समय गाड़ी का संतुलन खो बैठे। गाड़ी बैक करते समय सड़क को पार कर पीछे मकान की दीवार से जा कर टकरा गई। जिसके बाद कार एक आग के गोले में बदल गई। कार में भयंकर आग लग जाने से चिकित्सक गाड़ी से बाहर नहीं निकल सके। सूचना पर तुरन्त भुसावर पुलिस मय अग्निशमन वाहन के घटनास्थल पर पहुंची। दमकलकर्मियों तथा घटनास्थल पर उपस्थित लोगों ने कार में लगी आग पर काबू पाया।

मौके पर गई भुसावर पुलिस ने मृतक चिकित्सक विनोद मीणा के शव को भुसावर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। पुलिस ने मृतक चिकित्सक विनोद मीणा के परिजनों को घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि मृतक चिकित्सक विनोद कुमार मीणा बजीरपुर के पढ़के गांव का निवासी है। मृतक चिकित्सक विनोद कुमार मीणा का रविवार को उनके परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

आबूरोड स्थित फैक्ट्री पर कृषि विभाग की छापेमारी

1511 बैग संदिग्ध डीएपी और सफेद पाउडर जब्त

सिरोही, 8 जून (एजेंसियां)। जिले में नकली उर्वरकों के खिलाफ की गई पहली कार्रवाई में कृषि विभाग ने आबूरोड के रीको औद्योगिक क्षेत्र, मावल स्थित एक इकाई पर छापा मारकर 1511 बैग संदिग्ध डीएपी और 500 पैकेट सफेद पाउडर जब्त किए हैं। बर्ड एग्रो नामक इस फर्म के पास वैध लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर और क्रय-विक्रय से जुड़े दस्तावेज भी नहीं पाए गए।

ऑपरेशन डीकोय के तहत की गई इस कार्रवाई के दौरान विभाग को खाद के बैग बड़ी मात्रा में बिना वैधानिक अनुमति के स्टोर किए हुए मिले। जांच के बाद इन सभी बैग्स और पाउडर के सैंपल प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए हैं।

कार्रवाई में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक शंकरलाल मीणा के नेतृत्व में उपनिदेशक ओमप्रकाश बैरवा, सहायक निदेशक डॉ. पन्नालाल चौधरी, पवन कुमार बरडिया, पौध संरक्षण अधिकारी विक्रमसिंह मीणा और सहायक कृषि अधिकारी संदीप मीणा शामिल रहे।

संयुक्त निदेशक ने किसानों से अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी आदान विक्रेताओं से ही बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदें और हर बार पक्का बिल जरूर लें। जिले में इस तरह की अनियमितताओं की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके प्रभारी डॉ. पन्नालाल चौधरी हैं, जिनसे मोबाइल नंबर 86191-51163 पर संपर्क किया जा सकता है। किसानों से आग्रह किया गया है कि किसी भी तरह की शिकायत या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।+

दहेज के लालची दूल्हे ने फेरों से पहले मांगी फॉर्च्यूनर कार

बीच मंडप से बारात लेकर लौटा

झुंझुनू, 8 जून (एजेंसियां)। जिले में दहेज के लालच का एक शर्मनाक मामला सामने आया है, जहां शादी के मंडप में फेरे से पहले दूल्हे ने दहेज में लग्जरी फॉर्च्यूनर कार की मांग रख दी। मांग पूरी नहीं होने पर वह आधी बारात के साथ शादी छोड़कर चला गया। यह घटना गुढ़ागौड़जी थाना क्षेत्र के एक गांव की है, जिसकी पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। दरअसल गांव में धूमधाम से शादी समारोह का आयोजन किया गया था। दुल्हन के पिता जो सिलाई का काम करके परिवार चलाते हैं, ने अपनी हैसियत के अनुसार शादी की सभी तैयारियां की थीं। स्टेज पर जयमाला कार्यक्रम के बाद अचानक दूल्हे ने फेरों से इंकार करते हुए शर्त रखी कि जब तक उसे फॉर्च्यूनर कार नहीं दी जाती, वह शादी नहीं करेगा। दुल्हन के पिता ने रोते हुए बताया कि उनके पास इतनी महंगी कार देने की क्षमता नहीं थी।

खाटूश्याम मंदिर से तीन साल के बच्चे को लेकर फरार हुआ बदमाश

भोपाल से दर्शन करने आई थी महिलाएं

सीकर, 8 जून (एजेंसियां)। भोपाल से खाटूश्यामजी के दर्शन करने आई दो महिलाओं को बहला-फुसलाकर एक बदमाश उनके साथ मौजूद तीन वर्षीय बच्चे को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति महिलाओं से जयपुर रेलवे स्टेशन पर मिला था और उसने महिलाओं को बातचीत में उलझाकर उनसे उनका गंतव्य पूछा। महिलाओं ने बताया कि वे खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए जा रही हैं। इस पर बदमाश ने कहा कि वह भी उसी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहा है, इसके बाद तीनों खाटूश्यामजी पहुंचे।

मंदिर में पहुंचने के बाद उस व्यक्ति ने महिलाओं से कहा कि वहां बहुत भीड़ है, इसलिए पहले वे मंदिर में जाकर दर्शन करें, तब तक वह उनके बच्चे की देखभाल

कर लेगा। महिलाएं उसकी बातों में आ गईं और मंदिर के अंदर चली गईं। इसके बाद बदमाश बच्चे को लेकर फरार हो गया।

रानौली थाना प्रभारी राजेश कुमार बुढ़ानिया ने बताया कि संभवतया यह घटना भीख मांगने वाली गैंग की हो सकती है। बच्चे की उम्र तीन वर्ष है। पुलिस ने राज्य भर में अलर्ट जारी कर दिया है और उसकी तलाश के लिए टीमें रवाना कर दी गई।

कार की टक्कर से पति- पत्नी और मां की मौत

टोंक, 8 जून (एजेंसियां)। इंद्रगढ़ सवाईमाधोपुर मार्ग पर लालपुरा गांव के पास कार की टक्कर से बाइक सवार पति पत्नी व मां की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके पर कार छोड़ कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर इंद्रगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया सोप जिला टोंक निवासी महावीर मोटरसाइकिल से अपनी मां व पत्नी के साथ करवर में गृह प्रवेश के कार्यक्रम में जा रहे थे।

इसी दौरान लालपुरा गांव के पास कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में सुशीला (38) पत्नी महावीर व कैलाशी (65) पत्नी गोविंद की मौके पर ही मौत हो गई। घायल महावीर (40) को प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रैफर किया, जहां उपचार के दौरान उसकी भी

मौत हो गई।

मृतका सुशीला व कैलाशी का इंद्रगढ़ सामुदायिक चिकित्सालय में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा। परिजनों ने बताया कि महावीर सोप से बाइक पर मां व पत्नी के साथ करवर मकान के गृह प्रवेश कार्यक्रम में जा रहे थे। इसी दौरान टोल प्लाजा के आगे सवाई माधोपुर रोड पर लालपुरा के पास कार व मोटरसाइकिल में भिड़ंत हो गई।

कार चालक घटनास्थल पर कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस कार को थाने लेकर पहुंची। इंदरगढ़ थाना प्रभारी दिनेश शर्मा ने बताया कि हादसे के वक्त बाइक सवार अपनी साइड में चल रहे थे। सामने से आ रही कार ने रॉन्ग साइड में जाकर टक्कर मारी। कार सवार कोटा के रहने वाले हैं। वे करौली जा रहे थे।

हादसे के बाद वे निजी वाहन से सवाई माधोपुर चले गए। वहां अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उन्हें हल्की चोटें आई हैं। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बाइक भी पूरी तरह टूट गई। मृतक महावीर खेती का काम करता था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। वह कृषि कार्य कर बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठा रहा था।

मंदिर के जमीन विवाद को लेकर पुजारी पर जानलेवा हमला, हाथ-पैर तोड़े

बूंदी, 8 जून (एजेंसियां)। जिले के में मंदिर की जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। रविवार को मंदिर से पूजा कर लौट रहे पुजारी मुकुट बिहारी शर्मा पर कुछ लोगों ने कुल्हाड़ी और लाठियों से हमला कर दिया। इस हमले में पुजारी के दोनों पैरों सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उन्हें गंभीर हालत में कोटा अस्पताल रैफर किया गया है।

पुजारी के भाई राजेश शर्मा ने बताया कि हमलावर गांव के ही कुछ लोग थे, जो हमला करने के बाद उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गए। राजेश के मुताबिक यह हमला मंदिर की जमीन से जुड़े पुराने विवाद के कारण हुआ है। इस मामले में कोर्ट पहले ही उनके पक्ष में फैसला सुना चुका है, इसके बावजूद कुछ लोग जबरन जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि छह महीने पहले भी इन्हीं लोगों ने उनके घर पर आकर मारपीट की थी। गेंडोली थाने के एएसआई आशिक हुसैन ने कहा कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश और जमीन विवाद का मामला सामने आया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुख्यात गैंगस्टर पपला गुर्जर को बड़ी राहत, कई केसों में बरी

अलवर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर विक्रम उर्फ पपला गुर्जर को बड़ी राहत मिली है। नारनौल की सेशन कोर्ट ने उसे 5 आपराधिक मामलों में बरी कर दिया है। इन सभी मामलों में महेंद्रगढ़ जिले की अलग-अलग अदालतों ने उसे दोषी ठहराया था। ये सभी वे मामले हैं। जिनमें पपला के खिलाफ चल रहे मामलों में जिनमें न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर उसे सजा सुनाई थी। इसके बाद पपला ने इन फैसलों को नारनौल की सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी।

सेशन कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुनाया। पपला गुर्जर पर हरियाणा और राजस्थान में हत्या, लूट, फिरौती सहित कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल पपला गुर्जर भौंडसी जेल में बंद है। शुक्रवार को वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुआ। आदेश सुनाते समय आरोपी के वकील

कुलदीप सिंह भरगड़ उपस्थित रहे। जबकि आरोपी भी वीसी के माध्यम से हाजिर रहा।

वकील कुलदीप सिंह के मुताबिक विक्रम उर्फ पपला गुर्जर आज जिन केसों में बरी हुआ है उन केसों में तीन केस लड़ाई झगड़े से संबंधित थे। जिसमें एफआईआर होने के बाद वह कोर्ट में पेश नहीं हुआ। कोर्ट ने उसको भगोड़ा घोषित कर दिया था। वहीं एक मामला महेंद्रगढ़ कोर्ट परिसर से भागने का था। इन सभी केसों में वह बार-बार कोर्ट में पेश नहीं हुआ तो निचली अदालत ने उसको सजा सुनाई थी। इसके बाद उसने सेशन कोर्ट में इनके खिलाफ अपील की थी।

विक्रम गुर्जर उर्फ पपला गुर्जर का जन्म हरियाणा के महेंद्रगढ़ के करौली गांव में हुआ था। पपला के पिता की इच्छा थी कि उनका बेटा सेना में जाए। पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए पपला ने फौज में भर्ती होने की तैयारी शुरू की। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अचानक पपला को पहलवान बनने का शौक लगा और कुश्ती सीखने के लिए गांव में शक्ति सिंह के पास पहुंच गया। यहां प्रेम प्रसंग मामले में पपला ने गुरु शक्ति सिंह के साथ मिलकर फौजी संदीप की पिटाई कर दी। जिसका अंजाम ये हुआ कि कुछ दिन बाद ही शक्ति सिंह की हत्या कर दी गई। इसके कुछ दिन बाद ही साल 2014 में संदीप फौजी, मां, मामा और नाना की हत्या हो गया, जिसका आरोप पपला गुर्जर पर लगा।

मद्रास रेजिमेंट के कर्नल ने वॉक अगेन परियोजना के तहत कृत्रिम अंग प्रदान किए

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम, दक्षिण पश्चिमी कमान के सेना कमांडर और मद्रास रेजिमेंट के कर्नल ने आज रोटरी क्लब कोयंबटूर द्वारा त्रिचूर के रोटरी क्लब के तत्वावधान में आयोजित "वॉक अगेन' परियोजना के तहत योग्य व्यक्तियों को कृत्रिम अंग प्रदान किए। उन्होंने संगठन के मानवीय प्रयासों की सराहना की, जिसके तहत केरल और तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में योग्य लाभार्थियों को कुल 500 कृत्रिम अंग प्रदान किए जा रहे हैं। जनरल ऑफिसर ने चिकित्सा विभाग, पंचायत विभाग आदि की मदद से संभावित लाभार्थियों की पहचान और जांच के लिए चलाए गए अभियान की सराहना की, जिस तरह से कोयंबटूर मिडटाउन लिम्ब सेंटर के हड्डी रोग विशेषज्ञों, फिजियोथेरेपिस्ट और विशेषज्ञ तकनीशियनों की देखरेख और मार्गदर्शन में माप लेने के लिए सभी स्थानों पर चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए ढीले छोरों को बांधा गया, प्रत्येक लाभार्थी के लिए सर्वश्रेष्ठ पेशेवर मानकों में कस्टम मेड अंगों का निर्माण किया गया और अंत में विशेषज्ञ डॉक्टरों (भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास) और तकनीकी टीम द्वारा लाभार्थियों को उनके नए अंगों के साथ चलने में सहायता करने के लिए उचित GAIT प्रशिक्षण दिया गया। जनरल ऑफिसर ने भारतीय सेना के मद्रास रेजिमेंट के एक अनुभवी लेफ्टिनेंट कर्नल राजशेखरन नायर, रोटरी क्लब ऑफ त्रिचूर के पूर्व अध्यक्ष और परियोजना नेता, रोटरी क्लब के सदस्यों और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की, जो इन लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए उनके दृढ़ संकल्प और प्रयासों के लिए इस नेक काम में शामिल थे। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों का जीवन बदल जाएगा क्योंकि वे फिर से चलना शुरू कर देंगे। उनका जीवन बेहतर होगा और वे परिवार में कमाने वाले सदस्य बन सकेंगे। अंग लगने के बाद उनका, परिवार के सदस्यों का और समाज का उनके प्रति रवैया पूरी तरह बदल जाएगा और वे आत्मविश्वास हासिल करने लगेंगे और बेहतर तरीके से अपना ख्याल रख सकेंगे।

जनरल मनजिंदर सिंह ने समारोह के दौरान भारतीय सेना के अनुभवी उपलब्धि प्राप्त करने वालों को समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया और कहा कि मद्रास रेजिमेंट भारतीय सेना की सबसे बड़ी, बेहतरीन और सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है। रेजिमेंट के सैनिक भारत के पांच दक्षिणी राज्यों से आते हैं और राष्ट्र की सुरक्षा और संरक्षा की बात करें तो उनकी बहादुरी और सैन्य वंश किसी से पीछे नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी यही बहादुरी दिखाई गई। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में समाज के लिए आगे आने और योगदान देने के लिए अनुभवी बिरादरी और राज्यों के लोगों के योगदान की सराहना की।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी एनडीए

मदुरै में गरजे गृह मंत्री अमित शाह

मदुरै 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मदुरै में कहा कि अगले साल तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में जनता द्रमुक को हराएगी। उन्होंने कहा कि साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और अन्नाद्रमुक मिलकर एनडीए सरकार बनाएंगे। शाह ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एनडीए की सरकार बनेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मेलन द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और बदलाव की शुरुआत का संकेत है। अमित शाह ने कहा कि तमिलनाडु की जनता अब बदलाव चाहती है और भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अमित शाह ने कहा एम.के. स्टालिन कहते हैं कि अमित शाह द्रमुक को हरा नहीं सकते। वह सही कह रहे हैं, मैं नहीं, बल्कि तमिलनाडु की जनता आपको हराएगी। शाह ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारी की समीक्षा भी की और राज्य के नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा की।

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, तमिलनाडु की जनता द्रमुक सरकार के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है। भाजपा के कार्यकर्ता हर गली, मोहल्ले और घर तक पहुंचेंगे और (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए का विकसित और समृद्ध तमिलनाडु का दृष्टिकोण लोगों तक पहुंचाएंगे।

शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में तमिलनाडु को 6.80 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। फिर भी मुख्यमंत्री स्टालिन पूछते हैं कि केंद्र ने राज्य के लिए क्या किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन को चुनौती दी कि वह बताएं क्या उन्होंने 2021 के चुनाव में द्रमुक की ओर से किए गए सभी वादों को पूरा किया है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में शराब बिक्री घोटाले के बराबर पैसे से हर स्कूल में कम से कम दो कक्षाएं बनाई जा सकती थीं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं तमिलनाडु सरकार से एक बार फिर अपील करता हूं कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई जल्द ही तमिल भाषा में शुरू की जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में सेंगोल स्थापित कर तमिलनाडु का सम्मान किया है, और मैं उम्मीद करता हूं कि मुख्यमंत्री स्टालिन उन्हें इसके लिए धन्यवाद देने के लिए पत्र लिखेंगे।

गृह मंत्री शाह ने दिन की शुरुआत प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन से की, जहां उन्होंने पूजा की और मंदिर के पुजारियों ने उन्हें पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने तमिल भाषा में न बोल पाने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी चाहता हूं क्योंकि मैं भारत की सबसे महान भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता।

अप्रैल में तमिलनाडु दौरे के दौरान शाह ने अन्नाद्रमुक के साथ फिर से गठबंधन की घोषणा की थी। अपने संबोधन में भाजपा के राज्य अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने द्रमुक सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने पश्चिमी कोगु क्षेत्र के गांवों में बुजुर्गों की लक्षित हत्या को लेकर पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी लगन के साथ काम करने की अपील की।

नागेंद्रन ने कहा कि उनका लक्ष्य होगा कि विधानसभा में ज्यादा से ज्यादा विधायक पहुंचें। उन्होंने अमित शाह की तुलना भारत के "लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल से की और उन्हें 'भारत का नया लौह पुरुष' करार दिया। भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने कहा कि पार्टी का एकमात्र लक्ष्य तमिलनाडु से द्रमुक को सत्ता से हटाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस 'संकल्प' के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

महिला मंडल की ब्राह्मी जोन ने की सम्यक सामायिक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में चल रहे 25 सामायिक जोन में ब्राह्मी जोन में इस महीने की सामायिक डी.वी.हाउस स्थित विनोद कुमार नीता डागा के यहां पर दोपहर 3 से 4 रखी गई। लगभग 40 बहनों की उपस्थिति में नमस्कार महामंत्र का जप किया गया। मंगल भावना एवं नित नेम के पश्चात आज की कार्यशाला में आन्ध्र तेलंगाना आगम प्रभारी श्रीमती रेखा सकलेचा ने सरल तरीके से उदाहरण सहित पच्चीस बोलों की व्याख्या की। सभी से नमो जिणाणं जिय भयाणं का कम से कम पन्द्रह मिनट जाप करने का आग्रह किया एवं संघ गान का गायन किया गया।

मंडल की मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी ने 16 जून को होने वाली साधारण सभा में सभी बहनों को उपस्थित होने का आग्रह किया एवं नीता डागा द्वारा किए प्रयास की सराहना की। सामायिक के पश्चात् धार्मिक तंबोला,क्विज एवं प्रश्नोत्तरी के गेम खिलाये गए जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया । सामायिक में प्रेक्षा प्रशिक्षिका श्रीमती निर्मला बैद सामायिक ज़ोन मुख्य संयोजिका श्रीमती रीता सुराणा एवं श्रीमती प्रभा दूगड़ की विशेष उपस्थिति रही।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या

कोत्तागुडेम, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम कस्बे में शनिवार को दो समूहों के बीच हिंसक झड़प में एक युवक की हत्या कर दी गई। पीड़ित सतीश (24) की एएसआर कॉलोनी स्थित उसके घर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई।

घटना के बाद आरोपी जी साईराम निवासी जगदीश कॉलोनी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसके और 10 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात को आंध्र प्रदेश के येतापका में एक पेट्रोल पंप पर अज्ञात मुद्दे को लेकर दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी।

तनाव से मुक्ति का साधन है ब्रम्ह ज्ञान आधारित ध्यान-साधना : साध्वी भावना भारती

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे तक श्री आई माता मंदिर, पदमाराव नगर, हैदराबाद में मासिक सत्संग, ध्यान, भजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता दिव्य गुरु सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी दर्शिता भारती ने कहा, मानव का मन एक सुंदर बगीचे के समान होता है। यदि उसमें प्रेम, शांति और भक्ति जैसे पुष्प नहीं लगाए जाएंगे, तो नकारात्मक विचारों की खरपतवार स्वतः ही उग आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक साधक वही है जो नकारात्मकता से संघर्ष करता है और अंततः अपने सकारात्मक दृष्टिकोण के बल पर हर चुनौती को पार कर जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि एक शिष्य को सदैव यह प्रार्थना करनी चाहिए कि उसके मन में कभी भी नकारात्मक विचार उत्पन्न न हों। इसके लिए ब्रह्म ज्ञान आधारित ध्यान-साधना अत्यंत प्रभावशाली साधन हैं। कार्यक्रम का संचालन संस्थान की दक्षिण भारत संयोजिका सुश्री भावना भारती ने कहा कि अध्यात्म का वास्तविक उद्देश्य स्वयं में सुधार लाना है। जब व्यक्ति समय के पूर्ण गुरु की शरण प्राप्त करता है, तो उसे यह ज्ञात होता है कि जीवन की समस्याओं का हल बाहरी दुनिया में नहीं, बल्कि उसकी आंतरिक चेतना में ही निहित है।

इस अवसर पर संस्थान के मंथन प्रकल्प के अंतर्गत पांच से पंद्रह आयु वर्ग के बच्चों के लिए संस्कारशाला का आयोजन किया गया। महाराज श्री के शिष्यों ने सुमधुर भजनों का गायन किया तथा समापन मंगल आरती और भंडारे के आयोजन के साथ हुआ।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल ने लोगों के लिए भोजन पानी सेवा प्रदान की

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आज यहां नुमाईश मैदान में लगे पित्ती ट्रस्ट-सेवादल के शिविर एवं आपातकालीन चिकित्सा शिविर का उद्घाटन परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर सहित पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मत्स्य निगम के चेयरमैन मेट्टू साई कुमार, सांसद अनिल कुमार यादव, ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी.पित्ती ने किया।

अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल एवं कैलाश केडिया ने बताया कि इस वर्ष बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग के लिए मछली प्रसादम का वितरण आज से किया गया जिसके लिए बाहरी क्षेत्रों से आये लोगों की सेवा पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल ने गत 5 जून से ही भोजन की सेवा आरंभ कर दी। शिविर 9 जून को सुबह तक जारी रहेगा। शिविर में भोजन की व्यवस्था परहेज की भोजन सामग्री की लाइव प्रदर्शनी लगाई गई जिसकी जानकारी लोगों ने प्राप्त की। इस शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा तथा एम्बुलेंस सेवा प्रदान की गई। शिविर में दमा रोगियों तथा उनके परिजनों में उपमा, पोहा, पुलिहोरा, पूरी सब्जी, पेयजल पैकेट, छाछ, चाय, बिस्किट आदि का निःशुल्क वितरण किया गया। चार दिवसीय शिविर में लगभग हजारों लोगों में भोजन वितरण की व्यवस्था की गई है। शिविर में पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों सहित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी तथा अग्र महिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में भी अन्य शहरों से आये बंधुओं ने मछली प्रसाद ग्रहण किया जिसमें सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया। शिविर 9 जून सुबह 10 बजे तक जारी रहेगा।

अवसर पर शिविर में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नरेश मित्तल, पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती, सेवा दल के संयोजक विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के शशिकांत अग्रवाल, योगेश जैन, उमाशंकर गोयल, सुरेश जगनानी नवीन पटवारी, गोविंद अग्रवाल, गोविंद केडिया, काजल अग्रवाल, नीना अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, दीपा गर्ग, अंजू गोल, अजय तुलस्यान, दीपा गुप्ता, निर्मला केडिया, गोपाल मोर, प्रदर्शनी सोसाइटी के अनिल मिश्रा, नरेन्द्र गोयल, आर.एन.गुप्ता, दिलीप पंसारी, अरुण डाकोतिया, रमेश अग्रवाल, नवीन केडिया, विनोद अग्रवाल, सहित पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने भाग लिया।

निःशुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आयुर्वेद सेवा संस्थान के तत्वावधान में आज गांधी ज्ञान मंदिर, कोठी में डॉ. महावीरप्रकाश शर्मा के सान्निध्य में 40वां निःशुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर अत्यंत भव्यता और सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर में विप्र फाउंडेशन-16 की गरिमामयी सहभागिता रही।

शिविर का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजन-अर्चन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. महावीरप्रकाश शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया।

इस विशेष अवसर पर हज़ारों अस्थमा रोगियों ने शिविर में पहुँचकर आयुर्वेदिक परामर्श प्राप्त किया और उन्हें शुद्ध, प्राकृतिक एवं पूर्णतः निःशुल्क औषधियाँ प्रदान की गईं। शिविर में अनुभवी वैद्यों द्वारा रोगियों को अस्थमा की रोकथाम, जीवनशैली व आहार के विषय में भी परामर्श दिया गया।

शिविर की संपूर्ण व्यवस्था संयोजक प्रदीप खंडेलवाल के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से सम्पन्न हुई। चिकित्सा सेवाओं का संचालन डॉ. महावीरप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में डॉ. राजेन्द्र शर्मा सहित अन्य अनुभवी आयुर्वेदाचार्यों की टीम द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विप्र फाउंडेशन की ओर से डॉ. महावीरप्रकाश शर्मा का शाल व पुष्पमाला से अभिनंदन किया गया। यह सम्मान विप्र फाउंडेशन तेलंगाना के प्रदेश सचिव श्री रामदेव नागला, राष्ट्रीय महासचिव श्री भगवान बिलाल, तथा हैदराबाद अध्यक्ष श्री भरत चांडा द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर काशी से पधारे महंत निर्मल स्वरूप जी एवं स्थानीय पार्षद महोदय को भी शाल व माला से सम्मानित किया गया।

शिविर की सफलता में निम्न विशिष्टजनों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा:

श्री हरीकिशन ओझा (अध्यक्ष, विप्र फाउंडेशन-16), हरिनारायण व्यास (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विप्र फाउंडेशन), प्रदीप चोटिया(विप्र हैदराबाद सचिव), शिवसागर त्रिवेदी (राष्ट्रीय प्रथिनीधि), अर्जुन थानवी (राज्य संयुक्त सचिव) के अलावा ,श्री महेश अवस्थी, श्री सुरेश गांधी ,संदीप जेलवाल, सत्य प्रकाश दाधीच, लक्ष्मीकांत व्यास , सागर चंदा, श्री गोविंद मडी, श्री लाल पारीक, श्री लालचंद शर्मा

इनके साथ कई अन्य सेवाभावी बंधु-बांधवों का अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समापन सायं 6:30 बजे आभार ज्ञापन एवं मंगल कामनाओं के साथ किया गया।

प्रदर्शनी मैदान में मछली प्रसादम वितरण शुरू हुआ

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में आज वार्षिक मछली प्रसादम वितरण शुरू हुआ, जिसमें देश भर से हजारों अस्थमा रोगी शामिल हुए। इस कार्यक्रम युधिष्ठिर शर्मा, चंद्रमोहन, जयसवाल, सीएल मीणा, विकास कुमार शर्मा, आनंद कुमार शर्मा प्रसाद लाभार्थी सपना जायसवाल दौसा राजस्थान मधु शर्मा मैं महाप्रसाद का लाभ लिया

यह कार्यक्रम 170 वर्षों से अधिक समय से एक परंपरा रही है और व्यापक रूप से यह माना जाता है कि यह मछली और हर्बल दवा के एक अनूठे मिश्रण के माध्यम से अस्थमा के रोगियों को राहत प्रदान करता

मृगशिरा पर्व के अवसर पर जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाग्यनगर के प्रदर्शनी मैदान में बत्तिनी परिवार के सौजन्य से पारंपरिक मछली प्रसादम ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने लोगों को अपने कार्यकर्ताओं के साथ सेवाएं भी दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मणिपुर में मैतेई ...

इनमें इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल हैं। इंफाल ईस्ट और बिष्णुपुर में कर्फ्यू भी लगाया गया है।

3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं।

सात दिन ...

विदेश मंत्रालय के मुताबिक विदेश मंत्री यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष काजा कालास के साथ एक रणनीतिक वार्ता करेंगे और थिंक टैंक और मीडिया के साथ बातचीत करने के अलावा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय संसद के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ जुड़ेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर बेल्जियम की यात्रा के दौरान वहां के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के साथ द्विपक्षीय परामर्श करेंगे। वे बेल्जियम के वरिष्ठ नेतृत्व से भी मिलेंगे। वह भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे।

केरल के व्यापारी...

अधिकारी पर आरोप लगाया गया था कि कुछ निजी व्यक्तियों ने व्यापारी से संपर्क किया और ईडी द्वारा उनके खिलाफ जांच की जा रही मार्च 2021 में दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले को निपटाने के एवज में उनसे दो करोड़ रुपये की मांग की। इस मामले में ईडी ने व्यवसायी को समन जारी किया था और गवाही देने के लिए बुलाया था। समन के खिलाफ बाबू ने केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके बाद केरल उच्च न्यायालय ने उन्हें 30 मई को एजेंसी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन वह इसमें शामिल नहीं हुए और छह जून के लिए जारी दूसरे समन पर पेश हुए।व्यापारी अनीश बाबू, उनके पिता बाबू जॉर्ज और मां अनीता बाबू के खिलाफ ईडी ने काजू आयात मामले में एफआईआर दर्ज की थी। पहले यह मामला केरल पुलिस ने दर्ज किया था। पुलिस ने उन पर विभिन्न व्यक्तियों से 24.73 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। सूत्रों ने आरोप लगाया कि बाबू ने काजू आयात मामले में अब तक ईडी की जांच में सहयोग नहीं किया है और विभिन्न आधारों पर अदालतों का रुख किया।

आपने क्यों मणिपुर...

सैकड़ों मौतें हो चुकी हैं, हजारों लोग बेघर हैं। आखिर क्या कारण है कि केंद्र का शासन होने के बावजूद वहां शांति बहाली नहीं हो पा रही है?' प्रियंका गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री जी ने मणिपुर को उसके हाल पर क्यों छोड़ दिया है? आज तक न वे मणिपुर गए, न राज्य के किसी प्रतिनिधि से मिले,न कभी शांति की अपील की और न ही कोई ठोस प्रयास किया। यह संवेदनहीन और गैर-जिम्मेदार रवैया किसी लोकतंत्र के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री जी की जिम्मेदारी है कि वे देशवासियों के लिए शांति-सुरक्षा सुनिश्चित करें। इससे पीछे हटना अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ना है।

पाकिस्तान के...

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान का दोहरा रवैया अब किसी से छिपा नहीं है. हमने इसे बेनकाब किया और दुनिया को बताया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है. पाकिस्तान अपने एजेंडे में कामयाब कभी नहीं होगा. दुनियाभर में आतंक फैलाया गया है, उसे खत्म करने की जिम्मेदारी हमारी है. पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के जरिए हमारे देश की एकता और अखंडता को खत्म करने की कोशिश की लेकिन हमने एकजुट होकर वैश्विक मंचों पर उसे उजागर करने का काम किया है.

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

केएल राहुल के शतक से 348 पर सिमटी इंडिया ए
इंग्लैंड लायंस अभी भी पीछे

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। टॉम हेन्स और एमिलियो गे ने नॉर्थम्प्टन के काउंटी ग्राउंड में इंग्लैंड लायंस और भारत 'ए' के बीच दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त होने से पहले अर्धशतक जड़े। स्टंप्स के समय, इंग्लैंड लायंस ने 46 ओवर में 192/3 रन बना लिए थे और भारत 'ए' से 156 रन पीछे थे। दूसरे दिन 83 ओवर में 319/7 के स्कोर से आगे खेलते हुए भारत 'ए' को शुरुआती झटके तब लगे जब जोश टंग ने ओवरनाइट बल्लेबाज तनुश कोटियन और अंशुल कंबोज को जल्दी आउट कर दिया। भारत 'ए' की पहली पारी 89.3 ओवर में 348 रन पर सिमट गई।

भारत की तरफ से केएल राहुल ने 116, ध्रुव जुरेल ने 52, करुण नायर ने 40 और नीतिश कुमार रेड्डी ने 34 रन की पारी खेली। इंग्लैंड लायंस के लिए क्रिस वोक्स ने तीन, जोश टंग और जॉर्ज हिल ने दो-दो जबकि फरहान अहमद और टॉम हेंस ने एक-एक विकेट लिए। इंग्लैंड की तरफ से टॉम हेंस और बेन मैक्किने पारी की शुरुआत करने उतरे। बेन मैक्किने 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए एमिलो गे ने टॉम हेंस के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। टॉम हेंस 88 गेंद में 54 रन बनाकर आउट हुए। एमिलो गे 117 गेंद पर 71 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

इंग्लैंड लायंस अभी भी पीछे

खराब रोशनी की वजह से जब खेल रोका गया तब इंग्लैंड लायंस का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 192 रन था। टीम भारत 'ए' से पहली पारी के आधार पर 156 रन पीछे है। जॉर्डन कॉक्स 31 और कप्तान जेम्स रियू शून्य पर नाबाद हैं। भारत 'ए' की तरफ से अंशुल कंबोज, तुषार देशपांडे और तनुष कोटियान को एक-एक विकेट मिले। खलील अहमद और शार्दुल ठाकुर विकेट नहीं ले सके हैं। तीसरे दिन इंग्लैंड लायंस को जल्द समेटने के लिए खलील और शार्दुल को जल्द विकेट चटकाने होंगे।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद तेज
आईओए प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से की मुलाकात

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद तेज कर दी है। आईओए, केंद्र और गुजरात सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने मेजबानी अधिकार हासिल करने से संबंधित प्रक्रिया और तरीकों को बेहतर ढंग से समझने के लिए लंदन में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों से मुलाकात की।

नवंबर में किया जाएगा मेजबान शहर का चयन

प्रतिनिधिमंडल में आईओए प्रमुख पीटी उषा और केंद्रीय खेल मंत्रालय के साथ-साथ गुजरात राज्य सरकार के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने लंदन में दो दिनों तक राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों से मुलाकात की। दावेदारी की अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव 31 अगस्त तक प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है जबकि राष्ट्रमंडल खेल 2030 के लिए मेजबान शहर का चयन इस साल नवंबर में किया जाएगा।

भारत ने औपचारिक रूप से बोली प्रस्तुत की

भारत ने पहले ही अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए अपनी बोली औपचारिक रूप से प्रस्तुत कर दी है। भारत का उद्देश्य 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना है। गुजरात खेल मंत्रालय ने कहा, लंदन में दो दिनों तक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बैठकों में व्यापक चर्चाओं में भाग लिया और दावेदारी से जुड़ी बोली के संबंध में अब तक की गई तैयारियों को प्रस्तुत किया। राष्ट्रमंडल खेल टीम ने कहा कि वह प्रस्तावों की तैयारी के लिए इच्छुक मेजबान शहरों को पूर्ण सहयोग और सहायता प्रदान करेगी।

वीरेंद्र कवर बने भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के अध्यक्ष
दो वोट से नागालैंड के प्रेम को हराया

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। वीरेंद्र कंवर शनिवार को भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के अध्यक्ष बन गए। उन्होंने नागालैंड के प्रेम सिंह बेजोर को दो वोट से हरा दिया। कंवर को कुल 33 वोट मिले। वहीं, बिहार के आनंद शंकर तीसरे कंडिडेट थे जिनके पक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा।

इन चुनावों में अंतरिम समिति का भी चयन किया गया। कंवर को 33 मत मिले जो बाजोर से दो ज्यादा थे। तीसरे उम्मीदवार बिहार के आनंद शंकर को एक भी मत नहीं मिला। राजस्थान के रामानंद चौधरी 33 वोट पाकर नए महासचिव बने, उन्होंने महाराष्ट्र के नीलेश जगताप को चार वोटों से हराया।

तेलंगाना के एन वी हनमनाथ और असम के सुशांत विश्वा 36-36 मतों के साथ उपाध्यक्ष चुने गये जबकि हरि सिंह चौहान (मध्य प्रदेश) ने कोषाध्यक्ष पद का चुनाव जीता। आनंद शंकर और कुलदीप वत्स ने दो संयुक्त सचिव पदों पर जीत हासिल की।

बिनॉय जोश, मिथलेश कुमार, उत्तम राज, एस रामदास और पार्थ दास को कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया। इन चुनावों से पहले रोहित राजपाल की अगुवाई वाली तदर्थ समिति महासंघ का कामकाज देख रही थी।

न्यायालय द्वारा नियुक्त निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति पी. कृष्ण भट (सेवानिवृत्त) ने मतदान कराया। इस दौरान खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ और अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) के प्रतिनिधि भी पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे।

क्रिकेटर रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई
रिंग पहनकर रो पड़ीं प्रिया; कई केंद्रीय मंत्री मौजूद

लखनऊ, 8 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के फाइव स्टार होटल सेंट्रम में क्रिकेटर रिंकू सिंह व सांसद प्रिया सरोज की आज रिंग सेरेमनी है। जिसमें शामिल होने के लिए मेहमान होटल पहुंचने लगे हैं। सपा के राज्यसभा सांसद रामगोपाल दोपहर करीब साढ़े 12 बजे होटल पहुंचे। वहीं, पूर्व सांसद सुशीला सरोज भी पहुंची।

क्रिकेट और राजनीति जगत की दोनों चर्चित हस्तियों की रिंग सेरेमनी में शामिल होने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, सांसद जया बच्चन, सपा नेता शिवपाल सिंह यादव, सांसद रामगोपाल यादव, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला व पूर्व सांसद मोहनलालगंज सुशीला सरोज भी शामिल हुईं। कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्रियों के भी शामिल होने की खबर है।

तय कार्यक्रम के अनुसार भारत आएंगे लियोनल मेसी
केरल के खेल मंत्री ने अफवाहों को किया खारिज

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने उन खबरों को खारिज कर दिया जिसमें बताया जा रहा था कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने केरल का अपना निर्धारित कर दिया है। अब्दुरहीमान ने स्पष्ट किया कि लियोनल मेसी और उनकी टीम तय कार्यक्रम के अनुसार केरल आएगी। उन्होंने बताया कि प्रायोजक ने इस आयोजन के लिए मैच फीस का भुगतान कर दिया है।

अब्दुरहीमान ने कहा कि अर्जेंटीना की टीम के इस साल अक्तूबर-नवंबर में आने की अधिक संभावना है। इस दौरे के दौरान टीम को सरकारी मेहमान की सुविधाएं मिलेंगी। सरकार उनकी सुरक्षा, आवास और अन्य सुविधाओं का खर्च भी उठाएगी। मीडिया के एक वर्ग में ऐसी खबरें थी कि अर्जेंटीना की टीम ने केरल का अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है क्योंकि प्रायोजकों ने अनुबंध के नियमों का उल्लंघन किया है। खेल मंत्री ने हालांकि राज्य में फुटबॉल के प्रशंसकों की उम्मीदों को बनाए रखने की कोशिश की है।

अब्दुरहीमान और प्रायोजक दोनों ने इन रिपोर्टों को दृढ़ता से खारिज कर दिया था और दोहराया था कि विश्व चैंपियन खिलाड़ी केरल में मैत्री मैच का हिस्सा होगा।

मंत्री ने फेसबुक पर एक संक्षिप्त पोस्ट लिखकर कहा कि मेसी आएंगे। इससे यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया। उन्होंने इस पोस्ट में प्रायोजक को भी धन्यवाद दिया।

ग्रीनफील्ड स्टेडियम में हो सकता है मैच

अब्दुरहीमान ने कहा, 'फीफा विंडो के अनुसार अक्तूबर-नवंबर में विश्व टीमों को ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए समय आवंटित है। ऐसे में हमारे लिए भी यही समय आवंटित किए जाने की संभावना है।'

प्रस्तावित मैत्री मैच ग्रीनफील्ड स्टेडियम में आयोजित किए जाने की संभावना है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है। मंत्री ने कहा कि सरकार का एकमात्र उद्देश्य विश्व चैंपियनों को लाकर राज्य के खेल क्षेत्र में नई उम्मीदें जगाना है।

आरसीबी ने जिस गेंदबाज को नहीं दिया मौका
उसी ने हैट्रिक लेकर किया कमाल

चेन्नई, 8 जून (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है. फाइनल में उसने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया था. अब इसी टीम का एक गेंदबाज तमिलनाडु प्रीमियर लीग (2025 में धमाल मचा रहा है. इस खिलाड़ी को आरसीबी ने दो साल पहले अपनी टीम में शामिल जरूर किया था, लेकिन उसे एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था. इसके बाद उसे टीम से बाहर कर दिया गया था. अब इसी खिलाड़ी ने टीएनपीएल के इस सीजन में हैट्रिक लेकर सबको चौंका दिया है. उसके हैट्रिक लेने वाला वीडियो टीएनपीएल ने अपनी ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर अपलोड किया है.

इस ऑलराउंडर ने कर दिया कमाल

साल 2023 में सोनू यादव को आरसीबी ने अपनी टीम में शामिल किया था. वो तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं. हालांकि उन्हें आईपीएल में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला और फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें 2024 में रिलीज कर दिया था, लेकिन यूपी के गोरखपुर के रहने वाला ये खिलाड़ी इससे निराश नहीं हुआ और अब वो तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने इस सीजन के चौथे ही मैच में नेल्लई रॉयल किंग्स की ओर से खेलते हुए हैट्रिक ले ली. इसके अलावा सोनू ने इस मैच में 8 गेंदों पर नाबाद 10 रन भी बनाए.

हैट्रिक लेने वाले छठे खिलाड़ी बने

नेल्लई रॉयल किंग्स के ऑलराउंडर सोनू यादव त्रिची ग्रैंड के खिलाफ अंतिम ओवर करने के लिए आए. उन्होंने इस ओवर की तीसरी, चौथी और पांचवीं गेंद पर विकेट चटकाकर इतिहास रच दिया. वो टीएनपीएल में हैट्रिक लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं. सोनू यादव ने इस मैच में 3 ओवर में 22 रन देकर तीन खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा. उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत त्रिची ग्रैंड 20 ओवर में 8 विकेट पर 157 रन ही बना सकी.

जवाब में नेल्लई रॉयल किंग्स की टीम ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया. इस जीत के साथ नेल्लई रॉयल किंग्स ने इस सीजन में जीत के साथ अपनी शुरुआत की है. जबकि त्रिची ग्रैंड की इस सीजन में ये पहली हार है.

कोहली-रोहित को मिलेगा स्पेशल फेयरवेल
ऑस्ट्रेलिया ने शुरू कर दी खास तैयारी

सिडनी, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया. इसके सिर्फ 5 दिनों के बाद सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भी 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला कर लिया. इन दोनों दिग्गजों ने टी20 विश्व कप 2024 में जीत दर्ज करके टी20आई फॉर्मेट को भी अलविदा बोल दिया था. अब इन दोनों स्टार खिलाड़ियों को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया शानदार फेयरवेल देने की तैयारी में लगा है.

कोहली-रोहित को मिलेगा फेयरवेल

टेस्ट फॉर्मेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा को अच्छा फेयरवेल नहीं मिला है. अब ये दोनों ही दिग्गज खिलाड़ी इंटरनेशनल स्टेज पर सिर्फ वनडे फॉर्मेट में ही खेलते हुए नजर आने वाले हैं. ऐसे में ये दोनों ही दिग्गज खिलाड़ी अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जा सकते हैं. जहां पर टीम इंडिया को 3 वनडे मुकाबले खेलने हैं. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस दौरे को विराट कोहली और रोहित शर्मा के फेयरवेल सीरीज की तरह तैयारी करेगी. इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को बतौर खिलाड़ी ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है. ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया भी इसे बेहद खास बनाना चाहता है.

एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के पहले मैच में भारतीय टीम को झटका
नीदरलैंड ने हराया

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड), 8 जून (एजेंसियां)। एक गोल से बढत बनाने के बावजूद भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के पहले मैच में शनिवार को ओलंपिक चैम्पियन नीदरलैंड के हाथों 2-1 से हार गई। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दागकर भारत को बढत दिला दी थी लेकिन नीदरलैंड के लिये थीज वैन डैम ने दो फील्ड गोल (25वां और 58वां मिनट) करके भारत के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

भुवनेश्वर में खेले गए प्रो लीग के घरेलू चरण में आठ मैचों में 15 अंक हासिल करके भारत तीसरे स्थान पर है। बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधे जगह बनाने के लिये भारतीय टीम की नजरें यूरोपीय चरण में अधिकतम अंक जुटाने पर लगी हैं लेकिन आगाज जीत के साथ नहीं हो सका।

भारतीय टीम ने शानदार शुरूआत की और अच्छे पास देकर गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा। पहले आठ मिनट में दोनों टीमों ने रक्षात्मक हॉकी दिखाई। भारत को इसके बाद गोल करने का सुनहरा मौका मिला जब डच सर्कल के भीतर दिलप्रीत सिंह को गेंद मिली लेकिन उसे गोलकीपर मौरित्ज विसेर ने बचा लिया।

वहीं नीदरलैंड ने जवाबी हमला बोला और थियरी ब्रिंकमैन दाहिने फ्लैंक से भारतीय सर्कल में सेंध लगाने घुसे लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने चुस्ती दिखाई। दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में स्टेन वान हेइजिनिंगजेन का वार भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने बचा लिया। भारत को जवाबी हमले में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर हरमनप्रीत ने गोल दागा।

भारत की बढत हालांकि ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रही और पांच मिनट बाद ही वैन डैम ने बराबरी का गोल दाग दिया। हाफटाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर था। दूसरे हाफ में भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति में तालमेल का अभाव दिखा और गोल करने के मौके भी नहीं बन सके। भारत ने इसे तोड़ने के लिये लंबे हवाई पास देने की रणनीति अपनाई लेकिन डच टीम पूरी तैयारी के साथ आई थी। तीसरे क्वार्टर में हालांकि कोई गोल नहीं हो सका।

आखिरी क्वार्टर में डच खिलाड़ियों को भारत को गेंद पर नियंत्रण बनाने ही नहीं दिया। वैन डैम ने आखिरी सीटी बजने से दो मिनट पहले एक और शानदार फील्ड गोल करके नीदरलैंड को जीत दिलाई। भारत को अब नौ जून को फिर नीदरलैंड से खेलना है। इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से, 14 और 15 जून को आस्ट्रेलिया और फिर 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से खेलना है।

इंग्लैंड की दिग्गज क्रिकेटर ने अचानक छोड़ा क्रिकेट
वर्ल्ड कप से ठीक पहले लिया चौंकाने वाला फैसला

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम के खिलाफ घरेलू सीरीज से ठीक पहले इंग्लैंड की स्टार स्पिनर ने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है. महिला प्रीमियर लीग 2025 में यूपी वारियर्स की ओर से खेलने वाली ये खिलाड़ी कब तक ब्रेक पर रहेंगी, इसका खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन इसी साल सितंबर में होने वाली महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले उनका ब्रेक पर जाना इंग्लैंड के लिए बड़ा झटका है. ये खिलाड़ी इंग्लैंड की ओर से क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेलती हैं और वो 177 मैचों में 297 विकेट चटका चुकी हैं. उनके न खेलने की वजह से इंग्लैंड की गेंदबाजी कमजोर दिखाई दे रही है. इसके अलावा इंग्लैंड को इसी महीने से भारत से टी20 और वनडे सीरीज खेलनी है.

क्यों लिया ये फैसला?

26 साल की सोफी एक्लेस्टनने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला क्यों किया है? इस मामले से इंग्लैंड के हेड कोच छार्लेट एडवर्ड्स ने पर्दा उठाया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक एडवर्ड्स ने बताया कि सोफी फिलहाल क्वाड्स यानी की जांघ की मसल की चोट से जूझ रही हैं. इसकी वजह से उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है. वनडे की नंबर-एक इस गेंदबाज को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान भी ब्रेक पर रखा गया गया था. उस दौरान सोफी घुटने की चोट से रिकवरी कर रही थीं.

28 जून से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

रिपोर्ट्स के मुताबिक इंग्लैड के कोच ने बताया कि सोफी पिछले कुछ समय से चोट से परेशान हैं. इसी वजह से उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लिया है. वो कितने समय तक ब्रेक पर रहेंगी इसका खुलासा नहीं हो पाया है. लेकिन पूरी टीम उनके फैसले के साथ है. एडवर्ड्स ने कहा कि हम चाहते हैं कि वो भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले फिट हो जाएं, लेकिन इसका फैसला सोफी ही लेंगी. भारतीय महिला टीम 28 जून से इंग्लैंड में टी20 और वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी. भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 मैच और तीन वनडे मैच होंगे. इसके अलावा सितंबर से महिला वनडे वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है. इसको लेकर सभी टीमें तैयारियों में जुट गई हैं.

ये है भारत का कार्यक्रम

पहला टी20 मैचः 28 जून को नॉटिंघम में दूसरी टी20 मैचः 1 जुलाई को ब्रिस्टल में तीसरा टी20 मैचः 4 जुलाई को द ओवल में चौथा टी20 मैचः 9 जुलाई को मैनचेस्टर में पांचवां टी20 मैचः 12 जुलाई को बर्मिंघम में पहला वनडे मैच : 16 जुलाई को साउथेम्प्टन में दूसरा वनडे मैचः 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरा वनडे मैचः 22 जुलाई को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में

बीआरएस पार्टी के विधायक मगंती गोपीनाथ का निधन

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा सीट से बीआरएस पार्टी के विधायक मगंती गोपीनाथ का आज निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और रविवार सुबह 5.45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। गुरुवार शाम (5 जून) को सीने में तेज दर्द से पीड़ित गोपीनाथ को उनके परिवार के सदस्यों ने गच्चीबावली के एआईजी अस्पताल में भर्ती कराया। तब से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्हें दिल का दौरा पड़ा। हालांकि सीपीआर से उनकी हृदय गति सामान्य हो गई और उनकी नब्ज भी सामान्य हो गई, लेकिन वे अपनी अचेत अवस्था से उबर नहीं पाए। रविवार सुबह उनकी हालत बिगड़ने के कारण उनका निधन हो गया। गोपीनाथ के परिवार में उनकी पत्नी सुनीता, बेटा वात्सल्यनाथ और बेटी अक्षरागा हैं। मगंती गोपीनाथ का जन्म 2 जून 1963 को शहर के हैदरगुडा में हुआ था। उन्होंने 1980 में वेंकटेश्वर ट्यूटोरियल्स से इंटरमीडिएट पूरा किया। उन्होंने 1983 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से बीए पूरा किया। उन्होंने 2014, 2018 और 2023 के विधानसभा चुनावों

में जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से लगातार जीत हासिल की। 1985 से 1992 तक तेलुगु नाडु युवा विंग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले मगंती ने 2014 का चुनाव टीडीपी की ओर से लड़ा था। उन्होंने अपने निकटतम मजलिस पार्टी के उम्मीदवार नवीन यादव पर 9,000 से अधिक मतों की बढ़त के साथ पहली बार जीत का स्वाद चखा। इसके बाद, वह बीआरएस पार्टी में शामिल हो गए और 2018 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार पी विष्णुवर्धन रेड्डी को हराया। पिछले चुनावों में, उन्होंने एक बार फिर जुबली हिल्स से चुनाव लड़ा और पार्टी के कांग्रेस उम्मीदवार अजहरुद्दीन के खिलाफ जीत हासिल करते हुए हैट्रिक का आंकड़ा हासिल किया उन्होंने पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और शहर में एक प्रमुख नेता बन गए।

केसीआर ने विधायक गोपीनाथ को श्रद्धांजलि दी उनके परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी

हैदराबाद, 8जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी सुप्रीमो कलवकुंतला चंद्रशेखर राव ने आज पार्टी के वरिष्ठ नेता और जुबली हिल्स के विधायक मगंती गोपीनाथ के पार्थिव शरीर के दर्शन किए, जिनका बीमारी के कारण इलाज के दौरान असामयिक निधन हो गया था, माधापुर स्थित उनके आवास पर पहुंचे और पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने इस अवसर पर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बाद में केसीआर ने गोपीनाथ की शोक संतप्त पत्नी और बच्चों को सांत्वना दी। उन्होंने उन्हें हिम्मत दी। उन्होंने उनके बेटे वात्सल्यनाथ को अपने पास बुलाया और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि पार्टी मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी रहेगी। इस बीच, सज्जन व्यक्ति के रूप में जाने जाने वाले गोपीनाथ के पार्थिव शरीर को देखकर केसीआर भावुक हो गए। इस अवसर पर उनकी आंखों से आंसू छलक आए। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव, पार्टी सांसद के. संतोष कुमार, पुव्वाडा अजय, भास्कर राव, पद्मराव गौड़, आसननगरी जीवन रेड्डी, मैरी जनार्दन रेड्डी, शेरी सुभाष रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी, पार्टी नेता पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता रावुला चंद्रशेखर रेड्डी, आरएस प्रवीण कुमार, चिरुमल्ला राकेश, गेलु श्रीनिवास यादव, रावुला श्रीधर रेड्डी और अन्य पार्टी नेताओं ने केसीआर के साथ भाग लिया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने कैबिनेट पद के दावेदारों को मनाया!

सुदर्शन रेड्डी कैबिनेट पद के प्रमुख दावेदारों में से एक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को राजभवन में तीन विधायकों के मंत्री पद की शपथ लेने के दौरान, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने कैबिनेट पद के प्रबल दावेदार अन्य विधायकों से मुलाकात की और उन्हें मनाने का प्रयास किया। सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी सहित कुछ नेताओं के साथ एआईसीसी प्रभारी ने पूर्व मंत्री सुदर्शन रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की और उनके साथ चर्चा की। सुदर्शन रेड्डी कैबिनेट पद के प्रमुख दावेदारों में से एक थे। कैबिनेट में शामिल किए गए तीन विधायकों में उनका नाम नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताई है।

कहा जाता है कि इसके जवाब में नटराजन ने सुदर्शन रेड्डी को आश्वासन दिया और पार्टी की पसंद के बारे में उन्हें समझाने की कोशिश की। मंत्रिमंडल के 17 पदों में से 11 पहले ही भरे जा चुके हैं और नवीनतम पदों के साथ अब 14 पद भरे जा चुके हैं। तीन पद अभी भी खाली हैं और शेष उम्मीदवारों को मनाने के प्रयास जारी हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि सुदर्शन रेड्डी के अलावा नटराजन ने मुनुगोड़े के विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी और मंचेरियल के विधायक प्रेम सागर राव से भी मुलाकात करने की कोशिश की थी, जो मंत्रिमंडल में शामिल होने के प्रबल दावेदार थे। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि इन नेताओं को क्या आश्वासन दिया गया या उनकी अगली कार्रवाई क्या होगी?

मगंती की सेवाओं ने लोगों पर अमिट छाप छोड़ी: बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि बीआरएस पार्टी के हैदराबाद जिला अध्यक्ष और जुबली हिल्स विधायक मगंती गोपीनाथ का असामयिक निधन बीआरएस पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जब मुझे पता चला कि हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में इलाज करा रहे मगंती अब नहीं रहे, तो मैं रविवार सुबह अपनी पत्नी शैलिमा और बेटे हिमांशु के साथ अस्पताल पहुंचा। इस अवसर पर केटीआर ने मगंती गोपीनाथ के परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। मगंती के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए केटीआर ने प्रार्थना की कि

भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

उन्होंने याद किया कि मगंती गोपीनाथ राजनीति में कदम दर कदम आगे बढ़े और लगातार तीन बार जुबली हिल्स विधायक चुने गए और एक जननेता के रूप में पहचान बनाई। केटीआर ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी सेवाओं को कभी नहीं भुलाया जाएगा और कहा कि एक अच्छे नेता को खोना बहुत दर्दनाक है। उन्होंने याद किया कि हर दिन सार्वजनिक सेवा में लगे रहने वाले मगंती राजनीति में गरिमा का पर्याय बन गए थे। केटीआर और हरीश राव ने गोपीनाथ की अंतिम यात्रा में भाग लिया और पार्थिव शरीर को अपने कंधों पर उठाया। केटीआर के साथ, पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और मगंती के प्रशंसक महाप्रस्थानम में आयोजित अंतिम संस्कार में शामिल हुए। केटीआर ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ विधायक मगंती गोपीनाथ का अंतिम संस्कार आयोजित करने के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज हैदराबाद का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रंगा रेड्डी जिले में वीकेएसए कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण करने और विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) के तहत किसानों से बातचीत करने के लिए हैदराबाद का दौरा करेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने प्री-खरीफ सीजन के दौरान 29 मई से 12 जून, 2025 तक निर्धारित "विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए)" नामक एक राष्ट्रव्यापी आउटरीच पहल शुरू की है।

इस प्रमुख अभियान का उद्देश्य वैज्ञानिक प्रगति को सीधे किसानों से जोड़कर कृषि अनुसंधान और जमीनी स्तर की प्रथाओं के बीच की खाई को पाटना है, जिससे विकसित भारत @204% के विजन को साकार करने में योगदान मिलेगा। आईसीएआर के मार्गदर्शन में, आईसीएआर-अटारी, जोन एक्स, हैदराबाद को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और पुडुचेरी में वीकेएसए अभियान के समन्वय का काम सौंपा गया है। अभियान को कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), आईसीएआर संस्थानों, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सामूहिक प्रयासों से संबंधित राज्यों के कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभागों के साथ मिलकर लागू किया जा रहा है।

इस चल रही राष्ट्रीय पहल के हिस्से के रूप में, शिवराज सिंह चौहान 9 जून, 2025 को रंगा रेड्डी जिले, तेलंगाना में वीकेएसए कार्यक्रम स्थलों का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य किसानों के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाना और अभियान के प्रभाव को बढ़ाने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करना है। अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय मंत्री रंगा रेड्डी जिले के मनसनपल्ली गाँव और रामचंद्रगुड़ा गाँव में किसानों (किसान चौपाल) से बातचीत करेंगे।

इसके बाद मंत्री इब्राहिमपटनम के मंगलपल्ली गाँव में कल्लेम जंगारेड्डी गार्डन में किसानों को संबोधित करेंगे, जिसमें विकसित कृषि संकल्प अभियान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्रौद्योगिकी प्रसार और जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से पूरे भारत में 1.5 करोड़ से अधिक किसानों तक पहुँचने की बात कही जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ भाग लेंगे। हैदराबाद के कृषि राज्य मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव, तेलंगाना कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष एम. कोडंडा रेड्डी के साथ इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। भारत सरकार के डेयर सचिव एवं आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, उप महानिदेशक (एनआरएम) डॉ. ए.के. नायक, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डी.के. यादव, एडीजी (एसडब्ल्यूसीई) डॉ. ए. वेलमुरुगन इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। तेलंगाना भर के लगभग 1500 किसानों और कृषि महिलाओं के वैज्ञानिक-किसान संवाद सत्र में भाग लेने की उम्मीद है, ताकि वे कृषि और जलीय कृषि के लिए टिकाऊ प्रथाओं, बेहतर प्रौद्योगिकियों और एकीकृत दृष्टिकोणों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर तेलंगाना के कृषि विज्ञान केंद्रों और हैदराबाद के आईसीएआर संस्थानों द्वारा नवाचारों और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। गांव के दौरे से पहले, केंद्रीय मंत्री आगामी सुविधाओं की आधारशिला रखने, विभिन्न सुविधाओं का दौरा करने और वृक्षारोपण करने के लिए आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद का दौरा करेंगे। हैदराबाद स्थित आईसीएआर संस्थानों, आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (जोन एक्स), आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन अकादमी, आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान और आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक और वैज्ञानिक इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। आईसीएआर-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, आईसीएआर-कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद, आईसीएआर-राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान, आईसीएआर-एनबीपीजीआर क्षेत्रीय स्टेशन और शीतकालीन नर्सरी केंद्र, आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

मानव तस्करी और धोखाधड़ी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने रविवार को मानव तस्करी और धोखाधड़ी में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के निवासी सत्यनारायण ने लंकापल्ली मैरी नामक महिला को मस्कट में नौकरी दिलाने का लालच दिया था और पर्यटक वीजा तथा अन्य दस्तावेज देकर उसे धोखा दिया था। पीड़िता से आरजीआई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने उसकी मस्कट यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछताछ की और जब उन्हें पता चला कि मैरी अवैध रूप से नौकरी के उद्देश्य से जा रही थी, तो उन्होंने उसे आरजीआई हवाई अड्डा पुलिस के पास भेज दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सत्यनारायण को गिरफ्तार कर लिया है।

आंध्र प्रदेश में मंत्री ने गुस्से में बुके फेंका

डीएम से पूछा था- कितने सिलेंडर फ्री बांटे, जवाब नहीं मिला तो नाराज हुई

अमरावती, 8 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की पिछड़ा वर्ग मंत्री सविता एस ने जिलाधिकारी पर गुस्सा करते हुए बुके (गुलदस्ता) फेंक दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना तीन दिन पहले की है। हालांकि इसका वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मंत्री सविता पेंशन वितरण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जिलाधिकारी प्रभावती से पूछा कि पहले फेज में कितने फ्री गैस सिलेंडर बांटे गए। डीएम इस सवाल का सही जवाब नहीं दे सकीं। इससे नाराज होकर मंत्री ने बुके फेंक दिया जो कुछ देर पहले ही प्रभावती ने दिया था। इस विवाद पर मंत्री और जिला प्रशासन की ओर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मंत्री के व्यवहार को लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ लोगों ने मंत्री के गुस्से को गलत बताया तो कुछ ने अफसर की तैयारी पर सवाल खड़े किए।

कई यूजर्स ने लिखा कि एक कैबिनेट मंत्री को सार्वजनिक कार्यक्रम में संयम बरतना चाहिए, भले ही जवाब न मिले। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि मंत्री की नाराजगी को जायज है।

प्रशासन को योजनाओं के बारे में जानकारी होनी चाहिए। सविता एस आंध्र प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और हथकरघा एवं वस्त्र विभाग की मंत्री हैं। वे तेलुगू देशम पार्टी से हैं। 2024 में पहली बार पेनुकोंडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनी गईं।

सीएम नायडू ने विधायक गोपीनाथ की मौत पर व्यक्त किया शोक

अमरावती, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हैदराबाद के जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मगंती गोपीनाथ की अचानक मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष ने कहा कि गोपीनाथ के निधन की खबर सुनकर उन्हें गहरा सदमा लगा। उन्होंने याद किया कि गोपीनाथ ने टीडीपी से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी और कई पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य किया। उन्होंने कहा, 'मैं गोपीनाथ के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले।' गोपीनाथ ने रविवार को हैदराबाद के एक कॉर्पोरेट अस्पताल में अंतिम सांस ली, तीन दिन पहले उन्हें हृदयाघात हुआ था।

जुबली हिल्स से तीन बार विधायक रहे, वह पहली बार 2014 में टीडीपी उम्मीदवार के रूप में निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। बाद में वह बीआरएस में शामिल हो गए और 2018 और 2023 में बीआरएस के टिकट पर सीट बरकरार रखी। आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने भी मगंती गोपीनाथ के निधन पर शोक व्यक्त किया। टीडीपी महासचिव ने कहा कि दिल का दौरा पड़ने से गोपीनाथ की असामयिक मृत्यु की खबर सुनकर दुख हुआ। लोकेश ने बताया कि मगंती गोपीनाथ ने अपनी राजनीतिक यात्रा तेलुगु देशम पार्टी से शुरू की थी। वे 1982 में टीडीपी में शामिल हुए और 1985 में तेलुगु युवाथा के हैदराबाद अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

शिक्षा मंत्री ने याद दिलाया कि गोपीनाथ 2014 में टीडीपी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। वह लगातार तीन बार विधायक चुने गए और निर्वाचन क्षेत्र के विकास और जन कल्याण के लिए काम किया। लोकेश ने गोपीनाथ के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि मगंती गोपीनाथ का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

गोवा में हैदराबाद पुलिस की छापेमारी वॉशिंग मशीन से मिला 50 लाख कैश

हैदराबाद , 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने इंटरनेशनल ड्रग कार्टेल के हवाला कैश ट्रेल का खुलासा गया। ब्यूरो की टीम कार्रवाई के दौरान गोवा में एक फ्लैट में रखी वाशिंग मशीन तक पहुंची, जिसमें 50 लाख रुपये रखे गए थे। नारकोटिक्स ब्यूरो के डायरेक्टर संदीप शांडिल्य ने बताया कि यह पैसा नाइजीरिया भेजा जाने वाला था। अगर टीम छापेमारी में एक घंटा भी देर करती, तो पूरी रकम ट्रांसफर हो जाती।

गोवा में एक महीने तक चली निगरानी के बाद तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने गोवा पुलिस की मदद से मापुसा में स्थित संगीता मोबाइल शॉप और गोवा के हाइलैंड पार्क में एक अपार्टमेंट में हवाला लेनदेन का पता लगाया। मुख्य आरोपी उत्तम सिंह मोबाइल की दुकान चलाता है। उसने सिर्फ एक हफ्ते में 2.1 करोड़ रुपये की ड्रग मनी का हेरफेर किया था। संदीप शांडिल्य ने बताया कि 50 लाख कीर रकम भी उसने सिर्फ दो दिनों में इकट्ठा किया गया था। यह वाशिंग मशीन के अंदर अच्छी तरह से छिपाकर रखा गया था, भेजने के लिए तैयार था।

शांडिल्य ने बताया कि ड्रग मनी नकद में इकट्ठा किया जाता था। इंडिया में रहने वाले विदेशी नागरिक उत्तम को पैसे देते थे, जिसे वह इलेक्ट्रिक एपलायंसेज में छिपाकर और अन्य गैरकानूनी तरीकों से मुंबई भेजता था। वहां से यह नाइजीरिया ट्रांसफर किया जाता था।

गोवा से चलने वाले इस हवाला ट्रेल की जांच तब शुरू हुई जब नाइजीरियाई नागरिक इमैनुएल बेडियाको उर्फ मैक्सवेल ने नारकोटिक्स ब्यूरो की पूछताछ में जानकारी दी।

26 मई से 1 जून के बीच नारकोटिक्स विभाग के अधिकारियों ने 2.1 करोड़ रुपये के 58 हवाला लेनदेन को ट्रैक किया। इस लिंक का पता लगाने के कुछ दिनों बाद हाइलैंड पार्क अपार्टमेंट पर छापा मारा गया। वहां से 50 लाख रुपये नकद बरामद हुए। पिछले एक महीने के दौरान गोवा में छापेमारी के दौरान चार नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों का मानना है कि गोवा में पकड़ा गया उत्तम कई हवाला ऑपरेटरों में से एक है। वह बॉर्डर पार ड्रग मनी ट्रांसफर करने में मदद करता है। पुलिस अधिकारियों को संदेह है कि हवाला ऑपरेटरों का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। वे अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स कार्टेल के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 362 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने शनिवार रात को विशेष शराब पीकर वाहन चलाने की जांच के दौरान 362 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए। पकड़े गए लोगों में 260 दोपहिया वाहन, 24 तिपहिया वाहन, 73 चार पहिया वाहन और पांच भारी वाहन चालक शामिल हैं। सबसे अधिक 64 मामले मियापुर यातायात पुलिस द्वारा दर्ज किए गए , इसके बाद शमशाबाद में 42, चेवेल्ला और शादनगर में 32-32 मामले दर्ज किए गए। पकड़े गए 362 लोगों में से 141 की आयु 31-40 वर्ष के बीच थी, जबकि 123 चालक 21-30 वर्ष के बीच के थे।

महाप्रबंधक ने "संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद । दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर अधिकारियों की टीम के साथ रविवार को रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में आयोजित फिट इंडिया साइक्लोथॉन कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई और उसमें साइकिल चलाई। यह कार्यक्रम एससीआर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा खेलो इंडिया योजना की फिट इंडिया पहल के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था और इसका उद्देश्य युवा मामले और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में रेलवे कार्यबल और समुदायों में फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हमारी दिनचर्या में फिटनेस को एकीकृत करना था।

इस अवसर पर बोलते हुए, महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने दक्षिण मध्य रेलवे पर इस उचित और महत्वपूर्ण पहल को अपनाने के लिए खेल संघ की सराहना की। उन्होंने फिट रहने के महत्व पर जोर दिया जो बहुत महत्वपूर्ण है और समय की मांग है। फिट इंडिया मूवमेंट अभियान ने वास्तव में सभी को फिट और स्वस्थ रहने में बड़ी मदद की है। साइकिलिंग गतिविधि स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी है और आजकल दूसरे देशों में कई लोग फिटनेस बनाए रखने के लिए साइकिलिंग की ओर लौट रहे हैं। साइकिल चलाना पर्यावरण के अनुकूल गतिविधि है और इससे स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से इस फिट इंडिया अभियान में भाग लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर; भारतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, वरिष्ठ रेलवे अधिकारी, एससीआर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अधिकारी और एससीआर खिलाड़ी भाग लेने वालों में शामिल थे। युवा मामले और खेल मंत्रालय और श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान शुरू किया है। हमारे प्रधान मंत्री द्वारा लोगों के आंदोलन के रूप में परिकल्पित, फिट इंडिया आंदोलन भारत को एक फिट राष्ट्र बनाने के लिए देश के नागरिकों को शामिल करने का एक प्रयास है। साइक्लोथॉन फिट इंडिया आंदोलन का हिस्सा है जिसमें विषयगत अभियान शामिल हैं; फिटनेस मूल्यांकन रविवार को साइकिल पर नामक एक बड़े पैमाने पर फिटनेस अभियान में विकसित हुआ है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.